राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार,19अगस्त2020 वर्ष-3, अंक -203 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा सरकार

पीएम मोदी आज करेंगे स्वच्छ सर्वेक्षण के परिणामों की घोषणा, लगातार 3 साल से इंदौर का है कब्जा

नई दिल्ली।

केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण के पांचवें संस्करण 'स्वच्छ सर्वेक्षण- 2020 के नतीजों की बृहस्पतिवार को घोषणा करेंगे। मंत्रालय के प्रवक्ता राजीव जैन ने मंगलवार को बताया कि 4242 शहरों, 62 छावनी बोर्ड और गंगा नदी के किनारे स्थित 92 नगरों के सर्वेक्षण में 1.87 करोड़ नागरिकों ने भागीदारी की। जैन ने बताया कि 'स्वच्छ महोत्सव में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों को कुल 129 पुरस्कार दिए जाएंगे। कार्यक्रम आयोजित कर रहे केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने कहा है कि प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए देश के विभिन्न भागों के स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (एसबीएम-यू) के चुनिंदा 'स्वच्छाग्रहियों और सफाईकर्मियों से भी संवाद करेंगे। मंत्रालय ने बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री डैशबोर्ड पर 'स्वच्छ सर्वेक्षण-2020 के परिणाम की भी घोषणा करेंगे। मंत्रालय ने कहा है कि 28 दिनों में स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 का अभियान पूरा हुआ है। स्वच्छता ऐप पर 1.7 करोड़ नागरिकों ने पंजीकरण कराया। सोशल मीडिया पर 11 करोड़ से ज्यादा बार इसे देखा गया, 5.5 लाख से ज्यादा सफाई कर्मचारी सामाजिक कल्याण कार्यक्रम से जोड़े गए और अनौपचारिक रूप से कचरा बीनने के काम में लगे 84,000 से ज्यादा लोगों को मुख्यधारा में लाया गया। मिशन में नागरिकों की व्यापक स्तर पर भागीदारी के उद्देश्य से सरकार ने स्वच्छ सर्वेक्षण की शुरूआत की थी। इसके तहत देश के शहरों को स्वच्छ बनाने के लिए उनके भीतर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा देना है। मंत्रालय ने कहा कि कार्यक्रम के तहत एसबीएम-यू के सफर में आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के भागीदार संगठनों- यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी), बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) और गूगल को भी साथ लाया जाएगा और उनका सम्मान किया जाएगा। स्वच्छ महोत्सव में स्वच्छता सर्वेक्षण रिपोर्ट के अलावा स्वच्छ सर्वेक्षण नवोन्मेष पर रिपोर्ट, स्वच्छ सर्वेक्षण सोशल मीडिया रिपोर्ट और गंगा के किनारे बसे नगरों पर रिपोर्ट भी जारी की जाएंगी। सर्वेक्षण के पहले संस्करण में भारत में सबसे स्वच्छ शहर का खिताब मैसुरू ने हासिल किया था, जबकि इसके बाद इंदौर लगातार तीन साल तक (2017,2018,2019) शीर्ष स्थान पर रहा। मंत्रालय ने कहा है कि 20 अगस्त को नतीजे की घोषणा हो जाएगी। कोविड-19 महामारी के कारण इस बार इसमें देरी हुई है।

पीएम मोदी ने की मॉनसून के मौसम में सतर्क रहने की अपील, कहा- सुरक्षित रहिए, खुश रहिए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बरसात के मौसम के बाद जल और कीटाणुजनित बीमारियों के होने वाले प्रकोप के प्रति मंगलवार को लोगों को आगाह करते हुए इनसे बचाव के लिए ऐहतियात बरतने की सलाह दी है। मोदी ने आज दूरदर्शन के एक समाचार पर ट्वीट करते हुए लिखा,''यह उष्णकटिबंधीय और रोगवाहक जनित बीमारियों का मौसम है। मैं आप सभी से उचित सतकर्ता बरतने की अपील करता हूं। प्रधानमंत्री ने लिखा, सरकार भी हालात पर नजदीक नजर रखे हुए है और प्रभावितों की देखभाल सुनिश्चित कर रही है। सुरक्षित रहो,खुश रहिए। प्रधानमंत्री ने वास्तव में दूरदर्शन के एक समाचार को रीट्वीट किया है, जिसमें यह जानकारी दी गई है कि मॉनसून से मच्छरों से पैदा होने वाली बीमारियों से कैसे बचाव किया जा सकता है। खबर में केंद्र सरकार की तरफ से उठाए जा रहे कदमों की जानकारी भी दे गई है। गौरतलब है कि बारिश के बाद डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के तेजी से फैलने का खतरा अधिक रहता है और लापरवाही जानलेवा भी साबित हो सकती है। गौरतलब है कि बारिश के बाद डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के तेजी से फैलने का खतरा अधिक रहता है और लापरवाही जानलेवा भी साबित हो सकती है। गौरतलब है कि बारिश के बाद डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के तेजी से फैलने का खतरा अधिक रहता है और लापरवाही जानलेवा भी साबित हो सकती है।

कोरोना संकट के बीच महाराष्ट्र में कब खुलेंगे मंदिर, जवाब दे उद्धव सरकार: बॉम्बे हाईकोर्ट

नेशनल डेस्क। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया कि राज्य में कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन के बीच पूजा स्थलों को फिर से खोलने के संबंध में वह अपना रुख स्पष्ट करे। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता की अगुवाई वाली पीठ शहर के एक गैर सरकारी संगठन द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में राज्य में मंदिरों को फिर से खोलने और सीमित संख्या में भक्तों को प्रवेश करने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया है। अदालत ने महाधिवक्ता आशुतोष कुंभकोनी को निर्देश दिया कि वह इस बारे में राज्य के रुख को स्पष्ट करते हुए हलफनामा दायर करें। महाधिवक्ता ने हालांकि अदालत को बताया कि 12 अगस्त को राज्य ने अदालत की एक अन्य पीठ के समक्ष जवाब दाखिल करते हुए कहा था कि कोरोना वायरस के खतरों को देखते हुए उसका अभी किसी भी पूजा स्थल को खोलने का इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि उक्त जवाब उस याचिका की सुनवाई में दिया गया था जिसमें जैन मंदिरों को भक्तों के लिए खोलने का अनुरोध किया गया था। जिसमें जैन मंदिरों को भक्तों के लिए खोलने का अनुरोध किया गया था। उन्होंने कहा कि सरकार का हर पूजा स्थल के बारे में वही रुख है, भले ही वह किसी भी धर्म से संबंधित हो। याचिका दायर करने वाले हत्तह के वकील दीपेश सिरोया ने तर्क दिया कि कोरोना वायरस के बाद भी आंध्र प्रदेश में तिरुपति मंदिर को भक्तों के लिए खोल दिया गया है। लेकिन पीठ ने राज्य सरकार को अलग से हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया।

कांग्रेस ने बीजेपी पर साधा निशाना, कहा- फेसबुक के साथ साठगांठ का हो रहा खुलासा

नई दिल्ली।

कांग्रेस ने कहा है कि फेस बुक और भारतीय जनता पार्टी के पिछले कई सालों से घनिष्ठ संबंध हैं और फेसबुक के माध्यम से लगातार नफरत तथा घृणा फैलाने से भाजपा ने लगातार राजनीतिक लाभ अर्जित करने का प्रयास किया है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा के साथ फेसबुक के कितने मधुर तथा पुराने संबंध हैं और फेसबुक किस तरह से भाजपा के लिए लॉबिंग करता है इसका पता जुलाई 2012 के एक मेमो से चलता है जिसमें फेसबुक की एक महिला अधिकारी ने लिखा कि सरकार के साथ उस समय एक बैठक होनी थी जिसमें तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल को शामिल होना था। इस बैठक में भाग लेने वाले भाजपा के सांसदों को फेसबुक की प्रमुख अधिकारी अंखी दास ने सलाह दी थी कि उन्हें मंत्री के सामने सिर्फ इतना कहना है कि मामला न्यायालय के विचाराधीन हैं इसलिए इस बारे में कोई बात करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि पैरेसी पर सरकार को एक कानून बनाना था और न्यायमूर्ति शाह को इस समिति के सदस्यों द्वारा पैरेसी कानून तैयार करने के लिए काम चल रहा था। भाजपा की फेसबुक से तब भी जबरदस्त साठगांठ थी। फेसबुक ने भाजपा के लिए इतनी जबरदस्त लॉबिंग की कि उसके सहारे भाजपा सत्ता में आई। अब अनुमान लगाया जा सकता है कि जब यह पार्टी विपक्ष में रहते हुए इतनी लाबी कर सकती है तो सत्ता में आने के बाद उसकी क्या स्थिति होगी इसका अनुमान लगाया जा सकता है। प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 मार्च 2018 में हुपाटी के सांसदों की बैठक में कहा कि फेसबुक में कम से कम तीन लाख लाइक एक व्यक्ति से मिलनी चाहिए। यह चुनाव में टिकट पाने के लिए यह शर्त थी कि यदि टिकट चाहिए तो आपके फेसबुक में तीन लाख से ज्यादा लाइक होनी चाहिए। चुनाव संबंधी बैठक में सितम्बर 2018 में गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राजस्थान में कहा था कि वह चाहते हैं सोशल मीडिया के माध्यम से वह काम पूरा हो जाता है। भाजपा के इस तरह के कई उदाहरण भाजपा के फेसबुक से रिश्ते के मौजूद है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग मतदाता जागृति के लिए फेसबुक के साथ गठबंधन करता है और लोगों को फेसबुक के जरिए मतदान के बारे में जागरूक करने के लिए समझौता करता है लेकिन एक साल बाद मार्च 2018 में तत्कालीन चुनाव आयुक्त ओपी रावत कहते हैं ।

संक्षिप्त समाचार

पीएम केयर्स पर उच्चतम न्यायालय का फैसला 'पारदर्शिता के लिए झटका: सुरजेवाला

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि पीएम केयर्स कोष के बारे में आया उच्चतम न्यायालय का फैसला जनता के प्रति सरकार की पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए झटका है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, उच्चतम न्यायालय का फैसला जनता के प्रति सरकार की जवाबदेही और पारदर्शिता के लिए झटका है। यह शासकों की मतदाताओं के प्रति जिम्मेदारी एवं जवाबदेही के संदर्भ में एक दुखद दिन है। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने केंद्र को कोविड-19 से लडने् के लिए पीएम केयर्स फंड में मिली दान की राशि को राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष में स्थानांतरित करने का निर्देश देने से मंगलवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की तीन सदस्यीय पीठ ने एक गैर सरकारी संगठन की याचिका पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनाये गये अपने फैसले में कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष में स्वेच्छा से योगदान किया जा सकता है क्योंकि आपदा प्रबंधन कानून के तहत ऐसा कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है। गैर सरकारी संगठन सेन्टर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटीगेशंस ने इस जनहित याचिका में न्यायालय से अनुरोध किया था कि कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए पीएम केयर्स कोष में जमा राशि एनडीआरएफ में स्थानांतरित करने का निर्देश केन्द्र को दिया जाये। केंद्र ने कोविड-19 महामारी जैसी आपात स्थिति से निबटने और प्रभावित लोगों को राहत उपलब्ध कराने के इरादे से 28 मार्च को प्रधानमंत्री नागरिक सहायता एवं राहत कोष की स्थापना की थी। प्रधानमंत्री इस पीएम केयर्स फंड के पदेन अध्यक्ष हैं और रक्षामंत्री, गृहमंत्री और वित्तमंत्री पदेन न्यासी हैं।

सत्यपाल मलिक का गोवा से मेघालय में ट्रांसफर, एक साल में 3 राज्यों के बने राज्यपाल

नेशनल डेस्क। गोवा के राज्यपाल सत्यपाल मलिक को मेघालय का एक बार फिर तबादला कर मेघालय के राज्यपाल के रूप में नियुक्ति कर दिया गया है। एक साल में यह उनका तीसरा तबादला है। मलिक के तबादले के बाद महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी गोवा के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। राष्ट्रपति भवन से मंगलवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मलिक को गोवा से हटाकर मेघालय का राज्यपाल नियुक्त किया है। इसके परिणामस्वरूप गोवा के राज्यपाल की खाली सीट का अतिरिक्त प्रभार कोश्यारी को सौंपा गया है। ये दोनों नियुक्तियां उनके कार्यभार संभालने के दिन से प्रभावी होंगी। बता दें कि अनुच्छेद 370 को रद्द किए जाने के साथ जम्मू-कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा वापस लिए जाने के बाद उसका विभाजन कर दो केंद्रीय शासित प्रदेश(जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) बनाने के वक्त तक मलिक प्रदेश के राज्यपाल थे। उन्होंने 23 अगस्त 2018 से लेकर 30 अक्टूबर 2019 जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल का पद संभाला था। (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) बनाने के वक्त तक मलिक प्रदेश के राज्यपाल थे। उन्होंने 23 अगस्त 2018 से लेकर 30 अक्टूबर 2019 जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल का पद संभाला था। 3 नवंबर 2019 को उन्होंने गोवा के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। अब उन्हें मेघालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जयपुर: भारी बारिश से म्यूजियम में भरा पानी, 130 साल बाद शोकेस से निकली ममी

नेशनल डेस्क। राजस्थान में हुई भारी बारिश से जयपुर में स्थित ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल म्यूजियम में भी नुकसान हुआ। राजस्थान के कला, साहित्य एवं पुरातत्व मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने अल्बर्ट हॉल म्यूजियम में के अंडरग्राऊंड में रिकॉर्ड रूम, स्टोर रूप एवं अन्य जगहों के साथ गैलरीज में जाकर बारिश में भीगे रिकॉर्ड को दुरुस्त करने के प्रयासों की जानकारी ली। वहीं 2400 साल पुरानी मिस्र से लाई गई ममी भारी बारिश के पानी में डूबने से बाल-बाल बच गई। तेज बारिश के समय संग्रहालय में मौजूद कर्मचारी समझदार थे और उन्होंने जल्दी से ढाई हजार साल पुरानी 'ममी' सहित महत्वपूर्ण सामान को सुरक्षित बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि 1981 के बाद पहली बार राजस्थान का अल्बर्ट हॉल म्यूजियम पानी में डूबा। मिस्र से लाई गई ममी यहां पर 130 साल से रखी हुई है जिसे कर्मचारियों ने पानी में डूबने से बचाआ। बीते शुक्रवार इतनी बारिश हुई कि पानी म्यूजियम में 4 फीट ऊंचे बॉक्स में रखी ममी तक पहुंच गया।

मेनका गांधी ने शेयर किया कुत्ते पर गाड़ी चढ़ाने का वीडियो, आरोपी पर केस दर्ज

नेशनल डेस्क। भाजपा सांसद मेनका गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया जिसमें एक व्यक्ति कथित रूप से कुत्ते पर कार चढ़ाता हुआ दिख रहा है। मेनका गांधी द्वारा वीडियो साझा किए जाने के बाद कपूरथला में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मेनका गांधी ने ट्वीट किया, ''यह कुत्तों का ब्रीडर और कुत्तों की लड़ाई के लिए इनकी बिक्री करता है, लेकिन जब कुत्ते इसके काम के नहीं होते तो (उनके साथ)यह करता है। इस कुत्ते की करीब 30 मिनट तक असहनीय दर्द सहने के बाद मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान गुरजिंदर सिंह के तौर पर की गई है और पीपुल फॉर एनिमल के प्रतिनिधियों कीपीपुल फॉर एनिमल के प्रतिनिधियों की शिकायत पर उसके खिलाफ पशु क्रुरता अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि सिंह कपूरथला के दांडूपुर का रहने वाला है और फरार है।

पब्लिक प्लेटफार्म पर सभी को अपनी राय रखने का अधिकार: रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली। कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि पब्लिक प्लेटफार्म पर हर आदमी को अपनी राय रखने का अधिकार है। प्रसाद ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक प्रश्न पर कहा कि हर भारतीय को पब्लिक प्लेटफार्म पर अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा कुछ लोग इस प्लेटफार्म पर अपना एकाधिकार चाहते हैं जबकि उनका आधार समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि एक पब्लिक प्लेटफार्म से भारतीय जनता पार्टी के 700 पेज हटाये गये हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी यह समझते हैं कि जो लोग उनके अनुकूल काम नहीं कर रहे हैं वे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के दबाव में हैं। उन्होंने हेट स्पीच की चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक बार कहा था इस बार आर पार की लड़ाई है। इसी तरह से एक बार गांधी ने कहा था कि देश के लोग प्रधानमंत्री को डंडे मारेंगे। उन्होंने पूछा कि ये हेट स्पीच नहीं है।

अमेरी एड्स पीड़ित बालिका आश्रम में पुलिस की बर्बरता, बच्चियों के साथ अमानवियता की हद पार

बिलासपुर।

बिलासपुर के अमेरी गांव में एक चौकाने वाला खुलासा सामने आया है। जहां एड्स पीड़ित बच्चियों के साथ बाल खींचने, मारपीट करने जैसी पुलिस की बर्बरता का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं पीड़ित बच्चियों की पैरवी करने वाली हाईकोर्ट अधिवक्ता प्रियंका शुक्ला के साथ भी मारपीट की गई और उनके कपड़े खींचे गए। पुलिस के बर्ताव को आसपास के कई लोगों ने देखा है। बता दें सोमवार को पुलिस की टीम के साथ महिला बाल विकास विभाग के बिलासपुर और अलग-अलग जिलों के अधिकारी पहुंचे। इनकी संख्या 15-16 बताई जा रहीं हैं। जिसके बाद प्रत्यक्षदर्शियों और छात्रावास के स्टाफ के मुताबिक पुलिस की टीम सीधे आश्रम के अंदर घुस गई। इनमें जिला बाल विकास अधिकारी सुरेश सिंह और परियोजना अधिकारी पार्वती वर्मा मौजूद थी। उन्होंने बताया कि सभी बच्चों को कलेक्टर के आदेश पर बाहर निकालकर ले जाना है और तुरंत ही सभी बच्चों से कहा गया कि बाहर निकलें। इस पर छात्रावास की अधीक्षिका दीपिका सिंह ने ऑर्डर लैटर दिखाने की बात कही लेकिन पुलिस ने उन्हें लापरवाही से लहराते हुए लैटर दिखाया जिस पर स्टॉफ ने वहां से निकलने को मना कर दिया। जब वे निकलने के लिए तैयार नहीं हुए तो बल का प्रयोग किया गया है। पंजाब केसरी से बात करते हुए छात्रावास की स्टाफ मेंबर दीपीका सिंह ने कहा कि एक महिला स्टाफ ने उसकी जींस खीचने की कोशिश की। वहीं घबराई प्रियंका ने एक कमरे में बंद होने की कोशिश की तो उसे खींचकर बाहर निकाला गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया। इस बीच पीड़ित बच्चों के साथ मारपीट की गई। कुछ बच्चियां आश्रम से निकलकर भागने लगीं तो उन्हें सौ मीटर तक दौड़ाकर पुलिस ने पकड़ लिया।

फेसबुक मामले पर भड़की शिवसेना, कहा- कंपनी को नियमों और नैतिकता का करना होगा पालन

नेशनल डेस्क। शिवसेना ने मंगलवार को कहा कि फेसबुक जैसे सोशल मीडिया मंच पर नफरत फैलाने वालों और देश को तोड़ने की बातें करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए, भले ही वे किसी भी पार्टी से नाता रखते हों। शिवसेना ने कहा कि फेसबुक जैसी कम्पनियां केवल इसलिए नफरत फैलाने वाले किसी व्यक्ति को नजरअंदाज नहीं कर सकती क्योंकि वह सत्तारूढ़ पार्टी से है। पार्टी ने सोशल मीडिया मंच से कारोबार के नियमों और नैतिकता का पालन करने को कहा। अमेरिका के समाचारपत्र 'वॉल स्ट्रीट जर्नल ने खबर प्रकाशित की थी कि फेसबुक भाजपा के कुछ नेताओं पर घृणा भरे भाषण के नियमों को लागू करने में अनदेखी करता है, जिसके बाद कांग्रेस ने आरोपों की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) कराने की मांग की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाए था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए फेसबुक और व्हाट्सएप के माध्यम से फर्जी सूचना फैलाते हैं। इसके एक दिन बाद ही शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना में कहा कि फेसबुक जैसे मंचों पर चर्चा को लेकर कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन अगर कोई इसके जरिए नफरत फैलाए, देश और समुदाय को तोड़ने की बात करे तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए, भेल ही वह किसी भी पार्टी से नाता रखता हो। पार्टी ने कहा कि फेसबुक जैसी कम्पनी नफरत फैलाने वाले किसी व्यक्ति को केवल इसलिए नजरअंदाज नहीं कर सकती क्योंकि वह सत्तारूढ़ पार्टी से है। शिवसेना ने कहा कि सोशल मीडिया पर एक दूसरे को बदनाम करना एक बड़ा धंधा बन गया है, जिसके लिए पैसे दिए जाते हैं। फेसबुक हमारे देश में कारोबार करने आया हैं और व्यवसाय के न्यूनतम नैतिकता-नियमों का पालन तो करना ही होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

विवादों में फेसबुक

सोशल मीडिया के जिस मंच को दुनिया भर में अभिव्यक्ति की आजादी का सबसे बड़ा अलंबरदार माना जाता रहा है, उस 'फेसबुक' पर इन दिनों जैसी तोहमतें लग रही हैं, वे यकीनन स्वतंत्र अभिव्यक्ति के पैरोकारों को निराश करने वाली हैं। लेकिन उतनी ही चिंताजनक बात यह भी है कि इस कंपनी की एक वरिष्ठ अधिकारी को धमकाने की कोशिश की गई है। फेसबुक की क्षेत्रीय पब्लिक पॉलिसी डायरेक्टर अंखी दास ने दिल्ली पुलिस में इस बाबत शिकायत दर्ज कराई है। विडंबना देखिए, जिस नफरती प्रवृत्ति के खिलाफ कथित नरमी बरतने के आरोपों पर फेसबुक को सफाई देनी पड़ रही है, उसकी अधिकारी अब दूसरी तरफ के असहिष्णु लोगों के निशाने पर हैं। दरअसल, पिछले दिनों एक बड़े अमेरिकी अखबार ने खबर छापी थी कि फेसबुक कंपनी भारत में पक्षपाती भूमिका अपना रही है और सत्ताधारी नेताओं की घोर सांप्रदायिक टिप्पणियों को भी प्रतिबंधित नहीं कर रही। जाहिर है, विपक्ष को एक मौका हाथ लग गया है और वह इसे यूं ही नहीं छोड़ना चाहता।

'हेट स्पीच' और नुकसानदेह सामग्रियों के खिलाफ फेसबुक में बाकायदा एक बड़ा विभाग है और उसका काम ही है ऐसी सामग्रियों की निगरानी करना और उन्हें प्रकाशित-प्रसारित होने से रोकना, जो न सिर्फ नस्लीय घृणा, सांप्रदायिक विद्वेष को बढ़ावा देने वाली हों, बल्कि जो मानव स्वास्थ्य को किसी भी रूप में नुकसान पहुंचाने वाली हों। मौजूदा कोरोना काल में हमने देखा और महसूस भी किया कि इसके इलाज के तरह-तरह के टोटकों और फर्जी तजवीजों के खिलाफ फेसबुक ने तत्परता से कदम उठाया। इसमें कोई दोराय नहीं कि यह बेहद मुश्किल काम है, क्योंकि दुनिया भर में हर सेकंड छह नए यूजर इस माध्यम से जुड़ रहे हैं और रोजाना लाखों तस्वीरें व टिप्पणियां इस पर पोस्ट की जा रही हैं। ऐसे में, इस माध्यम की बुनियादी खूबी की रक्षा करते हुए इसके दुरुपयोग को रोकना एक बहुत बड़ी चुनौती है। कंपनी ने प्रकारांतर से स्वीकार भी किया है कि उसे अभी इस दिशा में काम करने की जरूरत है।

लेकिन फेसबुक एक कारोबारी कंपनी है और व्यावसायिक हित-अहित से संचालित उसकी नीतियां तभी तक मान्य हैं, जब तक उसकी पहुंच वाले देशों के आंतरिक मामलों में वे कोई बाधा नहीं खड़ी करतीं। भारत में जो ताजा विवाद खड़ा हुआ है, वह राजनीतिक पक्षधरता से जुड़ा है, इसीलिए इसे गंभीरता से लिया जा रहा है। हालांकि, फेसबुक ने अपनी सफाई पेश की है कि उसकी नीतियां तटस्थता पर आधारित हैं और वे किसी देश की किसी पार्टी से प्रभावित नहीं हैं। लेकिन दुर्योग से कई अन्य देशों में ऐसे ही आरोप उस पर पहले भी लग चुके हैं। तुर्की में तो इस पर प्रतिबंध लगाने के लिए सांसद बाकायदा एक कानूनी मसौदा तैयार कर रहे हैं। हमारे यहां फेसबुक यूजर्स की संख्या 34 करोड़ से भी अधिक है। इतने बड़े बाजार को कंपनी नजरअंदाज नहीं कर सकती, क्योंकि किसी भी कंपनी की तरक्की में साख का बड़ा योगदान होता है। बहरहाल, हमें यह तो देखना ही पड़ेगा कि कोई भी बाहरी तत्व हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को किसी रूप में प्रभावित न करने पाए। अपनी सुरक्षा के मद्देनजर हमने चीन के दर्जनों एप को अभी हाल में ही प्रतिबंधित किया है, तो फेसबुक और ट्विटर जैसे जन-प्रभावशाली माध्यमों पर भी हमें हर पल नजर रखनी होगी।

टूट गई सनी की जोड़ी

भारतीय क्रिकेट टीम में सुनील गावस्कर के जोड़ीदार रहे चेतन चौहान अब हमारे बीच नहीं रहे हैं। वह कोरोना वाइरस का शिकार बन गए। चेतन चौहान के एक क्रिकेटर के तौर पर बात करें तो उन्हें हम सफल सहायक अभिनेता मान सकते हैं। उन्होंने भले ही 40 टेस्ट में 2084 रन बनाए पर उन्होंने जिस खूबी के साथ गावस्कर का साथ निभाया, उसे नहीं भुलाया जा सकता है। वह खुद भी कहते थे कि ओपनिंग जोड़ीदार सुनील गावस्कर की तरह अच्छी तकनीक वाले नहीं थे। वह विश्वनाथ की तरह कलाई का उपयोग करने वाले नहीं थे पर इतना जरूर था कि उनमें किसी भी तेज आक्रमण के सामने टिकने का माद्दा था। क्रिकेट में 1970 और 1980 का दौर तूफानी तेज गेंदबाजों का दौर माना जाता है और इन तेज गेंदबाजों के खिलाफ उन्होंने गावस्कर के साथ दस ओपनिंग शतकीय साझेदारियां निभाइफ। उनकी गावस्कर के साथ एक शतकीय साझेदरी चौथे विकेट के लिए भी है। इतना समय बीत जाने के बाद भी शतकीय साझादारियों के मामले में 11 शतकीय साझादारियों से सहवाग और गंभीर ही उनसे आगे निकल सके हैं। यह जरूर है कि चेतन चौहान अपने कॅरियर में कभी शतक नहीं लगा सके पर पर्थ की तेज विकेट पर तूफानी गेंदबाज जैफ थामसन के खिलाफ खेली 88 रन की पारी शतक से कम नहीं थी। गावस्कर कहते हैं कि हम दोनों जब भी मिलते थे, तो वह कहते थे कि आ जा गले मिल ले, क्योंकि हम जीवन के आखिरी ओवरों में हैं और वह अपने इस आकलन को सही ठहराते हुए मात्र 73 साल की उम्र में विदा हो गए। उन्होंने क्रिकेटर के अलावा प्रशासक और राजनेता के तौर पर भी सफल जिंदगी निभाई। एक प्रशासक के तौर पर उन्होंने मंकीगेट के नाम से मशहूर 1981 के ऑस्ट्रेलिया दौरे की रद्द होने की तरफ बढ़ रही सीरीज को अपनी सूझ-बूझ से बचाया था। इसके अलावा ड़ीड़ीसीए में विभिन्न पदों पर रहने के दौरान उन्होंने तमाम यादगार काम किए। 1991 के लोक सभा चुनाव से पहले भाजपा ने उनसे राजनीति में आने के लिए संपर्क किया पर शुरुळआत में तैयार नहीं थे पर एक बार मान जाने के बाद इसमें रमकर ही रह गए। कोरोना से पीड़ित होने के बाद वह कॅरियर में तेज गेंदबाजों का सामना करने की तरह इसका सामना नहीं कर सके और आखिरकार हमसे विदा हो गए।

टू दि प्वाइंट/आलोक पुराणिक

रिजॉर्ट में फिर मंदी

राजस्थान में सब राजी खुशी निपट गया हैग या यूं कहें कि सचिन पायलट ही निपट गए हैं। कुल मिलाकर रिजॉर्ट कारोबार में एक बार फिर मंदी सी आ गई है। विधायक इधर से उधर, उधर से किधर-किधर के रिजोर्टों में जाते। सब खत्म हो गया, अब गहलोत और पायलट एक ही घाट का पानी पीते दिख रहे हैं। कुल मिलाकर कांग्रेस में ऐसा माहौल है कि बच्चा बहक गया था, वापस आ गया है। यूं पॉलिटिक्स में बच्चा कोई नहीं होता। हां दांव जरूर गलत पड़ जाते हैं, पायलट की फ्लाइट बहुत समस्या वाली रही। लैंडिंग जैसे-तैसे हो गई है। आगे पायलट की फ्लाइट में बैठने वाले बहुत सावधानी से बैठेंगे।

पहले जिन विधायकों को देशद्रोही टाइप वगैरह बताया जा रहा था, अब घर वापसी के बाद सब के सब राष्ट्रभक्त हो लिये हैं। पॉलिटिक्स में एकाध दिन के फासले पर जाने क्या क्या हो जाता है। पॉलिटिक्स कमाल का धंधा है। कुछ दिन पहले गहलोत ने पायलट को आधिकारिक तौर पर निकम्मा घोषित किया था, अब उस निकम्मे को गाजे बाजे के साथ वापस ले आये हैं। पायलट खुद को सिपाही टाइप बता रहे हैं। वह बता क्या रहे हैं, सुन कोई भी नहीं रहा है। घर से भागा हुए विफल से लड़के जैसी हालत है उनकी। पहले बहुत-बहुत पहले छोटे शहरों से लड़के भागते मुंबई की तरफ, हीरो बनने।

फ्लाप होकर वापस शहर में आते थे, फिर समोसे या मिर्ची की दुकान पर धंधा करने लगते थे। उनकी दुकान के सामने होकर गुजरने वाले चर्चा जरूर करते थे-ये गए थे मुंबई अब मिर्ची बेच रहे हैं। पायलट के सामने नहीं तो पीछे चर्चा जरूर होगी-ये गए थे सीएम बनने अब सिपाही टाइप कुछ बने घूम रहे हैं। पॉलिटिक्स बहुतै कातिल धंधा हैग बंदा सीएम बनने निकलता है और फिर सिपाही बनकर ही खुश हो लेता है।

एक जानकार बता रहे थे कि पायलट को बताया गया है कि गहलोत के बाद पायलट को ही सीएम बनना है। पर पायलट को यह नहीं बताया गया है कि गहलोत सिर्फ 105 साल की उम्र तक सीएम रहेंगे, फिर तो सब पायलट का ही है।

जी मान लिया, फिर तो राजस्थान पायलट का ही है।

रामहि केवल प्रेम पियारा

अजय तिवारी

तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' में मर्यादा पुरुषोत्तम राम के लिए कहा है कि, 'रामहि केवल पियारा प्रेम पियारा। जानि लेहु सो जान निहारा।।' यह प्रारम्भिक आधुनिकता के दौर में मानव-संबंधों को पुर्नव्यख्यायित करने का प्रयत्न था। प्रेम केवल तुलसीदास का आदर्श नहीं था। कबीर उसे ही 'पंडित' मानते थे, जिसने 'एकै आखर प्रेम का' पढ़ा हो। बेशक ये दोनों भक्त थे। तुलसी के राम साफ-साफ कहते हैं-'मानहु एक भगति कै नाता।' यह नाता वे इस तरह मानते थे कि भक्त के वश में हो जाते थे-'सुमिरि पवनसुत पावन नामू।

अपने बस करि राखे रामू।। 'पवनसुत प्रेम से ही राम का नाम लेते थे, राम उनके वश में ऐसे हुए कि 'रामू' बन गए! सामंती ईर्ष्या-द्वेष और व्यापारिक लूट-खसोट से अलग भक्त और भगवान के ही नहीं, मनुष्य और मनुष्य के संबंध की कसौटी भी प्रेम है-यह बात आज विशेष रूप में महत्त्वपूर्ण हो गई है। जिस समय राम के नामपर आशातीत भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है और उसकी पृष्ठभूमि में विध्वंस और रक्तपात की लंबी परंपरा है, उस समय मानव-प्रेम के इस आदर्श का स्मरण अपने वर्तमान को संभालने के लिए आवश्यक है। यह आवश्यकता तब अधिक अनुभव होती है, जब इधर राममंदिर का शिलान्यास हुआ, उधर काशी विनाथ और कृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति की ललकार सुनाई देने लगी। यह ललकार मानव-प्रेम की उस भावना के विपरीत है, जिसका उदाहरण भक्तकवियों में मिलता है। अयोध्या की तरह बनारस और मथुरा में भी 'मुक्ति' का अर्थ मस्जिदों से मुक्ति है।

यह अलग बहस है कि मंदिर निर्माण की अनुमति देने वाली अदालत ने बाबरी मस्जिद विध्वंस को अपराध भी कहा था, लेकिन मंदिर-मस्जिद के इतने झगड़े इतिहास में पहले कभी हुए थे, जबकि धर्म पहले आस्था का अधिक बड़ा केंद्र था। क्या रसखान के बिना हम कृष्णभक्ति की कल्पना कर सकते हैं? शिवभक्ति की कोई उल्लेखनीय साहित्यिक परंपरा नहीं है; किन्तु रामभक्त तुलसी ने तो स्वयं मस्जिद में जाकर सोने की बात काही है-'मांगि के खइबो, मसीत को सोइबो, लेबे को एक न देबे को दोऊ। 'वे रामभक्त थे, अवश्य राममंदिर के पास की मस्जिद में सोए होंगे। तुलसी की रामभक्ति मुस्लिम-विरोधी उन्माद न थी। हो भी नहीं सकती थी। रहीम उनके मित्र थे। रहीम और तानसेन को साथ लेकर अकबर तुलसी से मिलने बांधवगढ़ गए थे। यह उन्हें भी पता था कि तुलसी किसी सम्राट के दरबारी नहीं हो सकते-'हम चाकर रघुवीर के, पटो लिखो दरबार। अब तुलसी का होहिंगे नर के मनसबदार।।' लेकिन यह फर्क शासक और संत का था, हिन्दू-मुसलमान का नहीं। तुलसी की रामभक्ति का मुसलमानों से कोई समस्या नहीं था। 'कवितावली' में एक छंद है, जिसमें एक बूढ़े पठान को सूअर से धक्का लग जाता है। पठान यह कहते हुए गिर पड़ता है कि 'हराम हन्यो, हराम हन्यो'। इसमें 'राम' की उपस्थिति देखकर तुलसी के आराध्य राम उस पठान को अपनी शरण में ले लेते हैं और वह मुक्ति पा जाता है।

स्पष्टतः सांप्रदायिकता उत्तरआधुनिक भारत की समस्या है, प्रारम्भिक आधुनिकता की नहीं। तुलसी के सामने हिन्दू-मुस्लिम संघर्ष का नहीं, टूटती सामंती व्यवस्था में तबाह होते और पीड़ा भोगते मनुष्यों की समस्या थी। 'खेती न किसान को, भिखारी को न भीख बलि, बनिक को बनिज न चाकर को चाकरी'। यह इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक की नहीं, सोलहवीं सदी के मध्य की तस्वीर है। तुलसी की भक्ति अपने समाज की वास्तविक पीड़ाओं से उदासीन नहीं है। क्या तुलसी की तरह वर्तमान भारत की दुर्दशा का चित्र खींचकर हम 'देशद्रोही' कहलाने से बच सकते हैं? क्या जनता की इस दुर्दशा के लिए राज्यसत्ता को, विशेषतः शासक को, जिम्मेदार बताकर हम सुरक्षित बचे रहने की कल्पना कर सकते हैं? संतकवि तुलसी ने तो साफ-साफ कहा था, 'सोचिय नृपति जो नीति न जाना। जेहि न प्रजा प्रिय प्रान समाना।। 'प्रजा को प्राण के समान प्रेम करने वाले नृपति शायद नहीं रहे होंगे, आज भी नहीं हैं, इसलिए तुलसी को राम की आदर्श प्रतिमा गढ़नी पड़ी। ये राम केवल प्रेम का संबंध मानते हैं, चाहे भक्त से हो या प्रजा से। 'किसबी, किसान कुल, बनिक, भिखारी, भांट'-सबसे मामूली लोगों के प्रति तुलसी की करुणा उनकी भक्ति का आधार है। यह संयोग नहीं है कि वाल्मीकि की 'रामायण' से कैफी आजमी की 'दूसरा बनवास' तक रामकाव्य की परंपरा का सार है वेदना, करुणा, संघर्ष।

> “ तुलसी को पता ही कि गरीब जनता की सबसे बड़ी समस्या भूख है, आगि बड़वागी ते बड़ी है आगि पेट की, वे यह भी जानते हैं कि लोग बड़ी मजबूरी में अपराधी बनते हैं. इस मजबूर जनता के लिए तुलसी की भक्ति और राज्य व्यवस्था में सर्वोपरि स्थान है। राम इसी जनता के प्रिय हैं। राम इसी जनता के लिए 'रामराज्य' की स्थापना करते हैं। राम को तुलसी 'गरीबनवाज' की उपाधि देते हैं। राम 'गरीबनवाज' इसलिए हैं कि उनके राज्य में विलासिता और आवश्यकता का अंतर पता है. ”

वेदना, करुणा, संघर्ष का परिणाम है कि तुलसी के राम राज्य से दूर दलितों-आदिवासियों के साथ उनके जैसा जीवन जीते हैं, उन्हें जागरूक करते हैं और व्यवस्था बदलने के लिए उन्हें संगठित करते हैं। जिसे ग्रामशी अवयविक बुद्धिजीवी और नेता कहते थे, राम उसके उदाहरण हैं। जो राम 'निज छवि रवि मनोज मदु हरहीं', वही जनसाधारण से ऐसे अभिन्न हैं कि 'ते सियराम साथरी सोवहिं'। राम ऐसा नहीं करते कि प्रजा रोजी-रोटी खोकर हजारों मील पैदल चल रही हो और राजा मजदूरों के अधिकार छीनकर उद्योगपतियों को राहत दे रहा हो। तुलसी को पता ही कि गरीब जनता की सबसे बड़ी समस्या भूख है, 'आगि बड़वागी ते बड़ी है आगि पेट की'; वे यह भी जानते हैं कि लोग बड़ी मजबूरी में अपराधी बनते हैं- इस मजबूर जनता के लिए तुलसी की भक्ति और राज्य व्यवस्था में सर्वोपरि स्थान है। राम इसी जनता के प्रिय हैं।

राम इसी जनता के लिए 'रामराज्य' की स्थापना करते हैं। राम को तुलसी 'गरीबनवाज' की उपाधि देते हैं। राम 'गरीबनवाज' इसलिए हैं कि उनके राज्य में विलासिता और आवश्यकता का अंतर पता है। 'दोहावली' में यह विधान तुलसी ने किया है कि 'मणि माणिक महंगे किए, सहंगे तृण जल नाज। तुलसी जानिए राम गरीबनवाज।।' मणि-माणिक अमीरी और विलासिता की वस्तुएं हैं, राम उन्हें महंगा करते हैं; तृण-जल-अनाज मनुष्यों और प्राणियों के उपयोग की वस्तुएं हैं, उन्हें सस्ती किया; इसलिए राम गरीबनवाज हैं। जाति-पाति का तिरस्कार करके, हिन्दू-मुसलमान को समान भाव से अपनाकर तुलसी ने अपने ब्राह्मण संस्कारों से ही संघर्ष नहीं किया, निर्धन जनता के लिए भविष्य का स्वप्न भी दिया। भले यह स्वप्न अभी दूर हो लेकिन वह जिस प्रेम-करुणा-संघर्ष का फल है, वह तुलसी को हमारे लिए आज और भी प्रासंगिक बनाता है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

सवाल आज़ादी की लक्ष्मण रेखा का

अनूप भटनागर

सूचना क्रांति के इस युग में, जब अभिव्यक्ति के लिये फेस बुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हो रहा है, एक्टिविस्ट अधिवक्ता प्रशांत भूषण को न्यायपालिका के बारे में उनके दो ट्वीट के कारण अवमानना का दोषी ठहराये जाने के साथ ही अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार और इसकी सीमा को लेकर नये सिरे से बहस छिड़ गयी है। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले को लेकर सोशल मीडिया पर बुद्धिजीवी और समाज के प्रगतिशील तबके के लोग इस अधिवक्ता का समर्थन करते हुए अपनी बेबाक टिप्पणियां कर रहे हैं। इनमें से अनेक टिप्पणियों की भाषा न्यायपालिका के प्रति उनकी सोच दर्शा रही है। इस फैसले के परिप्रेक्ष्य में सवाल न्यायालय की अवमानना कानून के संदर्भ में अभिव्यक्ति की आजादी का नहीं है, बल्कि सवाल यह है कि अभिव्यक्ति की आजादी के इस अधिकार की सीमा क्या हो?

यह सही है कि संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) में नागरिकों को बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार प्राप्त है, लेकिन यह भी सही है कि यह अधिकार निर्बाध नहीं है। अब सवाल उठता है कि अगर अभिव्यक्ति और बोलने की आजादी का अधिकार निर्बाध नहीं है तो इसकी 'लक्ष्मण रेखा' क्या है? क्या संविधान में प्रदत्त इस अधिकार का इस्तेमाल करके किसी व्यक्ति के बारे में अभद्र या अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया जा सकता है? क्या इस अधिकार का इस्तेमाल करते समय ऐसी भाषा का प्रयोग किया जा सकता है जो दूसरों को अपमानित करने वाली हो या किसी समूह को हिंसक रवैया अपनाने के लिये प्रेरित करने वाली हो?

वरिष्ठ पत्रकार अरुण शौरी और एन. राम के साथ ही अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने हाल ही में संविधान में प्रदत्त बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के संदर्भ में न्यायालय की अवमानना कानून, 1971 की धारा 2(सी)(1) के प्रावधान को चुनौती दी थी। तर्क दिया गया था कि अवमानना कानून का यह प्रावधान असंवैधानिक है और यह संविधान की प्रस्तावना में प्रदत्त मूल्यों और बुनियादी सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। इस धारा के अनुसार न्यायालय को बदनाम करने अथवा उसके प्राधिकार को ठेस पहुंचाने संबंधी किसी सामग्री का प्रकाशन या ऐसा कोई अन्य कृत्य आपराधिक अवमानना है।

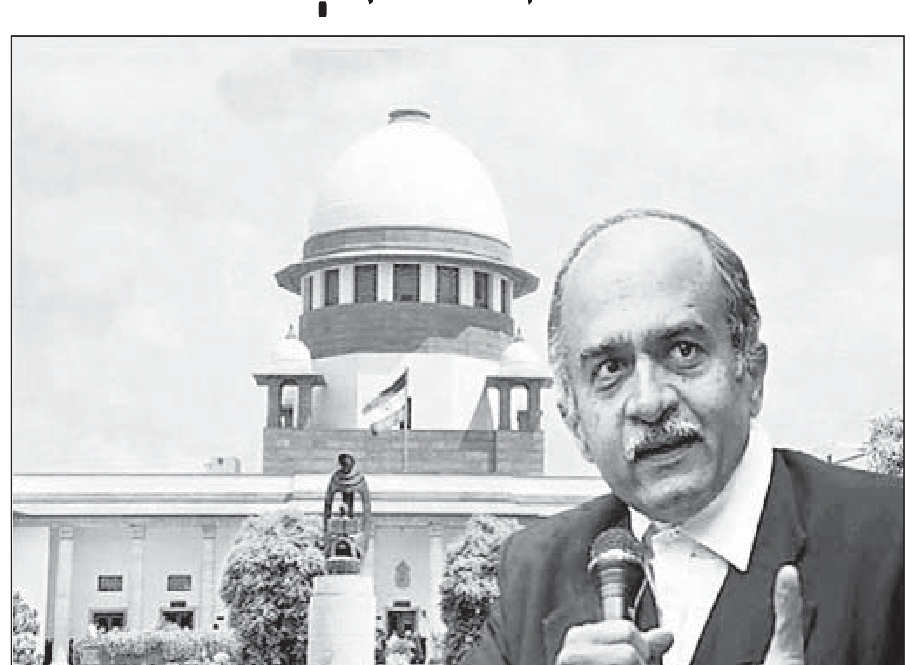

उम्मीद थी कि इस याचिका में उठाये गये सवाल पर न्यायालय की सुविचारित राय आयेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह याचिका न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सूचीबद्ध थी, लेकिन पिछले सप्ताह वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन ने इसे वापस ले लिया। न्यायालय की अवमानना कानून तो 1971 में बना है लेकिन इससे पहले 1950 के दशक से ही अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के सवाल पर न्यायालय ने समय-समय पर अनेक व्यवस्थायें दी हैं। इस पर विधि आयोग भी विचार कर चुका है।

यह सही है कि हमारे देश के संविधान ने नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार प्रदान किया है। मगर यदि कोई व्यक्ति अनुचित भाषा का प्रयोग करता है तो कानून में इस तरह के अपराध के बारे में अलग-अलग प्रावधान भी हैं।

फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया की उपलब्धता के दौर में इन मंचों पर अपलोड पोस्ट की पहुंच काफी दूर तक होती है। अगर इन पर कथित रूप से आपत्तिजनक पोस्ट किये गये हों तो इन पर आपत्तियां उठाये जाने की स्थिति में ऐसी पोस्ट सोशल मीडिया से हटाये जाने से पहले न जाने कितने लोग पढ़ चुके होते हैं और कितने ही इसके स्क्रीन शॉट ले चुके होते हैं। ऐसी स्थिति में इसके प्रभाव की कल्पना की जा सकती है।

शीर्ष अदालत ने प्रशांत भूषण को आपराधिक अवमानना का दोषी ठहराते हुए माइक्रो ब्लागिंग साइट पर 27 जून को न्यापालिका के पिछले छह साल के कामकाज के बारे में और 22 जुलाई को प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे के संबंध में पोस्ट किये गये उनके दो ट्वीट का विश्लेषण किया है।

पीठ ने कहा, 'हमारी राय में यह नहीं कहा जा सकता कि इस तरह के ट्वीट जनहित में न्यायपालिका की स्वस्थ आलोचना हैं।' न्यायालय का मानना है कि प्रशांत भूषण का 27 जून का ट्वीट भारतीय लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ की बुनियाद को कमजोर करने का प्रभाव रखता है। न्यायालय का इस निष्कर्ष पर पहुंचना कि भूषण का यह द्वेषपूर्ण हमला एक या दो न्यायाधीशों के खिलाफ नहीं बल्कि पिछले छह साल में समूचे उच्चतम न्यायालय के कामकाज पर है, यह इन ट्वीट की मारक क्षमता को बयां करता है। शायद यही वजह है कि न्यायालय को यह कहना पड़ा कि यह न्यायालय की शक्ति के प्रति असंतोष और निरादर पैदा करने में सक्षम है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए जरूरी है कि अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का प्रयोग संयम से किया जाये और हम खुद ही इसके लिये एक लक्ष्मण रेखा खींचें ताकि अनावश्यक विवादों से बचा जा सके।

क्रिकेट

धोनी बनना आसान नहीं

रवि रंजन

कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि भारत में क्रिकेट एक धर्म की तरह है, जिसके करोड़ों अनुयायी हैं और कई भगवान भी। भारत में यदि सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट के सबसे बड़े भगवान का दरजा दिया जाता है तो राहुल द्रविडब विराट कोहली, सौरव गांगुली और महेंद्र सिंह धोनी आदि खिलाड़ी भी किसी देवता से कम नहीं माने जाते हैं। ऐसे में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा करना उनके करोड़ों चाहने वालों के लिए किसी झटके से कम नहीं है। हालांकि इसके कयास काफी लंबे समय से लगाए जा रहे थे, लेकिन 15 अगस्त को अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर इसकी घोषणा कर के उन्होंने इन सभी कयासों पर अंततः पूर्णविराम लगा दिया है।

धोनी हमेशा सरप्राइज देने के लिए जाने जाते हैं। इस बार भी उन्होंने वैसा ही किया। इससे पूर्व टेस्ट क्रिकेट में भी धोनी ने ऐसे ही अचानक से टेस्ट सिरीज के बीच संन्यास की घोषणा कर दी थी। इस बार भी धोनी के संन्यास लेने की खबर से मैं उसी तरह से हैरान हुआ हूं; जैसे 2013 में सचिन तेंदुलकर को अपना अंतिम टेस्ट मैच खेलता देखने पर हुआ था। लेकिन धोनी सिर्फ एक महान क्रिकेट खिलाड़ी नहीं है, जिनके नाम कई रिकार्ड दर्ज हैं और जिनके नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम ने अपना स्वर्णिम दौर देखा है। क्रिकेट के हर फार्मेट में भारत को चैम्पियन बनाया। धोनी एक ऐसे 'यूथ आइकान' हैं, जो भारत के छोटे-छोटे शहरों में रहने वाले, मध्यमवर्गीय परिवारों से संबंध रखने वाले हम जैसे करोड़ों युवाओं का नेतृत्व करते हैं। उनके अंदर यह हिम्मत और हौसला प्रदान करते हैं कि यदि आपके अंदर जज्बा और जुनून की कोई कमी नहीं है, तो आप किसी भी सपने को हकीकत में बदल सकते हैं। धोनी उस 'न्यू इंडिया' के ब्रांड हैं, जिसकी आंखें तो छोटी हैंग लेकिन ख्वाब बहुत बड़े हैं, जिसके पास साधन तो सीमित हैं, लेकिन संभावनाएं असीमित हैं। रांची जैसे

नगर से आने वाला एक लड़का जो कभी रेलवे का मुलाजिम हुआ करता था, एक दिन भारतीय क्रिकेट टीम का कप्तान बनकर के उसे विश्व विजेता बनाएगा, ऐसा शायद किसी ने कभी सोचा नहीं था। अक्सर युवाओं के ऊपर यह तंज कसा जाता है कि उनके अंदर धैर्य और संयम का अभाव होता है, लेकिन धोनी उर्फ माही ने दुनिया को यह दिखाया की भारत का युवा धैर्य और जोश के बीच संतुलन बनाना जानता है। प्रतिकूल परिस्थितियों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना माही की विशेषता रही है और यही गुण 'न्यू इंडिया' के युवाओं में देखने को मिलता है, जो आपदा में भी अवसर खोज लेते हैं।

धोनी भारतीय क्रिकेट टीम के ही नहीं बल्कि उस आकांक्षावादी नये भारत की पूरी युवा पीढ़ी के कप्तान हैं, जो जोखिम उठाने से नहीं डरती है, और जिसने 'जीवन में मंगल' से 'मंगल में जीवन' तक का सफर तय किया है। धोनी कामयाबी और विनम्रता की मिसाल हैं। मुझे याद है धोनी की चर्चा मेरे पटना के एक मित्र ने किया था कि पटना के एक मैच में रांची के खिलाड़ी ने खूब छक्का लगाया। उसके कुछ सालों बाद धोनी को अंतरराष्ट्रीय खेल में खेलते देखा, जहां वो अपने खेल कौशल से सबको अपनी ओर मोह रहे थे। साथ में वो बड़े बाल वाला फैशन भी चल पड़ा था।

किसे पता था कि वो कौशल एक दिन भारत का विश्वास बन जाएगा। 'कूल' शब्द उनके लिए उपमा बन गई। 'धोनी है न सम्भाल लेगा' अब ये बात नहीं बोली जाएगी। कुछ करने के लिए कोई बहाना नहीं इस बात को धोनी ने सिद्ध किया कि कुछ करने के लिए सिर्फ एक नियत काफी है और नहीं करने के लिए तो अनंत बहाना है। धोनी आप स्मॉल टाउन के हीरो हो। क्रिकेट से फुर्सत मिलते ही उन्होंने 'भारतीय सेना' में अपनी सेवाएं दी। ये जज्बा बतलाता है कि आपके लिए राष्ट्र प्रथम है। धोनी संन्यास लेने के कारण आपकी कमी क्रिकेट जगत से भी ज्यादा हम सब के दैनिक जीवन की संभावनाओं में खलेगी। आपके भविष्य के लिए मंगल कामनाएं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विकास मल्टीकॉर्प की खाद्य सुरक्षा क्षेत्र में दस्तक, कंपनी करेगी 100 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली। विकास मल्टीकॉर्प ने एफएमसीजी उद्योग के खाद्य सुरक्षा और व्यक्तिगत साफ-सफाई (हाइजीन) खंड में उतरने की घोषणा की है। इसके लिए कंपनी अगले दो साल में करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। विकास मल्टीकॉर्प स्पेशिएलिटी रसायन कंपनी है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि उसने लोकप्रिय और स्थापित राष्ट्रीय ब्रांड के ट्रेडमार्क के पोर्टफोलियो के अधिग्रहण के लिए पक्का करार किया है। सौदे का ब्योरा दिए बिना कंपनी ने कहा कि उसने फूड पैकेजिंग और टिश्यू पेपर ब्रांड...होमफॉयल, चपाती रैप, क्लीनरैप और मिस्टिक्यू का अधिग्रहण किया है। चपाती रैप, क्लीनरैप और मिस्टिक्यू का अधिग्रहण किया है।

ड्रिंकप्राइम ने इन दो कंपनियों से 21 करोड़ रुपये का कोष जुटाया

बेंगलुरु। की स्टार्टअप कंपनी ड्रिंकप्राइम ने 30 लाख डॉलर (21 करोड़ रुपये) का कोष जुटाया है। कंपनी ने यह राशि ओमिडयार नेटवर्क इंडिया तथा सिकोया सर्ज से जुटाई है। ड्रिंकप्राइम 'पे-एज-यू-यूज वॉटर प्यूरीफायर स्टार्टअप है। कंपनी ने कहा है कि वह इस राशि से अपनी टीम को मजबूत करेगी और अपनी वृद्धि योजनाओं को आगे बढ़ाएगी। ड्रिंकप्राइम लोगों को अपने वॉटर प्यूरीफायर के इस्तेमाल की सुविधा देती है। इसमें ग्राहक को इस्तेमाल के आधार पर भुगतान करना पड़ता है।ड्रिंकप्राइम का गठन 2015 में विजेंद्र रेड्डी तथा मानस रंजन होता ने किया था। ड्रिंकप्राइम का गठन 2015 में विजेंद्र रेड्डी तथा मानस रंजन होता ने किया था।

पॉर्श ने भारतीय बाजार में 718 स्पाइडर, 718 केमैन जीटी4 मॉडल उतारे

नयी दिल्ली। लक्जरी स्पोर्ट्स कार कंपनी पॉर्श ने भारतीय बाजार में 718 स्पाइडर और 718 केमैन जीटी4 मॉडल उतारे हैं। इन दोनों मॉडलों की शोरूम कीमत क्रमशः 1.59 करोड़ रुपये और 1.63 करोड़ रुपये है। पॉर्श ने बयान में कहा कि इन मॉडलों में नया 420 पीएस छह सिलेंडर का इंजन लगा है। यह छह-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ है। कंपनी ने कहा है कि जीटी4 पॉर्श का प्रवेश स्तर का जीटी मॉडल है। पॉर्श इंडिया के बिक्री प्रमुख अशीष कौल ने कहा, ''718 केमैन जीटी4 और 718 स्पाइडर ड्राइविंग को आनंद बनाने वाले मॉडल हैं। ये उन लोगों के लिए बेहतरीन स्पोर्ट्स वाहन हैं जो सीमाओं के पार जाकर रेसिंग करना चाहते हैं।'' केमैन जीटी4 की अधिकतम गति सीमा 304 किलोमीटर प्रति घंटे की है। वहीं स्पाइडर की अधिकतम रफ्तार 301 किलोमीटर प्रति घंटे की होगी। दोनों मॉडल 4.4 सेकेंड में शून्य से 100 किलोमीटर की रफ्तार पकड़ सकते हैं। दोनों मॉडल 4.4 सेकेंड में शून्य से 100 किलोमीटर की रफ्तार पकड़ सकते हैं।

डेलॉयट ने स्पाशियल एक्सेस का अधिग्रहण किया

नयी दिल्ली। डेलॉयट टच तोहमात्सु इंडिया एलएलपी (डेलॉयट) ने स्पाशियल एक्सेस के अधिग्रहण की घोषणा की है। यह विज्ञापन और विपणन सलाहकार तथा विश्लेषण कंपनी है। इस कदम से डेलॉयट की परामर्शक क्षमता बढ़ सकेगी और ब्रांड अधिक दक्ष तरीके से विज्ञापन और मार्केटिंग से संबंधित फैसले कर सकेगा। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा, ''इस रणनीतिक कदम से उद्योग के दो प्रमुख खिलाड़ियों के सर्वश्रेष्ठ समाधानों...स्पाशियल एक्सेस की ज्ञान आधारित क्षेत्र विशेषज्ञता तथा डेलॉयट के आधुनिक डेटा विश्लेषण कौशल का एकीकरण हो सकेगा। आधारित क्षेत्र विशेषज्ञता तथा डेलॉयट के आधुनिक डेटा विश्लेषण कौशल का एकीकरण हो सकेगा।'' डेलॉयट ने हालांकि इस सौदे के वित्तीय पक्ष का खुलासा नहीं किया है।

एयर इंडिया हांगकांग के लिए नहीं भरेगी उड़ान, चीनी सरकार ने 2 सप्ताह का लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली।

भारत की सरकारी एविएशन कंपनी एयर इंडिया अब हांगकांग के लिए उड़ान नहीं भर पाएगी। चीनी सरकार ने हांगकांग के लिए उड़ान भरने वाली एयर इंडिया पर दो सप्ताह के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। इसी वजह से सोमवार को उड़ान भरने वाली एयर इंडिया का विमान हांगकांग नहीं गया। इसी वजह से हांगकांग से दिल्ली वापस आने वाली फ्लाइट भी दिल्ली नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 14 अगस्त को संचालित एयर इंडिया की दिल्ली-हांगकांग उड़ान में 11 कोविड -19 मामले सामने आए, जिसके बाद चीनी सरकार ने हांगकांग के लिए एयर इंडिया की उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि, हम जानते थे कि हांगकांग सरकार ने कुछ प्रतिबंध लगाए थे, जिसके कारण हमें सोमवार की दिल्ली-हांगकांग-दिल्ली उड़ान रद्द करनी पड़ी। हम इन प्रतिबंधों का कारण नहीं जानते हैं। चीनी सरकार के इस फैसले से हांगकांग में फंसे भारत के हजारों यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन्हीं में से कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया पर ट्रैवल प्लान रीशेड्यूल करने को कहा। वहीं, एक यात्री के ट्वीट का जवाब देते हुए एयर इंडिया ने ट्वीट कर कहा कि हांगकांग अधिकारियों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण, एआई 310/315, दिल्ली-हांगकांग-दिल्ली की 18 अगस्त 2020 की फ्लाइट स्थगित हो गई है। इस संबंध में और जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी. यात्री एयर इंडिया के कस्टमर केयर से संपर्क कर सकते हैं।

सोना एक फीसदी, चांदी ढाई फीसदी महंगी

मुंबई। वैश्विक स्तर पर दोनों कीमती धातुओं में जबरदस्त तेजी से घरेलू बाजारों में आज सोना एक प्रतिशत और चांदी ढाई प्रतिशत से अधिक महंगी हुई। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर पड़ने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना एक बार फिर दो हजार डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गया। सोना हाजिर 26.25 डॉलर की मजबूती के साथ 2,008.15 डॉलर प्रति औंस के भाव बिका। दिसंबर का अमेरिकी सोना वायदा भी 16.30 डॉलर की बढ़त में 2,015 डॉलर प्रति औंस बोला गया। चांदी हाजिर 0.93 डॉलर चढ़कर 28.22 डॉलर प्रति औंस पर रही। घरेलू स्तर पर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोना वायदा 545 रुपए यानी 1.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 53,820 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। सोना मिनी 1.06 प्रतिशत चढ़कर 54,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। चांदी वायदा 1,815 रुपए यानी 2.62 प्रतिशत मजबूत हुई और 70,970 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव बिकी। चांदी मिनी 2.61 प्रतिशत चमककर 71,027 रुपए प्रति किलोग्राम बोली गई। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में गिरावट से अंतररष्ट्रीय स्तर पर पीली धातु को मजबूती मिली है। इससे घरेलू बाजार में भी सोने में तेजी रही।

पॉर्श ने भारतीय बाजार में किए लॉन्च 718 स्पाइडर, 718 केमैन जीटी4 मॉडल

नई दिल्ली। लक्जरी स्पोर्ट्स कार कंपनी पॉर्श ने भारतीय बाजार में 718 स्पाइडर और 718 केमैन जीटी4 मॉडल उतारे हैं। इन दोनों मॉडलों की शोरूम कीमत क्रमशः 1.59 करोड़ रुपये और 1.63 करोड़ रुपये है। पॉर्श ने बयान में कहा कि इन मॉडलों में नया 420 पीएस छह सिलेंडर का इंजन लगा है। यह छह-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ है। कंपनी ने कहा है कि जीटी4 पॉर्श का प्रवेश स्तर का जीटी मॉडल है। पॉर्श इंडिया के बिक्री प्रमुख अशीष कौल ने कहा, '718 केमैन जीटी4 और 718 स्पाइडर ड्राइविंग को आनंद बनाने वाले मॉडल हैं। ये उन लोगों के लिए बेहतरीन स्पोर्ट्स वाहन हैं जो सीमाओं के पार जाकर रेसिंग करना चाहते हैं।' केमैन जीटी4 की अधिकतम गति सीमा 304 किलोमीटर प्रति घंटे की है। वहीं स्पाइडर की अधिकतम रफ्तार 301 किलोमीटर प्रति घंटे की होगी। दोनों मॉडल 4.4 सेकेंड में शून्य से 100 किलोमीटर की रफ्तार पकड़ सकते हैं।

चीन ने कहा, हुवावेई पर पाबंदियां लगाकर अमेरिका वैश्विक व्यापार को नुकसान पहुंचा रहा

बीजिंग।

चीन ने अमेरिका पर वैश्विक व्यापार को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। अमेरिका की हुवावेई पर नई पाबंदी लगाए जाने के बाद उसने यह बात कही। चीन ने मंगलवार को यह भी कहा कि वह चीनी कंपनियों के संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठाएगा। हालांकि उसने कोई जवाबी कार्रवाई का संकेत नहीं दिया। अमेरिका ने सोमवार को नए नियम जारी कर हुवावेई पर सख्ती बढ़ा दी। इसके तहत वाणिज्य विभाग उन आपूर्तिकर्ताओं के लिए अमेरिकी प्रौद्योगिकी के उपयोग पर प्रतिबंध लगाएगा जो उसका उपयोग कर हुवावेई के लिए प्रोसेसर चिप और अन्य उपकरण बनाते हैं। हुवावेई चीन की पहली वैश्विक प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धी कंपनी है। वह फोन कंपनियों के लिए उपकरणों की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता और एक प्रमुख स्मार्टफोन बांड है। चीनी विदेश

मंत्रालय ने ट्रंप प्रशासन से चीनी कंपनियों को परेशान करने और उसे दबाने का काम बंद करने को कहा। हुवावेई टेक्नोलॉजीज लि. अमेरिका और चीन के बीच प्रैद्योगिकी और सुरक्षा को लेकर विवाद का प्रमुख विषय बन गया है। हुवावेई टेक्नोलॉजीज लि. अमेरिका और चीन के बीच प्रैद्योगिकी और सुरक्षा को लेकर विवाद का प्रमुख विषय बन गया है। हुवावेई टेक्नोलॉजीज लि. अमेरिका और चीन के बीच प्रैद्योगिकी और सुरक्षा को लेकर विवाद का प्रमुख विषय बन गया है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि हुवावेई से देश की सुरक्षा को खतरा है। अमेरिका, यूरोपीय तथा अन्य मित्र देशों से भी चीनी कंपनी की प्राद्योगिकी से बचने के लिए कह रहा है। हुवावेई ने नए नियम को लेकर कुछ भी कहने से मना किया लेकिन उसने चीन सरकार की तरफ से जासूसी करने की बात फिर से खारिज की है। चीनी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका, राष्ट्रीय सुरक्षा की आड़ में अमेरिकी प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए प्रतिस्पर्धी कंपनी को रोकने का प्रयास कर रहा है।

डीलरों को एमएसएमई का दर्जा देने पर विचार कर रही है सरकार : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि सरकार डीलरों को सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) का दर्जा देने पर विचार कर रही है। इससे डीलर भी एमएसएमई को मिलने वाले लाभ के पात्र हो सकेंगे। विनिर्माण और सेवा क्षेत्र से जुड़े सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत लाभ और सब्सिडी पाने के लिए अपना पंजीकरण कराना होता है। पंजीकृत एमएसएमई को शुल्क सब्सिडी और कर तथा पूंजीगत सब्सिडी का लाभ मिलता है। पंजीकरण से उन्हें सरकारी ऋणदाताओं तक पहुंच बनाने में मदद मिलती है और वे कम ब्याज दर पर आसान ऋण प्राप्त कर सकते हैं। गडकरी ने मंगलवार को कहा, 'जहां तक एमएसएमई की बात है, अब हम डीलरों को भी एमएसएमई का दर्जा देने पर विचार कर रहे हैं। इसपर विचार चल रहा है। इससे उन्हें एमएसएमई को मिलने वाला लाभ मिल सकेगा।' मंत्री ने एक बार फिर उद्योगों से अपील की कि वे एमएसएमई के बकाये का भुगतान समय पर करें। उन्होंने कहा हम वित्त मंत्रालय से आयकर की दृष्टि से आग्रह कर रहे हैं कि जो उद्योग प्रौद्योगिकी केंद्र, प्रशिक्षण केंद्र, अनुसंधान केंद्र बनाना चाहते हैं, क्या हम उन्हें कुछ और समर्थन देने की स्थिति में हैं। इससे उन्हें और शोध और नवोन्मेषण के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।

सरकार ने इन 4 सरकारी बैंकों में हिस्सा बेचने की प्रक्रिया तेज की

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार जल्द ही पंजाब एंड सिंध बैंक, यूको बैंक, आईडीबीआई और बैंक ऑफ महाराष्ट्र में अपनी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में है। इसके लिए प्रधानमंत्री कार्यालय ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इस वित्त वर्ष में ही इन चारों सरकारी बैंकों में केंद्र की हिस्सेदारी कम करने के लिए तेजी से कदम उठाएं। इस मामले से जुड़े दो अधिकारियों ने बताया कि इन चारों बैंकों में केंद्र सरकार मेजर स्टेकहोल्डर है और विनिवेश के जरिए अपनी हिस्सेदारी बेचने का योजना बना रही है। अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार कोराना वायरस महामारी के कारण टैक्स कलेक्शन में गिरावट के बीच बजट के लिए धन जुटाने के मकसद से बैंकों और अन्य सरकारी कंपनियों के प्राइवेटाइजेशन पर जोर दे रही है। साथ ही सरकार बैंकिंग सेक्टर में भी सुधार लाना चाहती है। इसके लिए ने इस महीने की शुरुआत में वित्त मंत्रालय को एक चिट्ठी लिखकर निजीकरण का प्रक्रिया में तेजी लाने का सुझाव दिया था। सरकार का लक्ष्य मार्च, 2021 से पहले विनिवेश के जरिये बैंकों का प्राइवेटाइजेशन करने का है, जिसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। हालांकि, इस विषय पर अभी न तो और न ही बैंकों की कोई आधिकारिक बयान सामने आया है। वित्त मंत्रालय ने भी इस मुद्दे पर अभी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। इससे पहले एक रिपोर्ट आई थी कि बैंकिंग सेक्टर में सुधार के लिए केंद्र सरकार आधे से अधिक सरकारी बैंकों का निजीकरण करना चाहती है। आईडीबीआई बैंक के अलावा भारत में अभी एक दर्जन से अधिक सरकारी बैंक हैं। आईडीबीआई बैंक में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी 47.11त्न है। वहीं, सरकार की स्वामित्व वाली बेहेमोथ लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन की हिस्सेदारी 51 फीसदी है। विशेषज्ञों का कहना है किसरकार द्वारा बैंकों में अपनी हिस्सेदारी बेचने के पीछे का कारण बैड लोन में बढ़ोतरी होना है। सरकार द्वारा बैंकों में अपनी हिस्सेदारी बेचने के पीछे का कारण बैड लोन में बढ़ोतरी होना है। अगर सरकार अपनी हिस्सेदारी नहीं बेचती है तो उसे इन बैंकों के बेलआउट के लिए फंड मुहैया कराने होंगे। इस मामले से जुड़े अधिकारी ने कहा कि महामारी के कारण बाजार के हालात को देखते हुए।

सरकार के लिए इन बैंकों में अपनी हिस्सेदारी कम करना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। सरकार महामारी के बीच सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है। वहीं, कुछ अधिकारियों ने सलाह दी है कि निजीकरण से पहले सरकार इन बैंकों का पुनर्गठन करे, ताकि सरप्लस कर्मचारियों को स्वैच्छिक रिटायरमेंट देकर घाटे को कम किया जा सके। साथ ही नुकसान उठा रहे घरेलू और विदेशी शाखाओं को बंद करके घाटे को कम करने का प्रयास करे।

छत्तीसगढ कोयले के परिवहन को ई-परमिट नहीं दे रहा, एपीपी की कोयला मंत्रालय से हस्तक्षेप की अपील

नई दिल्ली। बिजली उत्पादकों ने छत्तीसगढ़ द्वारा स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आईपीपी) को कोयले के परिवहन के लिए ई-परमिट नहीं जारी करने के मामले में कोयला मंत्रालय से हस्तक्षेप की अपील की है। एसोसिएशन ऑफ पावर प्रोड्यूसर्स (एपीपी) ने कोयला सचिव को इस बारे में 17 अगस्त को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है, 'वह इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए छत्तीसगढ़ के खान/खनिज विभाग के संबंधित अधिकारियों को आईपीपी को कोयले के परिवहन के लिए ई-परमिट जारी करने का निर्देश दें।' एपीपी ने इस बारे में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव को भी 17 अगस्त को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है, 'यदि छत्तीसगढ़ राज्य के खान/खनिज विभाग का इसी तरह का रवैया रहता है, तो आईपीपी के समक्ष अपनी जरूरत को पूरा करने के लिए कोयले का आयात करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रहेगा।' पत्र में कहा गया है पत्र में कहा गया है पत्र में कहा गया है पत्र में कहा गया है कि यह स्थिति केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुकूल नहीं होगी।

स्कूटर बनाने वाली सरकारी कंपनी होने वाली है बंद, हजारों कर्मचारी होंगे बेरोजगार?

नई दिल्ली।

एक समय था जब स्कूटर लैंब्रेटा की भारतीय बाजार में काफी मांग थी और 70 से 90 के दशक में यह स्कूटर लोगों के दिलों पर राज करता था। वहीं, अब स्कूटर लैंब्रेटा को भारत में बनाने वाली सरकारी कंपनी स्कूटर्स इंडिया को बंद करने की खबरें आ रही हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सरकार की योजना पहले इस कंपनी की पूरी हिस्सेदारी बेचने की थी। लेकिन किसी ने भी इस स्कूटर्स इंडिया को खरीदने में रुचि नहीं दिखाई। ऐसे में सरकार ने अब कंपनी को बंद कर सकती है। जानकारी के लिए बता दें कि सरकार की स्कूटर्स इंडिया में 93.87 फीसदी हिस्सेदारी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर में 5 फीसदी का ऊपरी सर्किट (जब शेयर को खरीदने वाले ही होते है और बेचने वाला नहीं होता है) लग गया है।

उद्योग मंत्रालय ने स्कूटर्स इंडिया को बंद करने का प्रस्ताव तैयार कर लिया है। सूत्रों की मानें तो इसकी सारी जमीन को बेचकर उत्तर प्रदेश की सरकार को वापिस कर दी जाएगी। कंपनी की मशीनें और प्लांट भी बेच दिए जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि स्कूटर्स इंडिया के ब्रैंड को अलग से बेचने के लिए पूरा खाका तैयार कर लिया गया है। जिसे बेचने की पूरी जिम्मेदारी एमएसटीसी को दी जाएगी। ये सरकारी कंपनी इसे बेचकर जो पैसा मिलेगा। उसका इस्तेमाल कर्मचारियों के में होगा। वहीं बंद करने से पहले इसे शेयर बाजार से डीलिस्ट भी कराया जाएगा।

कोविड-19: इस वर्ष कार्टिस्ट फेस्टिवल 2020 वर्चुअल तरीके से होगा आयोजित

जयपुर।

कोरोना महामारी के चलते देश का सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल आर्ट फेस्टिवल कार्टिस्ट फेस्टिवल इस साल वर्चुअल तरीके से आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने सोमवार को यह जानकारी दी। कार्टिस्ट के संस्थापक हिमांशु जांगिड़ ने कहा कि कार्टिस्ट फेस्टिवल 2020 इस बार 27 नवंबर से 30 नवंबर तक आयोजित किया जायेगा जिसमें प्रत्येक दिन विभिन्न वर्चुअल सत्र होंगे। उन्होंने बताया कि लोगों में कला व ऑटोमोबाइल के जुनून को कायम रखने के लिए हमने इस वर्ष कार्टिस्ट फेस्टिवल को टालने के बजाय वर्चुअल आयोजित करने का फैसला किया है। इस वर्ष कार्टिस्ट फेस्टिवल को टालने के बजाय वर्चुअल आयोजित करने का फैसला किया है। फेस्टिवल के दौरान प्रतिभागियों व भागीदारों के व्यापक समर्थन के साथ विभिन्न आयोजन, कार्यशालाएं, रचनात्मक गतिविधियां व म्यूजिकल सैशन वर्चुअल ही आयोजित किए जाएंगे। जांगिड ने बताया कि अखिल भारतीय यात्रा के तहत इस तरह की गतिविधियां विभिन्न राज्यों में आयोजित की जाती है लेकिन इस वर्ष महामारी के चलते इसे वर्चुअल आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दौरान कार्टिस्ट की ओर से फोटोग्राफी, कैरिकेचर, डिजिटल आर्ट, कार डिजाइनिंग, ट्रायल आर्ट, स्केच, वॉटर कलर व रेस्टोरेशन जैसे विषयों पर एजुकेशनल वर्कशॉप आयोजित की जाएंगी। फेस्टिवल में देशभर के कलाकार, डिजाइनर, ऑटोमोबाइल विशेषज्ञ, विद्यार्थी, सौंदर्यशास्त्री तथा आम लोग एक मंच पर जुटेंगे, जिनके द्वारा कला, प्रेरणा व अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी व जानकारियों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

मोदी सरकार ने इस मुद्दे पर 2030 तक की कर रखी है प्लानिंग, उड्डयन मंत्री ने बताईं अहम बातें

नई दिल्ली।

नागर विमानन मंत्रालय बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष कुछ और हवाईअड्डों के निजीकरण का प्रस्ताव रखेगा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नरेंद्र मोदी सरकार के तहत फरवरी, 2019 में पहले दौर में लखनऊ, अहमदाबाद, जयपुर, मेंगलुरु, तिरुवनंतपुरम और गुवाहाटी हवाई अड्डों के सार्वजनिक-निजी-भागीदारी (पीपीपी) मॉडल में परिचालन, प्रबंधन और विकास की मंजूरी दी गई थी। इसके बाद भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने सितंबर, 2019 में नागर विमानन मंत्रालय से अमृतसर, वाराणसी, भुवनेश्वर, इंदौर, रायपुर और त्रिची के हवाईअड्डों के निजीकरण की सिफारिश की थी। पुरी ने मंगलवार को एक वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा, ''हम कल कैबिनेट के समक्ष और हवाईअड्डों के निजीकरण का प्रस्ताव रखेंगे।

करीब दर्जन हवाईअड्डों का और निजीकरण होगा। अब से 2030 तक हम 100 नए हवाईअड्डे बनाएंगे। नागर विमानन मंत्रालय के तहत आने वाले एएआई के पास देशभर में 100 से अधिक हवाईअड्डों का स्वामित्व है और वह इनका प्रबंधन करता है। सरकार ने 2018 में लखनऊ, अहमदाबाद, जयपुर, मेंगलुरु, तिरुवनंतपुरम तथा गुवाहाटी हवाईअड्डों के निजीकरण का फैसला किया था। प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के तहत फरवरी, 2019 में अडाणी एंटरप्राइजेज ने इन छह हवाईअड्डों के संचालन का अधिकार हासिल किया था।

अडाणी एंटरप्राइजेज ने 14 फरवरी, 2020 को एएआई के साथ तीन हवाईअड्डों अहमदाबाद, मेंगलुरु तथा लखनऊ के लिए रियायती करार पर हस्ताक्षर किए थे।

पेट्रोनेट एलएनजी का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ सात प्रतिशत घटकर 520 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली।

पेट्रोनेट एलएनजी लि. का चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही का एकल शुद्ध लाभ 7.1 प्रतिशत घटकर 520.23 करोड़ रुपये रहा है। देश की सबसे बड़ी तरलीकृत गैस आयातक कंपनी के मुनाफे को उम्मीद से बेहतर माना जा रहा है। विश्लेषकों का अनुमान था कि पहली तिमाही में कंपनी का एकल शुद्ध लाभ 490 करोड़ रुपये के आसपास रहेगा। कोविड-19 की वजह से लागू लॉकडाउन का कंपनी के परिचालन पर सीमित असर पड़ा है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा है कि जून में समाप्त तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 520.23 करोड़ रुपये या 3.47 रुपये प्रति शेयर रहा है। यह इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 560.27 करोड़ रुपये या 3.74 रुपये प्रति शेयर की तुलना में 7.1 प्रतिशत कम है। तिमाही के दौरान कंपनी की आय 43 प्रतिशत घटकर 4,951.9 करोड़ रुपये रह गई। कंपनी ने कहा है कि 25 मार्च को लागू राष्ट्रव्यापी बंद की वजह से अप्रैल में देश का एलएनजी आयात कम रहा, क्योंकि इस दौरान प्रयोगकर्ता उद्योग अस्थायी रूप से बंद थे। कंपनी ने कहा कि अप्रैल में उसके 1.75 करोड़ टन सालाना के दाहेज एलएनजी आयात टर्मिनल से क्षमता का 60 प्रतिशत गैस ही भेजी जा सकी। यह इससे पिछले महीने में 88 प्रतिशत रहा था।कंपनी ने कहा कि जून में लॉकडाउन में ढील के बाद से गैस की मांग सुधर रही है और उसके बाद से दाहेज टर्मिनल अपनी पूरी क्षमता पर परिचालन कर रहा है। विश्लेषकों का अनुमान था कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का एकल शुद्ध लाभ 490 करोड़ रुपये के आसपास रहेगा।तौर पर रखने के लिए इसॉप का इस्तेमाल करती हैं। यह उनके वेतन का एक अहम हिस्सा होता है। वर्तमान में जब कर्मचारी इसॉप से मिली हिस्सेदारी को भुनाते हैं तो उन्हें इस पर कर देना होता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

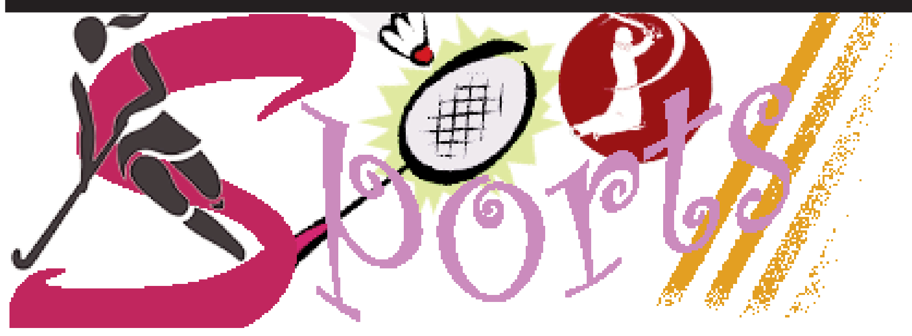

कोविड-19 के कारण फ्रांस की घरेलू फुटबॉल लीग का पहला मैच स्थगित

मार्सेली । मार्सेली टीम में कोविड-19 का मामला मिलने के बाद फ्रांस की घरेलू फुटबॉल लीग के पहले मुकाबले को मंगलवार को स्थगित कर दिया गया। फ्रेंच लीग ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार को सेंट-एटीन्ने के खिलाफ मार्सेली के घरेलू मुकाबले को अब 16 सितंबर या 17 सितंबर को खेला जाएगा। इससे पहले फुटबॉल क्लब मार्सेली और निमेस ने नए सत्र शुरू होने से तीन दिन पहले अपनी टीम के कर्मचारियों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की सूचना दी थी। मार्सेली ने कहा कि उसके क्लब से जुड़े तीन लोग कोविड-19 पॉजिटिव पाए गये है। महामारी के चपेट में आये लोगों की हालांकि पहचान जाहिर नहीं हो पाई हैं। निमेस ने मंगलवार को वायरस से संक्रमण के 2 संदिग्ध मामलों की सूचना देते हुए बताया कि उसके कर्मचारी परीक्षण के बाद से पृथकवास पर है। यह स्पष्ट नहीं था कि ये मामले खिलाड़ियों से जुड़े है या इसमें कोई अधिकारी भी शामिल है। क्लब ने इससे पहले पिछले सप्ताह कोविड-19 का अपने अभ्यास मैच को रद्द कर दिया था। टीम को रविवार को ब्रेस्ट के खिलाफ पहला मुकाबला खेलना है।

शतरंज

ग्रांड फ़ाइनल शतरंज - नाकामुरा नें फिर कार्लसन को हराया बनाई बढ़त

नॉर्वे ।

मेगनस कार्लसन शतरंज टूर के ग्रांड फाइनल मे मुक़ाबला बेहद कडा होता जा रहा है और ऐसा साफ लग रहा है की बेस्ट ऑफ 7 दिन का यह मुक़ाबला अब सातवे सीन तक खेला जाएगा । पहले दो दिन के बाद एक एक दिन की जीत के साथ विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन और अमेरिका के हिकारु नाकामुरा के बीच 1-1 के स्कोर के साथ तीसरे दिन का खेल शुरू हुआ । पहले ही रैपिड मे काले मोहरो से राय लोपेज एक्स्चेंज वेरिएशन मे कार्लसन नें नाकामुरा को शानदार हाथी के एंडगेम मे मात देते हुए 45 चालों मे जीत दर्ज की और 1-0 से आगे हो गए और लगा की हमेशा की तरह कार्लसन शायद अब आगे निकल जाएँगे पर दूसरे मैच मे सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए राय लोपेज ओपेनिंग मे उन्होने मात्र 17 चालों मे ड्रॉ खेलकर चौंका दिया । तीसरे मुक़ाबले मे एक बार फिर राय लोपेज ओपेनिंग और काले मोहरो से खेल रहे कार्लसन इस बार ऊंट के अंत खेल मे भारी चूक करते हुए मात्र 39 चालों मे हार गए परिणाम स्वरूप स्कोर 1.5-1.5 हो गया चौंथा और अंतिम मुक़ाबला लंदन सिस्टम ओपनिंग मे हुआ और 45 चालों मे बजाईबेनतीजा रही और इस तरह चार रैपिड के बाद स्कोर 2-2 हो गया । बेनतीजा रही और इस तरह चार रैपिड के बाद स्कोर 2-2 हो गया । अब बारी थी 5 मिनट के ब्लिट्ज़ टाईब्रेक की जिसमें दो मुक़ाबले हुए । इस बार पहला स्कोर किया नाकामुरा नें उन्होने सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए राय लोपेज ओपनिंग मे मात्र 22 चालों मे कार्लसन को मात देते हुए 3-2 से बढ़त बना ली और अंतिम ब्लिट्ज़ मे कार्लसन नें इंग्लिश ओपनिंग मे 73 चालों तक बहुत कोशिश की पर खेल ड्रॉ रहा और इस प्रकार नाकामुरा नें 3.5-2.5 से तीसरा दिन अपने नाम करते हुए कुल मिलाकर 2-1 से बढ़त बना ली ।

फिंच ने कहा, ऑस्ट्रेलिया जैव सुरक्षित वातावरण में खेलने के लिए तैयार

ब्रिस्बेन ।

आस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान आरोन फिंच ने कहा कि कोरोना वायरस के बावजूद वैश्विक क्रिकेट चलता रहे इसके लिए उनकी टीम जैव सुरक्षित वातावरण में रहने को तैयार है। ऑस्ट्रेलिया का अगले महीने होना वाला इंग्लैंड दौरा इस सलामी बल्लेबाज के लिए पूरी तरह से नया अनुभव होगा। इस दौरान वह 21 सदस्यों वाली टीम की अगुवाई करेंगे जो तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही एकदिवसीय मैच खेलेगी। विक्टोरिया में कोविड-19 मामलों के बढ़ने के कारण यहां कड़ा लॉकडाउन लागू है। यह फिंच के लिए दौरे पर अलग थलग रहने की शुरुआत है क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी आगामी सप्ताह में इंग्लैंड में मैच खेलने के लिए वेस्टइंडीज और पाकिस्तानी टीमों की तरह जैव सुरक्षित वातावरण में रहना होगा। फिंच ने मंगलवार को जब ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में भाग लिया तो पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि पीछे से उनका कुत्ता भौंक सकता है और अगर ऐसा हुआ तो उन्हें चुप्पी साधनी होगी। ऐसा दो बार हुआ और संवाददाता सम्मेलन के आखिर में उन्होंने मुस्कराते हुए माफी भी मांगी। फिंच ने कहा कि उनकी टीम के लिए नियमों का पालन करना कोई मसला नहीं होगा जो रविवार को ऑस्ट्रेलिया से रवाना होगी। इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले खिलाड़ियों में ऐसे खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्हें इसके बाद 19 सितंबर से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेना है।

उन्हें आस्ट्रेलिया लौटने पर भारत के खिलाफ श्रृंखला से पहले भी पृथकवास में रहना होगा। फिंच ने कहा, 'यह याद रखना अधिक महत्वपूर्ण है कि हम वैश्विक क्रिकेट को बरकरार रखने में मदद करने की स्थिति में हैं और इससे बड़ी कोई प्रेरणा नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट जगत से जुड़े हजारों लोग हैं जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं। हम इसका श्रेय उन लोगों को देते हैं ।

हॉकी इंडिया 61 बेरोजगार खिलाड़ियों को वित्तीय मदद देगा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को घोषणा की कि वह 34 महिलाओं सहित 61 बेरोजगार खिलाड़ियों को मौजूदा कोविड-19 महामारी के बीच वित्तीय सहायता मुहैया कराएगा जिससे कि उनकी खेल गतिविधियों में वापसी में मदद हो सके। जिन खिलाड़ियों के पास नौकरी नहीं है उन्हें महामारी के कारण समस्या का सामना करना पड़ रहा है और इसका उन पर प्रतिकूल असर पड़ा है। इस पहल के तहत प्रत्येक खिलाड़ी को 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। प्रेस विज्ञप्ति में हॉकी इंडिया के कार्यवाहक अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबाम के हवाले से कहा गया, 'कोविड-19 के साथ मौजूदा लड़ाई का उन खिलाड़ियों पर प्रतिकूल असर पड़ा है जिनके पास नौकरी नहीं है, उनके लिए खेल गतिविधियां शुरू कर पाना मुश्किल है क्योंकि उनका परिवार वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, 'हॉकी इंडिया उन्हें तुरंत राहत पहुंचाने का तरीका ढूंढ रहा था और हमने फैसला किया है कि इस मुश्किल समय में प्रत्येक खिलाड़ी को 10 हजार रुपये की वित्तीय सहायता देंगे जिसका मतलब होगा कि उनके परिवार पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा क्योंकि वे निकट भविष्य में खेल गतिविधियां फिर शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं।

रैना के संन्यास के बाद राहुल द्रविड़ ने दिया बड़ा बयान, बल्लेबाजी को लेकर कही बात

नई दिल्ली ।

सुरेश रैना को 'शानदार टीम मैन% बताते हुए पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड ने कहा कि अगर उन्हें शीर्ष क्रम पर बल्लेबाजी का मौका मिलता तो उन्होंने और अधिक रन बनाए होते। पूर्व कप्तान द्रविड ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारतीय टीम की सफलता में रैना के योगदान की तरीफ की। इस 33 वर्षीय बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने अपने मेंटर महेन्द्र सिंह धोनी के पदचिन्हों पर चलते हुए 15 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। रैना को एकदिवसीय और टेस्ट में 'कैप देने वाले द्रविड ने उनकी जमकर प्रशंसा की। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर पोस्ट वीडियो में द्रविड ने कहा, 'सीमित ओवरों के क्रिकेट में पिछले डेढ दशक में भारतीय टीम को जो सफलता, शानदार पल मिले उसमें सुरेश (रैना) ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मुझे लगता है कि सफेद गेंद के क्रिकेट में उनका योगदान शानदार रहा है। द्रविड ने कहा, 'वह विश्व कप विजेता और चैंपियंस ट्रॉफी विजेता हैं। उसने मैदान पर काफी योगदान दिया। जिस तरह उसने क्षेत्ररक्षण के स्तर को ऊंचा किया उसमें उसकी ऊर्जा, उसका उत्साह कमाल का था। मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने 13 साल के करियर में 18 टेस्ट, 226 एकदिवसीय और 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए 8000 से अधिक रन बनाए है। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख द्रविड ने कहा, 'एक बात जो हमने हमेशा महसूस की, वह यह कि सुरेश ने हर मुश्किल काम किया। द्रविड ने कहा, '' अपने करियर के अधिकांश समय में उन्होंने निचले क्रम पर बल्लेबाजी की, मुश्किल स्थानों पर क्षेत्ररक्षण किया, कुछ अच्छे ओवर फेंके और हमेशा टीम को बहुत कुछ दिया। एक शानदार 'टीम मैन , जिसने हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। वह खेल में बहुत ऊर्जा लेकर आए और बहुत कुशल बल्लेबाज थे। द्रविड ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो अगर उनका बल्लेबाजी क्रम ऊपर होता तो उनके आंकड़े काफी बेहतर होते, जैसे कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए उन्हें सफलता मिली है। आईपीएल के लिए वह एक अभूतपूर्व खिलाड़ी हैं। रैना ने आईपीएल के 193 मैचों में 5368 रन बनाए है और वह इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर है। पहले स्थान पर भारतीय कप्तान विराट कोहली है जिनके नाम 177 मैच में 5412 रन है। द्रविड ने कहा, 'मुझे लगता है कि टेस्ट पदार्पण पर शतक लगाने के बाद वह इस प्रारूप में अपना बेहतर प्रदर्शन जारी नहीं रख पाए लेकिन एकदिवसीय क्रिकेट में उनका योगदान शानदार है। वह उस भारतीय टीम का हिस्सा रहे है जिसने पिछले ढेड दशक में काफी सफलता हासिल की है। भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि रैना ने जूनियर क्रिकेट के दौरान ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। रैना ने संक्षिप्त समय के लिए।

संक्षिप्त समाचार

खेल रत्न पाने वाले चौथे क्रिकेटर होंगे रोहित शर्मा, विनेश फौगाट सहित ये खिलाड़ी भी लिस्ट में शामिल

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय क्रिकेट टीम के धमाकेदार ओपनर बल्लेबाज क्रिकेटर रोहित शर्मा को पुरस्कार चयन समिति ने राजीव गांधी खेल रत्न के लिए चुना है। वह ये सम्मान पाने वाले चौथे भारतीय क्रिकेटर होंगे। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर (1997-98), महेंद्र सिंह धोनी धोनी (2007) और विराट कोहली (2018) को यह सम्मान मिल चुका है। रोहित शर्मा के साथ ही चयन समिति ने खेल रत्न के लिए एशियाई खेल स्वर्ण पदक विजेता पहलवान विनेश फौगाट, टेबल टेनिस चैंपियन मनिका बत्रा और पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मरियप्पन थंगावेलु के नाम की भी सिफारिश की। खेल मंत्रालय के सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया, बैठक अंततः 17 और 18 अगस्त को हो रही है। वहीं 29 अगस्त को राष्ट्रपति भवन में समारोह होगा या नहीं, इस पर फैसला बाकी है। लेकिन इस साल के पुरस्कार विजेताओं की घोषणा समय पर की जाएगी। गौर हो कि इस बार राजीव गांधी खेल रत्न, अर्जुन, द्रोणाचार्य और मेजर ध्यानचंद अवॉर्ड के लिए खेल मंत्रालय के पास 500 से ज्यादा आवेदन आए हैं।

कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में किए 12 साल पूरे, फैंस बोले- गोली नहीं, कोहली से डर लगता है साहब

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय टीम के मौजूदा कप्तान विराट कोहली ने 18 अगस्त यानी की आज ही के दिन की तारीख में भारत के करोड़ों क्रिकेट फैंस और दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों के लिए बेहद ही खास है। जी हां, ये वो तारीख है जिस दिन मौजूदा दौर के सबसे टैलेंटेड बल्लेबाज ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहला कदम रखा था। ऐसे में कोहली ने सोशल मीडिया पर एक खास फोटो शेयर की है। दरअसल, कोहली ने अपने इंस्टा अकाउंट पर फोटो शेयर करते हुए लिखा- बारह साल। समय गुज़र जाता है। हमेशा के लिए आभारी... बता दें, कि कोहला ने आज ही के दिन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इस मैच में विराट कोहली सिर्फ 12 रन बना सके थे। उन्हें नुवान कुलासेकरा ने एलबीडब्ल्यू आउट किया था। भारत की पूरी टीम इस मैच में 146 रन पर ऑल आउट हो गई। मेजबान श्रीलंका ने यह मैच 8 विकेट से अपने नाम कर लिया। गौर हो कि कोहली ने अपने तैयारियों में लग गए है। बात करें विराट कोहली के क्रिकेट करियर के बारे में तो उन्होंने टीम के लिए अबतक 86 टेस्ट मैच खेलते हुए 145 इनिंग्स में 7240 रन बनाए हैं। इसके अलावा उन्होंने टीम के लिए वनडे फॉर्मेट में 248 वनडे मैच खेलते हुए 239 इनिंग्स में 11867 और 20 फॉर्मेट में 82 मैच खेलते हुए ।

राष्ट्रीय शिविर में शामिल होने से विनेश फोगाट का इनकार, WFI नाराज

स्पोर्ट्स डेस्क ।

तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट कोविड-19 महामारी के बीच स्वास्थ्य चिंताओं का हवाला देकर राष्ट्रीय शिविर से हट गई हैं जिस फैसले से राष्ट्रीय महासंघ नाराज है। ओलंपिक वजन वर्ग के पहलवानों के लिए राष्ट्रीय शिविर एक सितंबर से लखनऊ (महिला) और सोनीपत (पुरुष) में शुरू होगा। हालांकि विनेश लखनऊ की यात्रा करने को लेकर सहज नहीं थीं क्योंकि महामारी के बीच उन्हें अपने स्वास्थ्य को लेकर डर है। विनेश ने कहा- मैं शिविर में हिस्सा नहीं लेने जा रही। मैं कोच ओम प्रकाश के साथ रोजाना ट्रेनिंग कर रही हूं जो उस योजना का पालन करते हैं जो मेरे निजी कोच वूलर एकोस हर सप्ताह मुझे भेजते हैं। लखनऊ की यात्रा करने के लिए स्थिति ठीक नहीं है। विश्व चैंपियनशिप 2019 की कांस्य पदक विजेता ने कहा कि वह काफी आसानी से बीमार हो जाती हैं इसलिए वह अपने स्वास्थ्य को लेकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती। उन्होंने कहा- मेरा पेट काफी संवेदनशील है। आप लखनऊ में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र से बाहर नहीं निकल सकते इसलिए आप अपने लिए जरूरत की चीजें नहीं ला सकते। लखनऊ में संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं लेकिन यहां हरियाणा में स्थिति सुरक्षित है इसलिए मैं यहां अधिक सहज हूं। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) हालांकि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता के कारणों से प्रभावित नहीं है। डब्ल्यूएफआई के सहायक सचिव विनोद तोमर ने कहा- चयन समिति फैसला करेगी कि विनेश को छूट मिलेगी या नहीं। शिविर खिलाडियों के लिए है। हम चाहते हैं कि अब ओलंपिक के लिए तैयारी शुरू हो जाए। उन्होंने कहा- हम अपने फायदे के लिए दुकान नहीं चला रहे हैं, शिविर खिलाडियों के लिए है और जब वे इस तरह का अंदेशा जताते हैं तो यह हैरानी भरा होता है। सुशील कुमार को राष्ट्रीय शिविर में हिस्सा लेने की जगह छत्रसाल स्टेडियम रहने और ट्रेनिंग की छूट पर तोमर ने कहा कि उनका मामला अलग है।

वहां जिम है, मैट है और सुशील की ट्रेनिंग के लिए पर्याप्त जोड़ीदार हैं। उन्होंने कहा- हमें पता है कि छत्रसाल बड़ी सुविधा है। वहां जिम है, मैट है और सुशील की ट्रेनिंग के लिए पर्याप्त जोड़ीदार हैं। हमें नहीं पता कि विनेश कौन से अखाड़े में ट्रेनिंग कर रही है, वहां किस तरह की सुविधाएं हैं। महिला शिविर 50, 53, 57, 62 और 68 किग्रा में शुरू होगा लेकिन डब्ल्यूएफआई 76 किग्रा वर्ग की पहलवान को भी ला सकता है जो एक अन्य ओलंपिक वजन वर्ग है। पुरुष फ्रीस्टाइल शिविर सभी छह ओलंपिक वजन वर्गों के साथ शुरू होगा जिसमें 65 किग्रा वर्ग भी शामिल है जहां पदक के दावेदार बजरंग पूनिया प्रतिस्पर्धा पेश करते हैं।

तोमर ने कहा- बजरंग अपने निजी कोच शाको बेनटिनिदिस के साथ सोनीपत में शिविर में होंगे। सिर्फ सुशील को छूट मिली है। बजरंग बेनटिनिदिस के साथ बेंगलुरू के इंस्पायर इंस्टीट्यूट फोर स्पोर्ट्स में ट्रेनिंग कर रहे हैं। सुशील के 74 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करने वाले जितेंदर कुमार भी वहीं ट्रेनिंग कर रहे हैं। भारत ने पुरुष वर्ग में बजरंग (65 किग्रा), रवि दाहिया (57 किग्रा) और दीपक (86 किग्रा) के जरिए ओलंपिक कोटा हासिल किया है। चार साल के डोपिंग प्रतिबंध के बाद नरसिंह यादव की वापसी से 74 किग्रा वर्ग और अधिक प्रतिस्पर्धी हो गया है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर का बड़ा बयान, धोनी की तुलना में पंत में अधिक टैलेंट है

स्पोर्ट्स डेस्क । पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और युवा विकेटकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत के बीच तुलना करते हुए कहा कि पंत में धोनी के मुकाबले ज्यादा नेचुरल टैलेंट है। धोनी ने 15 अगस्त की शाम 7.29 पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। नेहरा ने कहा, अगर आप मेरे से पूछेंगे तो मैंने ऋषभ पंत को 14 साल की उम्र सॉनेट में देखा है, जब मोटा बच्चा था, 22 साल के पंत के पास 2004 में 23 साल के धोनी की तुलना में अधिक स्वाभाविक प्रतिभा है, जब वह पहली बार भारत के लिए खेला था। लेकिन क्या पंत उतने मजबूत इरादों वाले हो सकते हैं जितना कि धोनी, वह आपको बताएंगे कि उस सफलता को दोहरा सकते हैं। नेहरा ने माना, वह (एमएस धोनी) सभी वरिष्ठ खिलाड़ियों के प्रति बेहद सम्मान रखते थे। उन्हें अपना स्थान दिया और मैं कह सकता हूं कि उन्होंने अपने मन पढ़ने की क्षमताओं के कारण परिवर्तनकाल के चरण को बहुत अच्छी तरह से संभाला। उन्होंने सम्मान दिया और इसलिए सम्मान मिला। इस 41 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर ने कहा, ऐसा कभी नहीं हुआ कि उसने किसी खिलाड़ी को अपने मन की बात बताने के लिए कोई स्पष्ट तस्वीर न दी हो। वह दूसरे लोगों के दिमाग का एक अच्छा पाठक था और इसने उसे उस बेहतरीन मैन-मैनेजर में से एक बना दिया जिसे इस खेल ने कभी देखा है।

ऑनलाइन शतरंज ओलंपियाड -भारत का पहला मुक़ाबला जिम्बाब्वे से

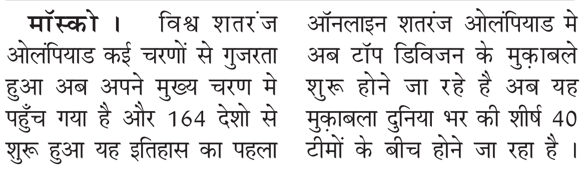

मॉस्को । विश्व शतरंज ओलंपियाड कई चरणों से गुजरता हुआ अब अपने मुख्य चरण मे पहुँच गया है और 164 देशो से शुरू हुआ यह इतिहास का पहला ऑनलाइन शतरंज ओलंपियाड मे अब टॉप डिविजन के मुक़ाबले शुरू होने जा रहे है अब यह मुक़ाबला दुनिया भर की शीर्ष 40 टीमों के बीच होने जा रहा है । इन्हे 10 -10 टीम के कुल चार पूल मे विभाजित किया गया है भारतीय टीम को पूल ए मे स्थान दिया गया है । भारत को चीन ,जर्मनी और ईरान से मिलेगी टक्कर - पूल ए मे वर्तमान ओलंपियाड विजेता चीन को शीर्ष वरीयता मिली है जबकि भारतीय को दूसरी वरीयता दी गयी है , राउंड रॉबिन आधार पर हर टीम बाकी की नौ टीम से मुक़ाबला खेलेगी । भारत को चीन के अलावा जर्मनी ,ईरान ,वियतनाम जैसी टीम से सावधान रहना होगा । 21 अगस्त को भारत दोपहर 1.30 बजे सबसे पहले जिम्बाब्वे से , 2.30 बजे वियतनाम से तो 3.30 बजे उज्बेकिस्तान से मुक़ाबला खेलेगा । 22 अगस्त को 1.30 बजे इन्डोनेशिया से ,2.30 बजे ईरान से तो 3.30 बजे मंगोलिया से मुक़ाबला खेलगा । जबकि 23 अगस्त को 1.30 बजे जॉर्जिया से ,2.30 बजे जर्मनी से तो अंतिम राउंड 3.30 बजे चीन से खेलेगा । हर पूल की विजेता टीम सीधे अंतिम आठ मतलब क्काटर फाइनल मे तो दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाली टीम प्री क्काटर फाइनल मे जगह बनाएगी ।

महिला स्टार को किडनैप करने की कोशिश, रात को घर में घुसा 'सिरफिरा आशिक'

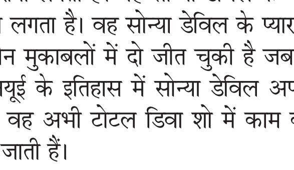

नई दिल्ली । डब्लयूडब्लयूई महिला स्टार सोन्या डेविल को किडनैप करने के लिए बीते दिनों एक प्रशंसक रात को उनके घर में घुस गया। हालांकि प्रशंसक अपनी कोशिश में नाकाम रहा। पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी कर लिया। जांच दौरान पता चला कि उक्त किडनैपर करीब 8 महीने से किडनैपिंग की प्लानिंग कर रहा था। वह सोन्या डेविल को बहुत पसंद करता है। कैलिफोर्निया पुलिस के मुताबिक लुट्स फ्ला का नागरिक यह शख्स आधी रात को सोन्या के घर में घुसा। हालांकि वह जैसे ही ग्लास स्लाइड करके अंदर घुसा अलार्म बज गया। आवाज आने पर लोगों ने उसे पकड़ लिया। हालांकि कैलिफोर्निया पुलिस ने अभी उक्त शख्स का नाम नहीं बताया है।लेकिन बताया जा रहा है कि उक्त आरोपी मानसिक रोगी लगता है। वह सोन्या डेविल के प्यार में पागल था। लेकिन बताया जा रहा है कि उक्त आरोपी मानसिक रोगी लगता है। वह सोन्या डेविल के प्यार में पागल था। सोन्या मिक्सड मार्शल आर्ट्स की भी प्लेयर रही हैं। वह तीन मुकाबलों में दो जीत चुकी है जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा था। बता दें कि डब्लयूडब्लयूई के इतिहास में सोन्या डेविल अपनी समलैंगिकता का खुलकर ऐलान करने वाली पहली महिला रैसलर है। वह अभी टोटल डिवा शो में काम कर रही हैं। वह अपनी पार्टनर मैंडी रोज के साथ नजदीकियों के लिए जानी जाती हैं।

धरती के गर्भ में भी छिपा है भविष्य

पृथ्वी के भीतर का सच जानने के लिए मानव सदियों से परेशान रहा है। कई तरह के खनिज-संसाधनों को अपने में समेटे इस धरती का अध्ययन करना आपके लिए एक बेहतर कैरियर विकल्प के तौर पर है। इनके अध्ययनकर्ताओं को ही जियोलॉजिस्ट कहा जाता है। आइडिया, डेटा, इंफॉर्मेशन और लोगों के साथ काम करते हैं जियोलॉजिस्ट। इनका काम लेबोरेटरी से कही आगे वास्तविक दुनिया से जुड़ा होता है।

जिओलॉजिस्ट का कार्य-क्षेत्र काफी फैला हुआ है। धरती के अंदर खनिज और प्राकृतिक संपदा कहां है, इसकी खोज करते हैं जिओलॉजिस्ट। इसके अलावा रेलवे, ब्रिज, रोड, बिलंडिग आदि बनाने वाली टीम के साथ भी ये काम करते हैं। यदि पृथ्वी, पृथ्वी के मैटीरियल्स, मौसम, भूकंप आदि को जानने-समझने के प्रति रुचि है, तो वे जियोलॉजिस्ट बन सकते हैं। पहले जान लेते है कि ये जियोलॉजी है क्या बला और इसमें किन-किन विषयों का अध्ययन शामिल है। जियोलॉजी साइंस में पृथ्वी किस फिजिकल मैटर्स से निर्मित हुई है, की स्टडी होती है। इसके अंतर्गत पृथ्वी की उत्पत्ति, हिस्ट्री, कम्पोजीशन और स्ट्रक्चर का अध्ययन किया जाता है। इसके अलावा पत्थरों और अन्य सैंपल्स का संग्रह, ड्रिलिंग और बाद में उनका परीक्षण किया जाता है। यह विषय कई अलग-अलग क्षेत्रों में बंटा हुआ है।

अध्ययन

जियोफिजिस्ट - इसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स के सिध्दांतों का प्रयोग होता है। इसके अंतर्गत जियोफिजिस्ट पृथ्वी के एटमॉस्फेयर और हाइड्रोस्फेयर की स्टडी करते हैं।

जियोकेमिस्ट - इसके अंतर्गत मिट्टी और ग्राउंड वॉटर के केमिकल एलिमेंट्स की स्टडी करते हैं। मीटिऑरोलॉजिस्ट मौसम सहित वातावरण और वातावरणीय घटनाक्रम का अध्ययन करते हैं।

ओसीनोग्राफर्स- नेचुरल साइंसेज, मैथ्स, और इंजीनियरिंग के सिध्दांतों का प्रयोग समुद्र, उनकी गति, फिजिकल प्रोपर्टीज, पौधों-जानवरों आदि की दुनिया के अध्ययन में करते हैं।

पेलिएंटोलॉजिस्ट- इसमें जीवाश्मों का अध्ययन करते हैं।

पेट्रोलियम जियोलॉजिस्ट- ऑयल और नेचुरल गैस के एक्सप्लोरेशन में इन्वॉल्व होते हैं।

सिसमोलॉजिस्ट - ये भूकंप की टाइमिंग और स्थान के बारे में पता करते हैं।

योग्यता

फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स से इंटरमीडिएट करने वाले छात्र ही इस विषय में बीएससी में एडमिशन ले सकते हैं। यादातर जगहों पर इसकी पढ़ाई इंग्लिश में होती है, हिंदी में नहीं। इसलिए छात्रों की अंग्रेजी भाषा पर कमांड होनी चाहिए। साथ ही, स्टूडेंट्स को फिजिकली फिट होना होगा, क्योंकि उन्हें खराब मौसम, यहां तक कि जमीन के अंदर भी काम करना पड़ता है। टीम-भावना बेहद जरूरी है, क्योंकि टीम मेंबर्स और ऑर्गेनाइजर के साथ उन्हें काम करना पड़ता है।

डिग्री

प्रोफेशनल एंट्री के लिए मास्टर डिग्री आवश्यक है। बीएससी इन एप्लायड जियोलॉजीजियोफिजिक्स या5 वर्षीय एमएससी इंटीग्रेटेड कोर्स इन अप्लायड जियोलॉजी एक्सप्लोरेशन जियोफिजिक्स किया जा सकता है। एमएससी कोर्स के अंतर्गत अप्लायड जियोलॉजी, जियोफिजिक्स और अप्लायड जियोफिजिक्स आता है। मैरीन जियोफिजिक्स, जियो टेक्नोलॉजी, अप्लायड जियोलॉजीजियोफिजिक्स और अर्थसाइंस में एमएससी किया जा सकता है। रिसर्च करने वाले छात्र पीएचडी भी कर सकते हैं।

अप्लायड हाइड्रोलॉजी, अप्लायड जियोकेमिस्ट्री, एन्वॉयरनमेंटल जियोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स किया जा सकता है।

अवसर

जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया में भर्ती के लिए यूपीएससी जियोलॉजिस्ट एग्जामिनेशन कंडक्ट करता है। इसी एग्जाम के तहत सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड में रिक्रूटमेंट होता है। इसके लिए हाइड्रोजियोलॉजी में पीजी कर चुके स्टूडेंट्स अप्लाई कर सकते हैं। इंडियन ब्यूरो ऑफ माइंस, मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड, इंडियन मीटीऑरोलॉजिकल डिपार्टमेंट, ओएनजीसी में भी भर्ती होती है। प्राइवेट और पब्लिक सेक्टर्स और गैर सरकारी संस्थाओं में एम्प्लॉयमेंट के खूब अवसर होते हैं। जेम इंडस्ट्री, बिल्डिंग इंडस्ट्रीज, मिनरल रिसर्च, एन्वॉयरनमेंटल प्रोटेक्शन-कंजर्वेशन एजेंसी में भी जॉब के ढेरों अवसर हैं। टीचिंग, रिसर्चर के रूप में भी जियोसाइंटिस्ट कार्य करते हैं।

इंस्टीटयूट्स

- दिल्ली यूनिवर्सिटी
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी खडगपुर,

पोषण और अहारिकी में रोमांचक करियर

पोषण एवं आहारिकी का कोर्स आपको एक रोमांचक करियर प्रदान कर सकता है। गृह विज्ञान अथवा होटल प्रबंधन में डिग्री आपको पोषण एवं आहारिकी का उच्च-स्तर का ज्ञान करा सकती हैं। भारत में पारंपरिक रूप से इस क्षेत्र में वैसे तो महिलाएं ही पदार्पण करती हैं परन्तु आजकल अवसरों की अधिकता होने के कारण पुरुष भी इस क्षेत्र में करियर बनाने लगे हैंदेश में मौजूद पोषण एवं आहार से जुडी समस्याओं के नियंत्रण के लिए सामाजिक, आर्थिक एवं तकनीकी रूप से सक्षम विधिओं का विकास करना है। पोषण के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देकर भावी वैज्ञानिकों की एक पौध तैयार करना है। पोषण से जुड़े मुद्दों पर सरकार एवं अन्य स्वस्थ्य संस्थानों को समय-समय पर सलाह देते रहना है।

कैसे पाए प्रवेश- स्कूली शिक्षा खत्म करने के पश्चात आप पोषण एवं आहारिकी में स्नातक कोर्स में दाखिला ले सकती हैं पर तभी जब आपके पास इसमें दाखिले के लिए न्यूनतम अंक हों. अन्यथा इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप किसी भी प्रसिद्ध संस्थान के एक-वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकते हैं।

हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान इस क्षेत्र का सबसे प्रसिद्ध संस्थान है। यह कॉलेज पोषण में सर्टिफिकेट कोर्स तथा डिग्री कोर्स प्रदान करता है। पोषण के क्षेत्र में अनुसंधान के कारण इस कॉलेज की प्रतिष्ठा सम्पूर्ण विश्व में है। एसएनडीटी कॉलेज (मुम्बई) तथा मैंगलोर विश्वविद्यालय भी इस क्षेत्र में कोर्स संचालित करते हैं

खर्चा कितना होगा?- कॉलेज के चयन के आधार पर स्नातक कोर्स की फीस 10000 रूपये तथा इससे अधिक भी हो सकती है। डिप्लोमा कोर्स की फीस इससे हालांकि अधिक हो सकती है पर यह एक-वर्षीय कोर्स में दो वर्ष का कॉन्टेंट समाहित होने पर यह ज्यादा आकर्षित होता है।

छात्रवृत्ति- स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया व अन्य कई बैंक भारत में शिक्षा के लिए 7.5 लाख रूपये तक का ऋण व विदेश में पघई के लिए 15 लाख रूपये तक का ऋण देते हैं। यह धनराशि छात्र आसान किश्तों में अदा कर सकते हैं

रोजगार के अवसर- करियर बनाने की दृष्टि से देखें तो आज होटल, क्रूज लाइंस, अस्पताल और सरकारी स्वास्थ्य विभाग भी पोषण एवं आहारिकी विशेषज्ञ को अच्छे-खासे वेतन पर नियुक्त करते हैं. यदि आप शेल, मर्स्क जैसी शिपिंग कंपनियों अथवा उनकी सहायक कंपनियों में जॉब का अवसर प्राप्त करते हैं तो आपको विश्वभ्रमण का मौका भी मिल सकता है।

कॅरियर ऑन क्लिक

अगर अपना कंप्यूटर व इंटरनेट कनेक्शन है, तो उस पर संबंधित विषयों के प्रैक्टिस सेट डाउनलोड करके उन्हें हल करने का बार-बार अभ्यास करें। ऐसे कई सेट विभिन्न साइटों से मुफ्त मिल सकते हैं। अगर आपके पास अपना कम्प्यूटर व नेट कनेक्शन नहीं है, तो आप नजदीक के किसी साइबर कैफे में जाकर वहां इंटरनेट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

भारत में ऑनलाइन का प्रचलन तेजी से बढ रहा है। चाहे आपको चैटिंग करनी हो, टिकट की बुकिंग करानी हो या फिर बैंक से पैसे का ट्रांजैक्शन करना हो ये सभी काम आप आनॅलाइन के माध्यम से कर सकते हैं। इसकी विशेषता को देखते हुए अब ऑनलाइन एग्जाम भी देश की कई परीक्षाओं में शुरू हो गए हैं। सरल शब्दों में कहें तो ऑनलाइन एग्जाम एक नई तकनीक है, जिसमें इंटरनेट की मदद से आप परीक्षा दे सकते हैं। बस इसमें आपके पास लॉग इन आईडी व पासवर्ड की जरूरत होती है, जो सामान्यतः एडमिनस्ट्रेटर प्रदान करता है। हां तेज नेवीगेशन के लिए आपका कंप्यूटर फ्रैंडेली होना जरूरी है। इसमें इतनी आसानी रहती है कि ग्रामीण पृष्ठभूमि के लोग भी इस परीक्षा को आसानी से दे सकते हैं।

कंप्यूटर पर होते हैं एग्जाम

ऑनलाइन एग्जाम के तहत स्टूडेंट्स को परीक्षा देने शहर के किसी खास सेंटर पर जाना होता है, जहां कंप्यूटर खोलने पर उसके सामने प्रश्नों का एक सेट आ जाता है। ये प्रश्न ऑब्जेक्टिव टाइप होते हैं, जिनमें चार उत्तरों में से किसी एक को चुनना होता है। कई बार प्रश्नपत्र के एक से अधिक खंड होते हैं। इनमें से आप अपनी पसंद के अनुसार खंड चुन सकते हैं। सभी प्रश्नों को हल करने के लिए निर्धारित समय-सीमा होती है। यह सीमा खत्म होते ही पेपर अपने आप क्लोज हो जाता है। ऑनलाइन एग्जाम के लिए सेंटर पर इंस्ट्रक्टर उपस्थित होते हैं, जो कोई परेशानी होने पर उसे दूर करते हैं, लेकिन इस तरह का एग्जाम देने के लिए स्टूडेंट्स यदि कंप्यूटर पर पहले से प्रैक्टिस कर लें तो बेहतर होगा।

टेक्नोलॉजी का बेहतर रिजल्ट

परीक्षार्थियों की लगातार बढती संख्या के कारण रिटेन एग्जाम लेना कठिन होता जा रहा है। उस पर लगने वाला समय, बढते वित्तीय बोझ के कारण शिक्षा संस्थान व रिक्रू टर दोनों ही पिछले कुछ समय से नए विकल्प की तलाश कर रहे थे। ऑनलाइन एग्जाम इस मामले में उन्हें सटीक ऑप्शन देता है, जहां आप इंटरनेट पर देश-दुनिया के किसी भी संस्थान के लिए इंट्रेस एग्जाम दे सकते हैं, नौकरी के लिए इंटरव्यू दे सकते हैं, सेमेस्टर एग्जाम दे सकते हैं आदि। दूसरी ओर इसका फायदा उन संस्थानों को भी मिल रहा है, जो कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे हैं। इसके अलावा समय की बचत, किफायती व सुविधाजनक होने के नाते इन दिनों इसकी लोकप्रियता काफी बढ चुकी है।

जरूरत जैसी, एग्जाम वैसा

ऑनलाइन एग्जाम कई मायनों में फायदों का सबब बन रहा है। देखा जाए तो इसमें संस्थान व स्टूडेंट दोनों को ही काफी सुविधा होती है, क्योंकि इसमें न संस्थान को मुद्रित प्रश्नपत्रों, उत्तर पुस्तिकाओं व बडी संख्या में परीक्षकों की जरूरत होती है और न छात्रों को पेन, पेंसिल, स्केल जैसे संसाधनों की। समय की बचत होती है वो अलग से। इसके साथ इसमें एक अन्य फायदा शीघ्र रिजल्ट प्राप्त होना होता है, जहां पेपर देने के ठीक बाद आप अपना स्कोर जान सकते हैं। इसके अलावा लिखित परीक्षा में जहां एक ही तिथि में देश के विभिन्न केंद्रों पर स्टूडेंट्स के बैठने की व्यवस्था करनी होती है, वहीं ऑनलाइन टेस्ट में प्रायरू स्टूडेंट्स के लिए एक ही दिन परीक्षा देने की बाध्यता नहीं होती, क्योंकि प्रश्नपत्रों के बहुत सारे सेट होने के कारण सभी स्टूडेंट्स को एक ही दिन ऑनलाइन टेस्ट नहीं देना होता। इस तरह एक ही तिथि में परीक्षा होने के कारण बडी संख्या में स्टूडेंट्स के लिए सीटिंग अरेंजमेंट की व्यवस्था भी नहीं करनी पडती है। यही कारण है कि प्रायरू सभी परीक्षाएं ऑनलाइन हो रही है।

प्रमुख एग्जाम होते हैं ऑनलाइन

देश में आज ऑनलाइन एग्जाम की अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले कई एग्जाम मसलन, इंजीनियोरग, प्रबंधन, बी-एड, लॉ आदि तेजी से ऑनलाइन किए जा रहे हैं। यहां कुछ ऐसी ही एग्जाम व संस्थान दिए जा रहे हैं, जो ऑनलाइन हो चुके हैं

अब सीटीईटी भी ऑनलाइन

तकनीक के प्रति युवाओं के बढते रूझान को देखते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई ने इंजीनियरिंग में दाखिले के लिए होने वाले ऑल इंडिया इंजीनियरिंग इंट्रेंस एग्जाम एआईईईई के बाद अब सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट सीटीईटी को भी ऑनलाइन करने की तैयारी कर ली है। बोर्ड ने दोनों ही परीक्षाओं को प्रोफेशनल मानते हुए इन्हें कम्प्यूटर बेस्ड टेस्ट फॉर प्रोफेशनल एंट्रेस एग्जाम पीईई 2012 की श्रेणी में रखा है। पीईई के आयोजन के लिए बोर्ड ने विभिन्न एजेंसियों से आवदेन मांगे हैं, जो इनका सफल संचालन करने में सक्षम हों। गौरतलब है कि सीबीएसई ने वर्ष 2011 में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर एआईईईई को पेपर टेस्ट के साथ-साथ ऑनलाइन भी आयोजित किया था। अब न सिर्फ इसे विस्तार देने की तैयारी की जा रही है, बल्कि 26 जून को पहली बार आयोजित हुए सीटीईटी को भी बोर्ड ऑनलाइन करने की कोशिश में है। कैट के लिए आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या में हर साल करीब 40 हजार की बढोत्तरी हो रही है। ऑनलाइन व्यवस्था शुरू होने से इस परीक्षा में शामिल होने वाले आवेदकों को खासी सुविधा हो गई है। कैट के लिए जीआरई पैटर्न अपनाया गया है। सभी प्रोफेशनल परीक्षा भी ऑनलाइन हो रही है।

ऑलाइन प्रैक्टिसरल पर दें जोर

इन ऑनलाइन परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए मॉडल टेस्ट पेपर उपलब्ध हैं, जहां आप एकदम ऑनलाइन एग्जाम जैसी कंडीशन्स में मॉक टेस्ट दे सकते हैं। वे लोग जो ज्यादा कंप्यूटर सेवी नहीं है, उनके लिए ये टेस्ट और भी कारगर हैं। ऐसी कई वेबसाइट्स हैं जहां आपको विभिन्न कंपटिटिव एग्जाम के साथ सीबीएसई (पीसीएम, एसएसटी), जेएनयू, डीयू इंट्रेस के कई मॉडल टेस्ट पेपर हल करने को मिलते हैं।

ध्यान देने योग्य बातें

अगर अपना कंप्यूटर व इंटरनेट कनेक्शन है, तो उस पर संबंधित विषयों के प्रैक्टिस सेट डाउनलोड करके उन्हें हल करने का बार-बार अभ्यास करें। ऐसे कई सेट विभिन्न साइटों से मुफ्त मिल सकते हैं। ल्ल अगर आपके पास अपना कम्प्यूटर व नेट कनेक्शन नहीं है, तो आप नजदीक के किसी साइबर कैफे में जाकर वहां इंटरनेट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

वे लोग जो पहली बार ऑनलाइन पेपर दे रहे हैं, हो सकता है कि उनको यह टेस्ट देने में कठिनाई हो। ऐसे में इससे परिचित होने के लिए कंप्यूटर पर प्रैक्टिस जरूर करनी चाहिए, अन्यथा स्टूडेंट्स का प्रदर्शन 20 से 25 फीसदी तक प्रभावित हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में कोरोना को लेकर दी चेतावनी

इंटरनेशनल डेस्क।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र - विशाल क्षेत्र जिसमें करीब 1.9 अरब आबादी निवास करती है- कोविड-19 महामारी के नए चरण में प्रवेश कर गया है। विश्व संगठन ने क्षेत्रीय सरकारों से आह्वान किया कि वे समुदायों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए व्यवहार के स्तर पर एहतियाती उपायों को प्रोत्साहित करें। पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ.तकेशी कसाई ने कहा, ''यह वह चरण है जिसमें सरकारों को स्थायी रूप से संक्रमण के कई गुणा तक बढ़ने की चुनौती का सामना करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकारों को महामारी से निपटने के लिए शुरुआती निर्देशित प्रतिक्रिया नीति अपनाने, स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने और नयी परस्थितियों में सामान्य बन चुकी आदतों (मास्क पहनना, हाथ धोना) को स्वास्थ्य के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। कसाई ने कहा,''इस तरह की पहल प्रभावी होगी और सामाजिक और आर्थिक स्तर पर असर न्यूनतम होगा। क्षेत्र के देशों - ऑस्ट्रेलिया, फिलीपीन और जापान सहित- को चेतावनी दी, जहां पर 40 साल से कम उम्र के लोग वायरस का शिकार हो रहे हैं। कसाई ने कहा, '' बिना या हल्के लक्षण वाले कई लोगों को पता ही नहीं है कि वे संक्रमित हैं। इसका नतीजा होगा कि वे अनजाने में ही दूसरों को संक्रमित करेंगे।

नक्शा विवाद के बाद नया लोगो बना कर फंसा नेपाल; सांसद भड़के, देश में मचा बवाल

काठमांडू।

चीन के उकसावे में आकर नेपाल अपने ही जाल में फंसता जा रहा है। भारत के विरोध के बावजूद नया नक्शा जारी करने के बाद अब नेपाल की संसद ने नया लोगो भी बनवा कर नए विवाद को जन्म दे दिया । हालांकि, इसे लेकर गर्व होने की जगह नेता और सांसद भड़क गए हैं। सांसदों ने आरोप लगाया कि इसमें देश के नक्शे और झंडे को गलत तरीके से दिखाया गया है। इसके लिए कार्रवाई की मांग भी की जा रही है। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक यह लोगो टेक बीर मुखिया ने डिजाइन किया है और ललितपुर में लघु उद्यमियों से बनवाया गया है। संसद सचिवालय ने यह भी कहा है कि यह ऐसा इसलिए दिख रहा है क्योंकि इसे हाथ से बनाया गया है। हालांकि, सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी समेत देश के सांसदों ने इसका विरोध किया है। यहां तक कि सांसद विजय सुब्बा ने मांग की है कि ऐसा नक्शा बनाने वाले लोगों को संसद, नेपाल और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के लिए सजा दी जानी चाहिए। सांसदों का कहना है कि लोगो पर लगा झंडा फहराता हुआ नहीं है। झंडे पर चांद और सूरज मिल नहीं रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संसद सचिवालय ने इस लोगो पर करीब 20 लाख नेपाली

रुपये खर्च किए हैं। हर लोगो में एक तोला सोना चांदी लगी है और सोने की परत चढ़ी है। ऐसे कुल 684 लोगो शुक्रवार को डिलिवर किए गए हैं। वहीं, ललितपुर के उद्योगों के अध्यक्ष गणेश राउत ने माना है कि नक्शे बहुत अच्छे नहीं बने। हालांकि, उन्होंने सफाई दी है कि उन्हें ऑर्डर जल्दी डिलिवर करना पड़ा जबकि इंक को सूखने में 48 घंटे लगते हैं लेकिन उन्हें सिर्फ 12 घंटे ही मिले। उन्होंने यह भी कहा कि जल्दी डिलिवरी के दबाव की वजह से उन्होंने कम अनुभव वाले लोगों से रंग चढ़वाया।

श्रीलंका: बिजली ठप होने से अंधेरे में डूबा पूरा देश, 2016 में भी हुआ था ब्लैकआउट

इंटरनेशनल डेस्क।

श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के बाहर केरावलपीटिया स्थित बिजली घर में तकनीकी खराबी के कारण सोमवार को पूरे देश में बिजली गुल रही जिससे व्यवसाय और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्रालय ने यह भी आश्वासन दिया कि कुछ घंटों के भीतर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। राष्ट्रव्यापी ब्लैकआउट के एक घंटे के भीतर ऊर्जा मंत्री दुलास अलैहपेरुमा केरावलपीटिया पावर स्टेशन पहुंचे और बिजली बहाल करने की कोशिश कर रहे तकनीशियनों के साथ रहे। सोमवार को दोपहर के बाद कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति ठप हो गई जबकि राजधानी में विभिन्न मार्गों पर जाम लग गया। कोलंबो की सड़कों पर ना तो ट्रैफ़िक सिग्नल काम कर रहे थे और ना स्ट्रीट लाइट्स। बिजली आपूर्ति ठप हो जाने के कारण देश में अफरा-तफरी का माहौल रहा। ऐसे में पुलिस को लोगों को संभालने में काफ़ी मशक्क़त करनी पड़ी। बिजली न होने से पानी की आपूर्ति पर भी असर पड़ा। हालांकि अस्पताल और दूसरी बेहद-ज़रूरी जगहों पर पावर-बैक-अप की व्यवस्था रही। ज़्यादातर जगहों पर लोग जनरेटर का इस्तेमाल करते दिखे। बता दें कि श्रीलंका में इससे पहले वर्ष 2016 में राष्ट्रव्यापी बिजली गुल हुई थी।

ट्रम्प ने भारत के साथ संबंधों को पहले से कहीं अधिक ढ़ाया : व्हाइट हाउस अधिकारी

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के साथ अमेरिका के संबंधों को जितना बढ़ाया है और दोनों देशों के बीच साझेदारी जितनी बढ़ रही है, ऐसा पहले किसी की राष्ट्रपति के कार्यकाल में में नहीं देखा गया। व्हाईट हाउस ने इसकी जानकारी दी है। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति आगामी वर्षों में भी इस महत्वपूर्ण साझेदारी को आगे बढ़ाते रहेंगे। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने सोमवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' राष्ट्रपति ट्रम्प ने अमेरिका-भारत संबंधों को प्राथमिकता दी और पिछले साढ़े तीन वर्षों में साझेदारी के सभी पहलुओं का विस्तार करने के लिए काम किया।'' अधिकारी ने कहा, '' कोविड-19 के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण में दो देशों की लोकतांत्रिक नींव और उनके आपसी हितों को देखते हुए, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र और खुला बनाए रखने के लिए, हिंद-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र और खुला बनाए रखने के लिए, राष्ट्रपति ट्रम्प आगामी वर्षों में भी इस महत्वपूर्ण साझेदारी को बढ़ाना जारी रखेंगे।''अधिकारी ने कहा, '' ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिका के संबंध भारत के साथ बढ़ाएं और उन्हें मजबूत किया, जैसा पहले किसी अमेरिकी प्रशासन के अधीन नहीं देखा गया।'' अधिकारी ने कहा, '' राष्ट्रपति ट्रम्प की 24-26 फरवरी को भारत यात्रा के दौरान, उन्होंने और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के लिए संबंध बढ़ाए। राष्ट्रपति ट्रम्प के 26 जून 2017 को राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद व्हाइट हाउस का दौरा करने वाले पहले कुछ विदेशी नेताओं में प्रधानमंत्री मोदी शामिल थे।''

संक्षिप्त समाचार

फिलीपीन में भूकंप के तेज झटके, 1 की मौत व सड़कें-मकान क्षतिग्रस्त

मनीला। मध्य फिलीपीन में मंगलवार को आए भूकंप के तीव्र झटके से ढहे मकान में एक परिवार फंस गया, जबकि कई अन्य घरों, कम ऊंचाई वाली इमारतों और बंदरगाह को नुकसान पहुंचा है और लोगों को सुरक्षा के लिए घरों से बाहर निकलना पड़ा। मासबाते के प्रांतीय प्रशासक रेनो रेवालो के मुताबिक भूकंप के बाद सामने आई शुरुआती तस्वीरों में कैटिएगेन में सड़कों और पुलों में दरार देखी गई है। कैटिएगेन निवासी इसागानी लिबाटन ने बताया कि वह नाश्ते पर अपने एक रिश्तेदार के यहां जा रहे थे तभी धरती में कंपन होने की वजह से उनकी मोटरसाइकिल बाईं ओर झुक गई। उन्होंने एसोसिएट प्रेस को टेलीफोन के जरिये बताया, '' मैंने सोचा कि यह पहिए की वजह से है, लेकिन अचानक घरों से भयभीत लोग बाहर निकलने लगे और बिजली चली गई। लिबाटन ने बताया कि इस झटके के बाद एक और झटका आया जो काफी तेज था। रेवालो ने एबीएस-सीबीएन नेटवर्क नामक चैनल को बताया कि भूकंप की वजह से कैटिएगेन में एक तीन मंजिला इमारत गिर गई है और उसमें एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी और उनका परिवार फंस गया है। बचाव कर्मी उन्हें निकालने की कोशिश कर रहे है। उन्होंने कहा, ''लोगों को क्षतिग्रस्त मकानों में तुरंत लौटने से बचना चाहिए। फिलीपीन के ज्वालामुखी और भूकंप संस्थान ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 6.6 थी और इसका केंद्र कैटिएगेन से पांच किलोमीटर दूर सतह से 21 किलोमीटर नीचे था। इस सरकारी संस्था के प्रमुख रेनेतो सोलिडम ने कहा कि भूकंप से सुनामी का खतरा नहीं है। मध्य विसायस इलाके के कई प्रांतों में भी भूकंप का झटका महसूस किया गया।

ट्रांसजेंडर पर ट्रंप प्रशासन के विनियम को अदालत ने लागू होने से रोका

वाशिंगटन। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन द्वारा ट्रांसजेंडर लोगों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा समाप्त करने के लिए लाए गए प्रावधानों को लागू करने पर एक न्यायाधीश ने रोक लगा दी। स्वास्थ्य एवं मानवता सेवा विभाग की ओर से लाए गए नियम को मंगलवार से लागू किया जाना था। नौकरियों में एलजीबीटी समुदाय के प्रति लिंग आधारित भेदभाव पर अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के कुछ दिन बाद यह नियम लाया गया था । ब्रुकलिन की जिला अदालत के न्यायाधीश फ्रेडरिक ब्लॉक ने सोमवार को आदेश दिया कि प्रशासन इस व्यवस्था को तब तक लागू नहीं कर सकता जब तक अदालत में मामले की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती। ब्लॉक ने इंगित किया कि नौकरी में भेदभाव के इसी प्रकार के एक मामले के संबंध में जून में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले के आलोक में ट्रंप प्रशासन की ओर से लाया गया यह नियम अवैध है।

बीयर के जरिए मजबूत हो रही भारत-भूटान की दोस्ती

नेशनल डेस्क। दिल्ली के कैफे और रैस्टोरैंट्स में पीने-पिलाने के रंग-रंग के ड्रिंक्स में एक 'कटी पतंग' नामक बीयर शौकीनों द्वारा बहुत पसंद की जाती है। बॉलीवुड की बेहद लोकप्रिय फिल्म के नाम वाली यह बीयर भूटान और भारत में दोस्ती मजबूत करती आ रही है। 2018 में दिल्ली में लाई गई 'कटी पतंग' दिल्ली की ही एक फर्म द्वारा बेची जा रही है। इस बीयर के बारे में कहा जाता है कि यह 'संसार के सबसे प्रसन्न जल' से बनाई जाती है। भूटान की 2 बड़ी बीयर निर्माता कंपनियों में से एक सेरभुम ब्रुअरी इसे बनाती है। बीयर पीने के शौकीनों ने दुनिया भर की बीयर पीने के बाद भूटानी बीयर में कुछ अलग ताजगी और स्वाद पाया तो भारतीय उद्यमियों ने भूटान दौड़ लगानी शुरू कर दी। इनमें से एक हैं दिल्ली के जोशीले उद्योगपति ऋषभ रंजन। रंजन ने दिल्ली वालों को अच्छी बीयर बेचने के लिए कई देशों खासकर यूरोप की ब्रुअरियों के चक्कर लगाए। आखिर उनकी खोज समाप्त हुई भूटान में। उन्होंने सेरभुम से कोलैबोरेशन करके 'बिओर 360' बीयर बनवाई है जो पिछले महीने दिल्ली के बाजार में आ गई। 'बिओर 360' नाम के पीछे सोच यह है कि बीयर पीने वाले को धड़ाधड़ा ढेर-सी बीयर चढ़ाकर टुन्न नहीं हो जाना बल्कि थोड़ी-थोड़ी पीते हुए देर तक 'बैद्धिक बातों' में रमे रहना है। सेरभुम का आदर्श वाक्य भी तो यह है-'कम पीयो, बेहतर पीयो'। 'बिओर 360' इतनी पसंद की जा रही है कि ऋषभ रंजन दिल्ली के बाद अब गुरुग्राम और नोएडा में भी इसे ले जाना चाहते हैं। अकेले ऋषभ रंजन ही नहीं हैं जिन्होंने भूटानी बीयर में इतनी अधिक रुचि दिखाई है बल्कि सिंबा, आर्बर ब्रुइंग कंपनी और व्हाइट रैनो कंपनी भी भूटान में अपना कारोबार बढ़ाने की सोच रही हैं। सेरभुम ब्रुअरी राजधानी थिम्पू से 15 किलोमीटर दूर हौंगत्शो के मनोरम जंगल में स्थित है। ब्रुअरी यहां स्थापित करने के पीछे है यहां मिलने वाला हिमालय के झरनों का स्वच्छ एवं शुद्ध जल। कहा भी जाता है-'बीयर में जल ही सबकुछ है'। सेरभुम का भूटानी में अर्थ है स्वर्ण चषक। सेरभुम ब्रुअरी की संस्थापक सोनम लहादन ने अमरीका में पढ़ाई की और वहां बीयर उद्योग का प्रत्यक्ष अनुभव लिया। वहां से मिले अनुभव से अपने देश में उच्च कोटि की बीयर बनाने का कारखाना लगाने का विचार आया। देश में लाइसैंस वगैरह लेते हुए सात साल लग गए। सोनम ने अपने दो भाइयों को अपने साथ लिया और कारखाना स्थापित कर दिया। इनमें से एक भाई कर्मा तेनजिंग ने 'मास्टर ब्रुअर' की भूमिका संभाल ली जबकि दूसरे भाई पर कोई और जिम्मेदारी है।

शर्मनाक: जूम पर चल रही थी परिषद की वीडियो कॉन्फ्रेंस, शारीरिक संबंध बनाने लगा कपल

इंटरनेशनल डेस्क। ब्राजील में उस समय शर्मनाक स्थिति पैदा हो गई जब एक कपल जूम ऐप पर वीडियो मीटिंग के दौरान पर सेक्‍ स करते हुए लाइव हो गया।घटना रियो डी जनेरिया परिषद की बैठक के दौरान हुई। इस कपल ने अपने लैपटॉप का कैमरा बंद नहीं किया था जिससे यह पूरी घटना लाइव हो गई। बैठक की अध्‍ यक्षता सोशलिज्‍ म और लिबर्टी पार्टी के एक सदस्‍ य लिओनेल ब्रिजोला कर रहे थे । शहर की परिषद की बैठक में कोरोना संकट को देखते हुए छात्रों को खाने के गारंटी पर चर्चा हो रही थी। इस शर्मनाक के घटना के लाइव होने के बाद भी ब्रिजोला ने अपनी बैठक को जारी रखा। रियो सोशल मीडियो में शेयर किए जा रहे वीडियो फुटेज में नजर आ रहा है कि जूम पर बैठक के दौरान उसमें हिस्‍ सा लेने वाला एक शख्‍ स मीटिंग छोड़कर चला जाता है और सेक्‍ स करने लगता है। बैठक सुबह 10 बजे शुरू हुई थी। बताया जा रहा है कि यह बैठक अपने प्‍ लान के मुताबिक चल रही थी, इसी बीच उसमें शामिल एक शख्‍ स ने चर्चा करनी बंद कर दी और सेक्‍ स करने लगा। इस दौरान उसका कैमरा ऑन था।

ओबामा की पत्नी ने ट्रम्प के खिलाफ खोला मोर्चा, बोली- समय आ गया राष्ट्रपति बदलने का

इंटरनेशनल डेस्क।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी और पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा ने डोनाल्ड ट्रम्प हमारे देश के लिए गलत राष्ट्रपति हैं। मिशेल ने आगामी राष्ट्रपति चुनाव में पार्टी प्रत्याशी को औपचारिक रूप से नामित करने के लिए आयोजित डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन (डीएनसी) के शुरुअती सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प के कारण देश में मुश्किल हालात पैदा किए हैं। उल्लेखनीय है कि पार्टी का चार दिवसीय सम्मेलन विस्कोंसिन में प्रस्तावित था, लेकिन कोविड-19 की वजह से उत्पन्न हालात को देखते हुए सोमवार को डिजिटल माध्यम से शुरू हुआ। इस सम्मेलन में 55 वर्षीय सीनेटर कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के रूप में औपचारिक तौर पर नामित किया जएगा। अमेरिका में किसी प्रमुख पार्टी द्वारा एशियाई-अफ्रीकी मूल की वह प्रथम महिला होंगी जिन्हें इस पद के लिए नामित जाएगा। मिशेल ने कहा कि मैं यथा संभव ईमानदार और स्पष्ट होकर कहती हूं कि डोनाल्ड ट्रम्प हमारे देश के लिए गलत राष्ट्रपति हैं। उन्हें कई बार यह साबित करने के लिए मौका मिला कि वह काम कर सकते हैं, लेकिन वह समस्याओं को उलझाते रहे। वह मौजूदा तकाजों को पूरा नहीं कर सकते। वह ऐसे शख्स नहीं जिनकी हमें जरूरत है। यह तथ्य है। पूर्व प्रथम महिला ने अपने संदेश में कहा कि कुछ लोगों से आपने शायद ही नहीं सुना होगा किहम ऐसे देश में रह रहे हैं जो विभाजित है और मैं काली महिला हूं जो डेमोक्रेटिक पार्टी के सम्मेलन को संबोधित कर रही हूं। मिशेल ने उन अमेरिकियों को आगाह किया जो मानते हैं कि संभवत~ इससे खराब स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मेरा भरोसा कीजिए और यह करना चाहिए, अगर उन्होंने इस चुनाव में बदलाव नहीं किया तो स्थितियां और खराब होंगी। अगर इस अराजकता को खत्म करने की कोई उम्मीद है, तो हमें जो बाइडेन के लिए मतदान करना होगा क्योंकि इसपर हमारी जिंदगी निर्भर करती है। तो हमें जो बाइडेन के लिए मतदान करना होगा क्योंकि इसपर हमारी जिंदगी निर्भर करती है। गौरतलब है कि तीन नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति पद के चुनाव में 77 वर्षीय बाइडेन कामौजूदा राष्ट्रपति एवं रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प से मुकाबला होगा। मिशेल ने कहा कि चार साल पहले हुए राष्ट्रपति चुनाव में कई लोगों ने माना कि उनके मतों से कोई असर नहीं होता है या वे इस व्यवस्था से परेशान हो चुके थे। मिशेल ने कहा कि कोई भी कारण हो, उन्होंने जिसे ओवल ऑफिस के लिए चुना वह करीब 30 लाख राष्ट्रीय लोकप्रिय मतों से हार गया और हम उसके असर का सामना कर रहे हैं।

दुनिया के 41 फीसदी कोरोना मामले अमेरिका-ब्राजील में, उत्तरी कोरोलिया में स्कूल-कालेज खोलना पड़ा भारी

लॉस एंजलिस।

कोरोना महामारी से पिछले 24 घंटे में दुनिया के 213 देशों में 1.90 लाख नए मामले आए और 4073 लोगों की मौत हो गई। दुनिया भर में अब तक कुल 2.20 करोड़ से ज्यादा संक्रमण के मामले आ चुके हैं, जबकि 7 लाख 76 हजार 852 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। इस बीमारी से ठीक होने वाले मरीजों का आंकड़ा एक करोड़ 47 लाख के पार पहुंच गया है। हालांकि दुनियाभर में अभी भी 65 लाख एक्टिव केस हैं। कोरोना वायरस महामारी का सबसे अधिक प्रभाव अमेरिका में देखा जा रहा है। यहां मौतों और संक्रमितों का आंकड़ा दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है। कोरोना वायरस के सबसे ज्यादा मामले अमेरिका और ब्राजील से सामने आए हैं और सबसे ज्यादा लोग भी यहीं मारे गए हैं। दुनिया के 41 फीसदी कोरोना मामले अमेरिका और ब्राजील में हैं। यही नहीं, कोरोना से 36 फीसदी मौतें भी इन्हीं दोनों देशों में हुई है। पिछले 24 घंटे में यहां क्रमश~ 40,596 और 23,038 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि क्रमश~ 589 और 775 मौतें हुई हैं। लेकिन, पिछले कुछ दिनों से दुनिया में सबसे ज्यादा मामले भारत में बढ़ रहे हैं. इसके बाद अमेरिका और ब्राजील में सबसे ज्यादा मामले आए हैं। वहीं ब्राजील में कुल संक्रमितों की संख्या 33 लाख 63 हजार हो गई, यहां एक लाख 8 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। दोनों देशों में मृत्युदर गिरकर क्रमशः 3.09त्न और 3.23त्न हो गई है। पिछले हफ्ते लॉकडीऊन ढील के अगले चरण में कई राज्यों के स्कूल व कालेज खोलने का फैसला सरकार पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। कक्षाएं शुरु करने एक सप्ताह से भी कम समय में चैपल हिल में उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय कैंपस में कोरोना का प्रकोप देखने को मिला है । उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय में कक्षाएं शुरू करने के पहले सप्ताह के दौरान ही 130 छात्रों कोरोना संक्रमित पाए जाने दहशत फैल गई। कोरोना के नए कलस्टर की घोषणा के बाद विश्वविद्यालय ने फिर से ऑनलाइन क्लासें शुरू करने का आदेश दिया है। चांसलर केविन गुस्केविक और प्रोवोस्ट रॉबर्ट ब्लोइन ने सोमवार को घोषणा की कि कक्षाएं शुरू होने के बाद पिछले सप्ताह 130 छात्रों और पांच कर्मचारी संक्रिमत आने के बाद यह फैसला लिया गया है। अधिकारियों ने लिखा कि 10 अगस्त से 16 अगस्त के बीच विश्वविद्यालय परिसर में कोरोना के मामले 2.8 से बढ़कर 13.6त्न हो गए जो खतरे की घंटी है। बता दें कि कोरोना संक्रमण पर नजर रखने वाली वेबसाइट वर्ल्डोमीटर के मुताबिक अमेरिका में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या 18 अगस्त सुबह तक बढ़कर 56 लाख 12 हजार पहुंच गइ।

अमेरिकी कांग्रेस में पेश में प्रस्ताव: अफगानिस्तान में हिंदू और सिख 'संकटग्रस्त अल्पसंख्यक'

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस में पेश प्रस्ताव में अफगानिस्तान में रह रहे हिंदू और सिखों को 'संकटग्रस्त अल्पसंख्यक' करार देते हुए हुए इन उत्पीड़ित धार्मिक समुदायों को अमेरिका में बसाने की मांग की गई है। अमेरिकी संसद के निम्न सदन प्रतिनिधि सभा में पेश प्रस्ताव में सांसद जैकी स्पीयर और अन्य सात सह प्रायोजक सदस्यों ने कहा कि उनका प्रस्ताव अफगानिस्तान के हिंदुओं और सिखों को शरणार्थी सुरक्षा देने का समर्थन करता है और समुदाय के सदस्यों द्वारा सामना किए जा रहे ''संस्थागत धार्मिक उत्पीड़न, भेदभाव और अस्तित्व के खतरे को रेखांकित करता है।'' प्रस्ताव में कहा गया, '' हिंदू और सिख अफगानिस्तान के मूल निवासी हैं लेकिन संकटग्रस्त अल्पसंख्यक है।'' इस प्रस्ताव में अमेरिकी आव्रजन और राष्ट्रीय अधिनियम के तहत शरणार्थी कार्यक्रम के जरिये अफगानिस्तान के हिंदुओं और सिखों को अमेरिका में बसाने का समर्थन किया गया है। अफगानिस्तान में हिंदुओं और सिखों की सुरक्षा के प्रति चिंता जताते हुए प्रस्ताव में इन समुदायों के खिलाफ सभी आतंकवादी हमलों, धार्मिक उत्पीड़न और भेदभाव की निंदा की गई है। प्रस्ताव में इस्लामी आतंकवादियों द्वारा 25 मार्च को गुरुद्वारे पर किए गए हमले में चार साल की बच्ची सहित 25 लोगों की मौत का जिक्र करते हुए कहा गया कि पीड़ितों के अंतिम संस्कार से पहले और बाद में सिखों पर और भी हमलों के प्रयास किए गए। प्रस्ताव में एक जुलाई 2018 को इस्लामिक स्टेट-खोरासान द्वारा जलालाबाद में किए गए हमले का भी जिक्र किया गया है जिसमें सिख और हिंदु समुदाय के सदस्यों सहित 19 लोगों की मौत हुई थी।

अमेरिकी कांग्रेस में अफगानिस्तान के 'संकटग्रस्त अल्पसंख्यक हिंदू-सिखों को लेकर प्रस्ताव पेश

वाशिंगटन।

अमेरिकी कांग्रेस में पेश प्रस्ताव में अफगानिस्तान में रह रहे हिंदू और सिखों को 'संकटग्रस्त अल्पसंख्यक करार देते हुए हुए इन उत्पीड़ित धार्मिक समुदायों को अमेरिका में बसाने की मांग की गई है। अमेरिकी संसद के निम्न सदन प्रतिनिधि सभा में पेश प्रस्ताव में सांसद जैकी स्पीयर और अन्य सात सह प्रायोजक सदस्यों ने कहा कि उनका प्रस्ताव अफगानिस्तान के हिंदुओं और सिखों को शरणार्थी सुरक्षा देने का समर्थन करता है और समुदाय के सदस्यों द्वारा सामना किए जा रहे ''संस्थागत धार्मिक उत्पीड़न, भेदभाव और अस्तित्व के खतरे को रेखांकित करता है। प्रस्ताव में कहा गया, '' हिंदू और सिख अफगानिस्तान के मूल निवासी हैं लेकिन संकटग्रस्त अल्पसंख्यक है। इस प्रस्ताव में अमेरिकी आव्रजन और राष्ट्रीय अधिनियम के तहत शरणार्थी कार्यक्रम के जरिये अफगानिस्तान के हिंदुओं और सिखों को अमेरिका में बसाने का समर्थन किया गया है। अफगानिस्तान में हिंदुओं और सिखों की सुरक्षा के प्रति चिंता जताते हुए प्रस्ताव में इन समुदायों के खिलाफ सभी आतंकवादी हमलों, धार्मिक उत्पीड़न और भेदभाव की निंदा की गई है। प्रस्ताव में इस्लामी आतंकवादियों द्वारा 25 मार्च को गुरुद्वारे पर किए गए हमले में चार साल की बच्ची सहित 25 लोगों की मौत का जिक्र करते हुए कहा गया कि पीड़ितों के अंतिम संस्कार से पहले और बाद में सिखों पर और भी हमलों के प्रयास किए गए। प्रस्ताव में एक जुलाई 2018 को इस्लामिक स्टेट-खोरासान द्वारा जलालाबाद में किए गए हमले का भी जिक्र किया गया है जिसमें सिख और हिंदु समुदाय के सदस्यों सहित 19 लोगों की मौत हुई थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नवागंतुक जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने किया कार्यभार ग्रहण

रायबरेली (संदीप मौर्य)

जनपद के नवागंतुक जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने आज कलेक्ट्रेट स्थित ट्रेजरी मे विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। छत्तीसगढ़ बिलासपुर के रहने वाले जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव इससे पूर्व पीलीभीत, अम्बेडकर नगर, मऊ जनपदों के

जिलाधिकारी सहित निदेशक स्वास्थ्य आदि कई महत्वपूर्ण पदो पर रह चुके है। जिलाधिकारी ने हिन्दी एमए कर चुके है जिसमें उन्होंने गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। पढ़ाई के दौरान जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने गणित में 100 में से 100 अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी रहे है।

जिलाधिकारी ने बचत भवन के सभागार मे आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही लाभ परक योजनाओं को कोविड–19

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव व रोकथाम एवं जागरूकता के साथ ही अंतिम छोर में बैठे गरीब पीड़ित व्यक्ति को शासन की सुविधाओं से लाभान्वित करना न्याय दिलाने के साथ ही जनपद में कानून व्यवस्था, शासन की

> कोविड–19 कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत विकास कार्यो गुणवत्तायुक्त युद्धस्तर व समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जायेगाः वैभव श्रीवास्तव

योजनाओ व संकल्पों के अनुरूप आमजन को लाभ दिलाना, जनता की समस्याओ का निराकरण के साथ ही विकास की धारा को अन्तिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक पहुचाये जाने की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमताओ पर जांच कर नियमानुसार कार्यवाही होगी। जनपद के विकास कार्यो गुणवत्तायुक्त युद्धस्तर व समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाएगा। शासकीय कार्यो में शिथिलता, लापरवाही बरतने वाले अधिकारी/कर्मचारियों के विरूद्ध भी कठोर कार्यवाही की जायेगी। टीम भ.ावना से कार्य कराये जायेंगे तथा अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखकर उनके विरूद्ध कार्यवाही भी की जायेगी। प्रेस प्रतिनिधियों द्वारा बताया गई समस्याओं सई नदी का पुल जर्जर तथा कई मार्गो की दशा खराब है जिसे नियामानुसार दुरूस्त कराने की कार्यवाही की जायेगी।

डीएम ने कहा कि कोविड–19 कोरोना वायरस के संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन कराना सोशल डिस्टेसिंग व मास्क का प्रयोग कराते हुए कार्य को करना व कोविड–19 के संक्रमण की चैन को तोड़ना व मरीजों में कमी लाना है। शिकायतों व आई0जी0आर0एस0 की समस्याओं पर विशेष ध्यान देकर उसका गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण कराया जायेगा। प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से सजीदा है जिसमें शीर्ष प्राथमि.कताओं के साथ समस्याओं पर ध्यान देने के साथ ही जन कल्याणकारी योजनाओं कों जन–जन तक पहुचना व लाभ पहुचना मेरी शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक होगी। कार्यभार ग्रहण करने व बचत भवन में प्रेस वार्ता के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक गोयल, अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रेम प्रकाश उपाध्याय,

अपर जिलाधिकारी प्रशासन राम अभिलाष, नगर मजिस्टेऋट युगराज सिंह, एडी सूचना

प्रमोद कुमार सहित बड़ी संख्या में मीडिया बन्धु उपस्थित थे।

2022 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का लिया संकल्प

अलीगढ़ (एजेसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवा संदेश को समा.जवादी पार्टी यूथ ब्रिगेड के मह.ानगर उपाध्यक्ष मौ मोहसिन मेवाती के नेतृत्व में जनपद अलीगढ़ कोल

में वार्ड नंबर 63 के अंतर्गत नई अबादी,मंदिर वाली गली एवं मौ नगर में साइकिल चला कर यूथ ब्रिगेड के साथियों के साथ वितरण किया गया एवं समाजवादी द्वारा आवान पत्र व मास्क वितरण किये गए विकास कार्यों तथा समाजवादी नीतियों को जन–जन तक पहुँचाया गया एवं 2022 में पुनः अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी यूथ ब्रिगेड के महानगर सदस्य शादाब ठाकुर ,आरिफ सिद्दीकी,मौ अदनान,शाजेब मेवाती, इंजमाम मेवाती,अनस चौधरी,मो सलीम, सलीम खा, मो रफी,रमन भाई,सलमान,उम्र अबासी,अरमान, नासरीन जहाँ,रानी,जरीन,जुबैर , आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

सार–समाचार

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि मनाई गई

कानपुर । कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड कानपुर नगर ग्रामीण द्वारा मां शेरावाली शिव मंदिर हरदेव नगर मैं देश की आजादी के नायक रहे नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की पूर्ण तिथि मनाई गई कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सुशील सोनी ने बताया कि'' तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा'' और जय हिंद का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया ।

कानपुर नगर के नौबस्ता थाना क्षेत्र में रहने वाले ज्वेलर्स व्यापारी ने गोली मारकर की आत्महत्या।' लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मारकर की आत्महत्या सूचना मिलने पर मौकें पर पहुंची नौबस्ता पुलिस घर पर मचा कोहराम – कारणों का लगाया जा रहा पता।

कानपुरः– थाना किदवईनगर पुलिस टीम द्वारा 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर कब्जे से 04 बोरी गांज 51 कि0ग्रा0, 2,61,152/–रूपये, 10 अदद कारतूस 7.56 बोर, 10 अदद कैंची व 08 अदद मोबाइल फोन वा 2 प्रेस कार्ड बरामद किया गया। एसपी दक्षिण दीपक भूकर ने प्रेस वार्ता में बताया कि कार्ड की खोजबीन हो रही है कि बरामद हुआ कार्ड किसी संस्था से है भी या फर्जी है।

कानपुर वाहन चेकिंग के दौरान टॉप टेन अपराधी ज्ञानू राजपूत को पनकी पुलिस ने किया गिरफ्तार। आपको बता दे कि पनकी थानांतर्गत आने वाले क्षेत्र सरायमीता से पुलिस ने ज्ञानू नज़्म के अपराधी को अपने शिकंजे में ले लिया ।अपराधी ज्ञानू के पास से 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया।

पुलिस ने अपराधी ज्ञानू पर कार्यवाही करते हुए जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया।

कानपुर दिनांक 18.8.20 को एस पी ट्रैफिक बसन्त लाल ने शहर के प्रमुख चौराहों के निरीक्षण के दौरान टाटमिल चौराहे पर रोड क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण यातायात में आ रही कठिनाई के निराकरण हेतु संबंधित विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनाने का काम शुरू

अलीगढ़ (एजेसी)। कोरोना के चलते परिवहन विभाग के संभागीय कार्यालय में बंद हुआ लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनने का काम फिर से शुरू हो गया है। मगर, अब हर दिन सिर्फ 40 लाइसेंस ही बनेंगे।कोरोना के चलते भीड़ को रोकने के लिए यह व्यवस्था शासन स्तर से की गई है।

एआरटीओ प्रशासन रंजीत सिंह के मुताबिक शासन की ओर से अलीगढ़ में पहले हर दिन 200 लर्निंग लाइसेंस बनाने के लिए स्लॉट बुकिंग की व्यवस्था की गई थी। मगर, अब कोरोना के चलते इसे सिर्फ 40 आवेदन प्रतिदिन कर दिया गया है।सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के लिए यह कदम उठाया गया है।

पुराने आवेदकों को फिर से फीस जमा नहीं करनी है।उनकी पुरानी फीस पर ही नया स्लॉट बुक कर टेस्ट का समय और दिन मोबाइल पर संदेश भेजकर बता दिया जाएगा।

इसके बाद भी किसी को कोई समस्या आती है तो वह ड्राइविंग लाइसेंस की जानकारी लेने के लिए टोल फ्री नंबर 18005723363 पर फोन कर सकता है।फोन करने पर आवेदकों को लाइसेंस संबंधी सभी जानकारी मिल जाएंगी।

कौड़ियो के भाव बेंच दी उद्यान विभाग की सरकारी जमीन

रायबरेली(संदीप मौर्य)

कागज के टुकड़ों पर बेची गई उद्यान विभाग की सरकारी जमीन बड़ी–बड़ी इमारतें भले बन गई हो लेकिन राजस्व अभिलेखों में आज भी उद्यान विभाग दर्ज है भू माफियाओं के दोहरे चरित्र के जाल में फंसे सरकारी जमीन खरीदने वालों की गर्दन पर कानून की तलवार लटक रही है करोड़ों के इस खेल में तहसील प्रशासन ने भी अपना उल्लू सीधा किया जिससे बेरोक टोंक तरीके से बस्ती आबाद हो गई

उद्यान विभाग बेखबर

सरकारी भूमि पर बने आशियाने

चोर बाजारी में शामिल तहसील प्रशासन

मामला महाराजगंज तहसील के शिवगढ़ का है जहां स्थित उद्यान विभाग की सरकारी जमीन का अधिकांश भाग बड़ी चालाकी से कागज की पर्चियों पर भू माफियाओं ने कौड़ियों के भाव बेंच दी है सरकारी जमीन खरीदने वालों ने उद्यान विभाग की भूमि संख्या 272 ख 67 व 268व 269 ख 270 अंगा लोग आशियाने बना लिए हैं करोड़ों रुपए की सरकारी जमीन बिक गई उस पर इमारतें खड़ी हो गए उद्यान विभाग को आज भी कानो कान खबर नहीं है शिकायतकर्ता राजकिशोर बाजपेई निवासी शिवगढ़ ने प्रदेश के मुख्यमंत्री और प्रमुख सचिव और राजस्व को पत्र भेजकर संपूर्ण प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है उन्होंने आरोप लगाया है कि भू माफियाओ द्वारा बेंची गई उद्यान विभाग की सरकारी जमीन में उद्यान विभाग की मिलीभगत भी हो सकती है क्योंकि सरकारी जमीन पर मकान बन गए न उद्यान विभाग की ओर से कोई रोक लगाई गयी न ही तहसील प्रशासन कोई अवरोध किया है यह बात अलग है कि मामले का भंडाफोड़ होने पर दोनों सरकारी विभाग अपना पल्लू झाड़ ले शिकायत कर्ता श्री बाजपेयी ने यह भी कहा कि उद्यान विभाग में तैनात चौकीदार खुशीराम निवासी ढकवा ने भी उद्यान की जमीन

> यह प्रकरण मेरे संज्ञान में नही है यदि उद्यान की जमीन पर अतिक्रमण हुवा है तो इसकी जांच कराकर कार्यवाही की जायेगी
>
> **केशव राम चौधरी जिला उद्यान अधिकारी रायबरेली**

पर पिपरी रोड पर अपना निजी मकान बनवा लिया है हैरतअंगेज बात तो यह है कि 24 बीघे वाला उद्यान विभाग अब मात्र 16 बीघे में सिमट कर रह गया है उन्होंने जिलाधिकारी से इस प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है

कानपुर जिला कारागार में दी कोरोना ने दस्तक

कानपुर(मुकेश यादव)

जिले में कोरोना का कहर थम नहीं रहा है। सोमवार को नौ संक्रमितों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मरने वालों में दो महिलाएं और सात पुरुष हैं। 147 कोरोना पॉजिटिव आए हैं। इसके साथ ही कोरोना ने जिला कारागार में भी दस्तक दे दी है। सोमवार को चार कर्मचारी, दो बंदी रक्षक और 34 बंदी संक्रमित मिले। जिले में कोरोना पॉजिटिव 10993 हो गए हैं, उसमें से 333 की मौत हो चुकी है, जबकि 6474 स्वस्थ हो चुके हैं। अब एक्टिव केस 4186 हो गए हैं।

सीएमओ डॉ. अनिल कुमार मिश्रा के मुताबिक कोरोना से नौ मरीजों की मौत हुई है, उसमें दो महिलाएं भी हैं। मंधना निवासी 65 वर्षीय महिला और प्रमोद निवासी 75 वर्षीय महिला हैं, जो हाइपरटेंशन, हाइपोथायरॉइडिज्म और निमोनिया से पीडित थीं। इसी तरह कौशलपुरी निवासी 78 वर्षीय पुरुष, लाजपत नगर निवासी 71 वर्षीय पुरुष, माल रोड निवासी 68 वर्षीय पुरुष, रतनलाल नगर निवासी 57 वर्षीय पुरुष, यशोदा नगर निवासी 60 वर्षीय पुरुष, हंसपुरम निवासी 59 वर्षीय पुरुष व लाल बंगला निवासी 29 वर्षीय युवक हैं, जो मधुमेह हाइपरटेंशन किडनी की बीमारी से पीडित थे। इनमें से छह की मौत हैलट अस्पताल, एसपीएम हॉस्पिटल व जीटीबी हॉस्पिटल में एक–एक में हुई है। वहीं, दिल्ली के मैक्स अस्पताल में भर्ती मरीज ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

जेल में दो बंदी रक्षकों समेत 40 संक्रमत

जिला जेल में दो बंदी रक्षकों समेत 40 अन्य कर्मियों के संक्रमित होने से खलबली मच गई है। बंदियों को जेल में ही आइसोलेट किया गया है। साथ ही जेल में अस्थायी कोविड अस्पताल बनाने का फैसला किया गया है। जेल में कोरोना का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए चौबेपुर में अस्थायी जेल बनाई गई है। यहां 14 दिन तक रखने के बाद ही बंदियों को जिला कारागार भेजा जा रहा था।

इतना ही नहीं जिला कारागार में नए आने वाले बंदियों को पहले दो बैरकों में पांच और नौ दिन रखकर पुराने बंदियों के पास तक भेजा जाता है। जेल में 14 अगस्त को एक बंदी की तबीयत बिगड़ी और उसके संक्रमित होने की पुष्टि हुई। इसके बाद हुई जांच में 40 और लोग पॉजिटिव निकले। इसमें 34 बंदी हैं, जबकि चार रीडर और दो बंदी रक्षक हैं। कारागार महानिदेशक आनंद कुमार ने बताया कि जिला कारागार में बंदी, बंदी रक्षक व कर्मचारियों समेत 40 कोरोना संक्रमित मिले हैं। संक्रमण को काबू में करने की कोशिश हो रही है। शहर के बड़े कारोबारी भी संक्रमित जेल में बंद शहर के एक बड़े कारोबारी जिन्हें पिछले दिनों ईडी ने गिरफ्तार किया था, वह भी कोरोना की चपेट में आ गए हैं। उन्हें शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराए जाने की सूचना है। जेल में इस समय 2500 से अधिक बंदी और 200 से अधिक बंदी रक्षक व जेल स्टाफ हैं।

जिलाधिकारी गूगल मीट से की कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक

उन्नाव ब्यूरो रिपोर्टःप्रकाश शुक्ला

जिलाधिकारी श्री रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में कल देर शाम गूगल मीट के माध्यम से कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यो की समीक्षा बैठक का ऑनलाइन आयोजन किया गया। समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने राजस्व वादों (भू राजस्व अधिनियम तथा जमींदारी उन्मूलन अधिनियम निस्तारण का विवरण ।), राजस्व वर्ष, स्टाम्प वादों के निस्तारण का विवरण, जमींदारी अधिनियम की धारा–198 ए के अन्तर्गत की गयी कार्यवाही, कृषि भूमि का आवंटन, आवास स्थल आवंटन की प्रगति का विवरण, विभिन्न न्यायालयों में दायर वादों का निस्तारण, आवासीय भूमि का आवंटन, पोखरों के आवंटन की प्रगति, कुम्हारी कला, वृक्षारोपण, चकमार्गो/सार्वजनिक भूमि के अतिक्रमण, पोखरों, झीलों, कुओं से अवैध कब्जा हटाने, कृषि भूमि के पट्टों से अवैध कब्जेदारों को हटाकर वास्तविक पट्टेदारों को कब्जा दिलाने, खतौनी का कम्प्यूटरीकरण, कृषक दुर्घटना बीमा योजना, विवरण राजस्व अभिलेखागार आदि बिंदुओं पर समीक्षा की गयी। उन्होंने आबकारी अधिकारी को प्रतिदिन की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए तथा नगर मजिस्ट्रेट श्री चंदन पटेल को मंडी चेक कराने, अभिलेखागार में जल्द से जल्द पत्रावलियां दाखिल करवाने हेतु निर्देशित किया। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) श्री राकेश गुप्ता को वादों का निस्तारण कराने हेतु निर्देशित किया।

सोनिक मे मिला युवक का शव

उन्नाव ब्यूरो रिपोर्टःप्रकाश शुक्ला

फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र में शनिवार को डूबे युवक का शव सोमवार सुबह सोनिक रेलवे स्टेशन स्थित नहर पुल के पास झाड़ियों में मिला। सूचना पर पहुंचे पिता ने उसकी पहचान अपने बेटे के रूप में की। युवक की मौत पर स्वजन में कोहराम मच गया। उसके साथ डूबे दूसरे युवक का शव शनिवार को ही मिल गया था, जबकि इसकी तलाश एसडीआरएफ कर रही थी।

शनिवार शाम फतेहपुर चौरासी के तकिया के पास चौधरी खेड़ा स्थित शारदा नहर में चार दोस्त नहाने गए थे। जिसमें तेज बहाव के चलते दो युवक डूब गए थे। इसमें सैंता निवासी शादाब का शव कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने उसी दिन खोज लिया था। लेकिन विजय का कुछ पता नहीं चल सका था। इसके बाद रविवार को एसडीएम की मांग पर लखनऊ से एसडीआरएफ की 12 सदस्यीय टीम आई थी। टीम ने रविवार सुबह करीब 11 बजे नहर में रेस्क्यू कर युवक की खोज शुरू की थी, लेकिन युवक नहीं मिला था। इसके बाद टीम रात में बांगरमऊ कोतवाली में रुकी और सोमवार सुबह फिर से रेस्क्यू शुरू किया। कुछ समय बाद जब जानकारी मिली कि एक युवक का शव अजगैन कोतवाली क्षेत्र के सोनिक रेलवे स्टेशन के पास शारदा नहर की पुरवा ब्रांच पुल के पास झाड़ियों में फंसा मिला है, तो उसके पिता ने वहां जाकर देखा। पिता ने दिवंगत की पहचान अपने बेटे विजय के रूप में की। पिता ने बताया कि विजय उन्नाव में बेकरी की दुकान चलाता था और वे उसके कारोबार में हाथ बटाते थे। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। बेटे की मौत पर पिता के अलावा अन्य स्वजनों का रो–रोकर बुरा हाल रहा

7 साल से बेकार बनकर खड़ा गुजैनी जोनल पंपिंग

कानपुर जन जागृति मंच के अध्यक्ष द्वारा हमारे रिपोर्टर शिव कुमार मिश्रा को बताया कि पिछले 7 वर्ष से 3,77. 79 करोड़ रुपए की लागत से बना खड़ा गुजैनीद्य जोनल पंपिंग स्टेशन सफेद हाथी सिद्ध हो रहा हैद्य जल निगम द्वारा प्लास्टिक की घटिया पाइपलाइन बिछाए जाने के कारण प्रेशर से पानी चलते ही लाइने फट जाती हैंद्य बताया की जेएन एनयूआरएम योजना के तहत उपरोक्त जोनल पंपिंग स्टेशन गुजैनी एफ ब्लॉक पार्क में बना दिया गया और पार्क का अस्तित्व ही समाप्त हो गया संयोग से इसी पार्क में केडीए द्वारा बनवाया गया भव्य एवं आलीशान स्कूल शिक्षा विभाग और केडीए की उपेक्षा के कारण बगैर खुले ही गिर गया नगर निगम द्वारा स्कूल भवन के स्थान पर पार्क बना दिया गया! मैंने उस समय हल्ला मचाया कि स्कूल के मलबे से ठेकेदार पार्क में पाथवे आदि बना रहा है! तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी से मेरे द्वारा शिकायत किए जाने पर औपचारिकता पूरी कर मलबे के नाम पर थोड़ा रुपया शिक्षा विभाग में जमा करा लिया गया जल निगम द्वारा बनाया गया

जोनल पंपिंग स्टेशन यदि पूरी क्षमता से चल जाए तो तीसरी मंजिल पर क्षेत्र में स्वच्छ पानी आसानी से मिल जाएगा! कितनी विडंबना है कि संपूर्ण दक्षिण को पानी सप्लाई करने वाला गुजैनी वाटर वर्क्स होने के बावजूद क्षेत्र में पानी का संकट हमेशा बरकरार रहता है! गुजैनी जोनल पंपिंग स्टेशन का कार्य वर्ष नवंबर 2009 से शुरु होकर वर्ष जुलाई 2013 में इस कार्य का समापन हुआ ! जल निगम द्वारा इसे बनवाया गया नोडल विभाग नगर निगम रहा जोनल पंपिंग स्टेशन गुजैनी सप्ताह में दो तीन बार ही चलाया जाता है!

और चलाते ही जगह जगह पाइप लाइन फट जाती है पूरी गुजैनी की सड़कें जल निगम द्वारा डाली गई घटिया पाईप लाईनों के कारण खराब हो गई!

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लोकतंत्र में हेर-फेर नहीं होने देंगे, फेसबुक को लेकर हर भारतीय पूछे सवालः राहुल गांधी

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर फेसबुक और व्हाट्सएप को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फेक न्यूज और हेट स्पीच के मामलों में फेसबुक की भूमिका पर हर भारतीय को सवाल पूछना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि हम कभी भी फेक न्यूज, हेट स्पीच और पक्षपात के जरिए मेहनत से पाए गए लोकतंत्र को नुकसान पहुंचने नहीं देंगे। उन्होंने पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा ज़ुकरबर्ग को लिखे ईमेल को शेयर करते हुए ट्वीट किया कि हम पक्षपात, फेक न्यूज और हेट स्पीच के जरिए बहुत मुश्किल से हासिल किए गए अपने लोकतंत्र में छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं कर सकते। कांग्रेस नेता ने लिखा कि वॉल स्ट्रीट जनरल के खुलासे पर हर भारतीय को सवाल पूछना चाहिए। वहीं इससे पहले राहुल गांधी ने ट्वीट कर आरोप लगाया था कि भारत और आरएसएस का भारत में फेसबुक और वॉट्सऐप पर कब्जा है। वे इसके जरिये फेक न्यूज और नफरत फैलाने का काम करते हैं, वे इसका इस्तेमाल मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए करते हैं। वहीं प्रियंका गांधी ने भी फेसबुक पोस्ट में लिखा था कि बीजेपी के नेता गलत जानकारी और नफरत फैलाने के लिए फेसबुक का इस्तेमाल कर रहे हैं। गौरतलब है कि पूरा विवाद अमेरिकी अखबार 'वाल स्ट्रीट जर्नल की ओर से शुक्रवार को प्रकाशित रिपोर्ट के बाद आरंभ हुआ। पूरा विवाद अमेरिकी अखबार 'वाल स्ट्रीट जर्नल की ओर से शुक्रवार को प्रकाशित रिपोर्ट के बाद आरंभ हुआ। इस रिपोर्ट में फेसबुक के अनाम सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि फेसबुक के वरिष्ठ भारतीय नीति अधिकारी ने कथित तौर पर सांप्रदायिक आरोपों वाली पोस्ट डालने के मामले में तेलंगाना के एक भाजपा विधायक पर स्थायी पाबंदी को रोकने संबंधी आंतरिक पत्र में दखलंदाजी की थी। प्रकाशित रिपोर्ट के बाद आरंभ हुआ। इस रिपोर्ट में फेसबुक के अनाम सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि फेसबुक के वरिष्ठ भारतीय नीति अधिकारी ने कथित तौर पर सांप्रदायिक आरोपों वाली पोस्ट डालने के मामले में तेलंगाना के एक भाजपा विधायक पर स्थायी पाबंदी को रोकने संबंधी आंतरिक पत्र में दखलंदाजी की थी।

चरवाहे की पिटाई का वीडियो वायरल मामला, रियासी में बंद, किश्तवाड़ में प्रदर्शन

जम्मू। जम्मू के रियासी जिले में चरवाहे की पिटाई मामले को लेकर बंद का आयोजन किया गया है जबकि इसी मामले को लेकर किश्तवाड़ में जोदार प्रदर्शन किया गया। वहीं किश्तवाड़ में पूर्ण रूप से बंद है। यह मामला सांप्रदायिक रंग लेता जा रहा है। कथित तौर पर इस मामले में एक बहुसंख्यक समाज के व्यक्ति ने अल्पसंख्यक समाज की भावनाओं को आहत करने वाला बयान जारी किया है। उक्त व्यक्ति को हांलाकि पुलिस ने हिरासत में ले लिया है पर इस मामले में अभी भी अल्पसंख्यक समाज का गुस्सा बरकरार है आरोप है कि सतपाल शर्मा नाम के व्यक्ति ने एक चरवाहा पिटाई वीडियो मामले में एक और वीडियो जारी किया और उसमें उसमें मुस्लिम समाज की भावनाओं को आहत करने वाला बयान जारी किया।जानकारी के अनुसार जिले में सभी दुकानदारों ने विरोध स्वरूप् अपनी दुकानें बंद रखी। किश्तवाड़ में बंद का अहावान मजलिस-ए-शुरा ने किया था।किश्तवाड़ और रियासी में कफर्यू लगा दिया गया है। आपको बता दें कि यह सारा मामला उस समय प्रकाश में आया जब एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कुछ लोग एएक चरवाहे को पीट रहे हैं। आरोप ळै कि यह लोग खुद को समाजसेवक बता रहे थे और चरवाहे पर आरोप लगा रहे थे कि वो गोवंश के जानवरों की तस्करी करता है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और कुछ लोगों को इस मामले में गिरफतार किया गया।

कोरोना से दिल्ली पुलिस इंस्पेक्टर का निधन, राजधानी में अब तक 16 पुलिसकर्मियों की मौत

नेशनल डेस्क। दिल्ली पुलिस के पीसीआर में तैनात निरीक्षक संजय शर्मा का कोरोना संक्रमण के कारण मंगलवार सुबह निधन हो गया। पुलिस के अनुसार शर्मा का सुबह 7.45 बजे निधन हो गया। वह 1997 बैच के निरीक्षक थे। पिछले कुछ दिनों से शर्मा कोरोना वायरस से संक्रमित थे और वसंत कुंज स्थित एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। सोमवार शाम से उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। दिल्ली पुलिस में कोरोना से यह दूसरे निरीक्षक की मौत है। इससे पहले स्पेशल सेल में तैनात निरीक्षक संजीव कुमार की कोरोना से मौत हो चुकी है। दिल्ली में अब तक 16 पुलिसकर्मियों की कोरोना से मौत हो चुकी है। गौरतलब है कि कोरोना महामारी के दौरान अग्रिम पंक्ति में काम करने वाले दो हजार से अधिक पुलिसकर्मी कोरोना संक्रमित हुए हैं जिनमें से ज्यादातर स्वस्थ होकर काम पर लौट आए हैं।

जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में पुलिस ने मानसिक रोगी को मुक्त कराया

जम्मू। पुलिस ने जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में कथित तौर पर अगवा की गयी और बलात्कार पीड़ित 35 वर्षीय एक मानसिक रोगी को मुक्त करा लिया गया तथा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता की मां ने रविवार को विजयपुर थाने में शिकायत दर्ज करायी कि मानसिक रुग्णता की शिकार उनकी बेटी को सुमित चौधरी नामक व्यक्ति ने अगवा कर लिया और उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस के अनुसार थाने में मामला दर्ज किया गया और अपहृत महिला को तलाशा जाने लगा। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस टीम को यह महिला विजयपुर शहर में मिली और उसके तीन घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद महिला को परिवार के पास सुरक्षित पहुंचा दिया गया। मामले की जांच की जा रही है।

दिल्ली में नया संकट! ठीक होने के बाद दोबारा कोरोना पॉजिटिव हो रहे मरीज

नेशनल डेस्क। देश की राजधानी दिल्ली जहां एक तरफ कोरोना मरीजों के स्वस्थ होने की दर आंशिक सुधार के साथ फिर से 90 फीसदी के पार पहुंच गयी है तो वहीं दूसरी तरफ यहां नई मुश्किलें आ खड़ी हो गई है। राज्य के कुछ अस्पतालों की मानें तो कोरोना वायरस से ठीक हो चुके मरीज अब फिर से संक्रमित हो रहे हैं। दिल्ली सरकार द्वारा संचालित राजीव गांधी सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल के अनुसार कोरोना से ठीक हो चुके दो मरीजों में दोबारा संक्रमण पाया गया है। द्वारका के आकाश हेल्थकेयर अस्पताल से भी ऐसा ही मामला सामने आया है लेकिन दुख इस बात है कि इस बार संक्रमण से मरीज की मौत हो गई। दिल्ली स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा है कि दिल्ली का स्थान सर्वाधिक रिकवरी दर वाले राज्यों में है। बता दें कि यहां जुलाई की तुलना में अगस्त में कोविड-19 की कम जांच हुई। सरकार का कहना है कि संक्रमण के मामले घटने के कारण जांच भी घटी है। दिल्ली में एक से 15 अगस्त के बीच कोविड-19 की 2.58 लाख जांच की गयी जबकि समान अवधि में जुलाई में 3.13 लाख जांच हुई थी। दिल्ली में 16 से 31 जुलाई के बीच 2.96 लाख से ज्यादा जांच हुई ।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बारामूला हमले में शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को केंद्र शासित प्रदेश के बारामूला जिले में एक आतंकवादी हमले में शहीद हुए तीन सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि सिन्हा ने शहीद हुए जवानों के परिवारों के साथ अपनी एकजुटता और संवेदना व्यक्त की तथा दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। बारामूला जिले में लश्कर ए तैयबा के आतंकवादियों द्वारा किए गए आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी और सीआरपीएफ के दो जवानों के शहीद होने के बाद सुरक्षाबलों ने हमलावरों का पीछा किया और मुठभेड़ में उनमें से दो को मार गिराया। पुलिस ने कहा कि अंतिम रिपोर्ट मिलने तक तीसरे आतंकवादी के खिलाफ अभियान जारी था। जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कहा कि मारे गए वह उत्तरी कश्मीर में लश्कर ए तैयबा का शीर्ष आतंकवादी तथा जम्मू कश्मीर के 10 शीर्ष आतंकवादियों में से एक था।

भरभराकर गिरा 2 मंजिला मकान, 1 की मौत 2 घायल, मलबे में दबी एक महिला लड़ रही जिंदगी से जंग

जबलपुर। जबलपुर में हो रही मूसलाधार बारिश से शहर का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। जहां एक तरफ बारिश से नदिया नाले उफान पर हैं और सारे का सारा शहर पानी पानी हुआ है, वहीं थाना हनुमानताल अन्तर्गत मंगलवार एक पुराना 2 मंजिला मकान भरभरा कर गिर पड़ा । इस हादसे में मलवे के नीचे दबने से 1 की मौत हो गई और 2 अन्य घायल हो गए जबकि एक महिला अभी भी मलबे में दबी जिंदगी और मौत से जंग लड़ रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने राहत व बचाव कार्य शुरु कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। जानकारी के अनुसार हनुमानताल में स्व. ताराचंद जैन के 4 बेटे में से 2 बेटे आलोक जैन एवं दीपक जैन पुष्तैनी मकान मे रहते थे, एक बेटा राजेश जैन पुष्तैनी मकान के पास तथा एक बेटा कृष्ण कुमार जैन, संगम कालोनी में सपरिवार रहते हैं, शहर में लगातार हो रही बारिश से पुराना मकान भरभराकर गिर पड़ा। घर में मौजूद आलोक जैन 45 , श्रद्धा जैन 45 वर्ष, दीपक जैन 54 वर्ष को मलबे की चपेट में आ गए। घटना की सूचना केबाद घायलों को विक्टोरिया अस्पताल भिजवाया गया जहां आलोक जैन की मृत्यु हो गई। बाद घायलों को विक्टोरिया अस्पताल भिजवाया गया जहां आलोक जैन की मृत्यु हो गई। हालांकि श्रद्धा जैन एवं दीपक जैन का मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा है। वहीं आलोक जैन की पत्नि मंजू जैन जो अभी भी मकान के मलबे में दबी हुई हैं, पुलिस की मौजूदगी में नगर निगम की टीम के द्वारा मलबा हटाया जा रहा है।

रिया चक्रवर्ती के वकील का दावा- वो न तो आदित्य ठाकरे को जानती हैं, न कभी मिली हैं

मुंबई।

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की संदिग्ध मौत मामले में उनकी महिला मित्र एवं मॉडल अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के वकील ने कहा है कि रिया शिव सेना नेता आदित्य ठाकरे को नहीं जानती और न ही उनसे कभी मिली हैं। रिया के वकील ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा, रिया आदित्य ठाकरे को नहीं जानतीं और न ही आज तक वह उनसे मिली हैं। उन्होंने आदित्य से फोन पर कभी बात भी नहीं की है। रिया केवल इतना जानती हैं कि आदित्य शिव सेना के एक नेता हैं। लेकिन रिया डिनो मोरिया को जानती हैं क्योंकि वह फिल्म इंडस्ट्री में उनके सीनियर हैं। रिया के वकील ने कहा, इस मामले में मुंबई पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय जांच कर चुकी हैं। दोनों ही जांच एजेंसियों के पास इस मामले से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक, फारेंसिक और मेडिकल जानकारी होने के अलावा बैंक, आयकर से जुड़े दस्तावेजों के अलावा सीसीटीवी फुटेज और तमाम जानकारियां हैं लेकिन अब तक जांच में रिया के खिलाफ कुछ भी सामने नहीं आया है। पुलिस की जांच रिपोर्ट उच्चतम न्यायालय के पास बंद लिफाफे में मौजूद है। यदि इस मामले की जांच कोई तीसरी एजेंसी भी करती है तो रिया पूरी तरह से उसका सामना करने के लिए तैयार है। रिया और सुशांत काफी लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थे और दिसंबर 2019 में दोनों ने बांद्रा के माउंट ब्लैंक अपाटर्मेंट में साथ रहना शुरू कर दिया था। रिया के वकील ने कहा कि अप्रैल 2019 में ही रिया और सुशांत की बहन प्रियंका एक पार्टी में साथ गए थे। सुशांत की बहन ने उस पार्टी में काफी शराब पी ली थी और सभी के साथ दुर्व्यवहार कर रही थी। रिया, प्रियंका को लेकर सुशांत के घर आ गयीं। जब रिया सुशांत के कमरे में सो रही थी तो प्रियंका ने रिया के साथ दुराचार करने की कोशिश की। इसके बाद रिया वहां से चली गयी। रिया ने जब यह सुशांत को बताया तो इसको लेकर सुशांत और प्रियंका में काफी बहस हुई। इस घटना के कारण ही सुशांत के परिवार और रिया के बीच संबंध खराब हो गए थे। सुशांत लगातार अपने परिवार के सदस्यों से मिलने और मुंबई से शिफ्ट करने की बात कर रहा था लेकिन परिवार के किसी सदस्य ने उसकी बात नहीं सुनी। सुशांत के कई दिनों तक फोन करने के बाद उनकी बहनमीतू आठ जून 2020 को उनके साथ रहने उनके घर आ गईं। सुशांत ने तब रिया को अपने माता-पिता के साथ रहने के लिए कहा। मीतू आठ जून 2020 को उनके साथ रहने उनके घर आ गईं। सुशांत ने तब रिया को अपने माता-पिता के साथ रहने के लिए कहा। रिया आठ जून को ही सुशांत का घर छोड़कर चली गयी थी। रिया के वकील ने कहा कि इस मामले में बिहार पुलिस का जांच करने का कोई अधिकार नहीं है। बिहार पुलिस को जीरो प्राथमिकी दर्ज कर यह मामला मुंबई पुलिस को सौंप देना चाहिए था। सुशांत के आत्महत्या करने के 40 दिन के बाद बिहार पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। रिया किसी भी गैर-कानूनी जांच का हिस्सा नहीं बनेगी। हार पुलिस के अधिकारियों ने मुंबई आने से पहले जांच में सहयोग के लिए रिया को समन तक नहीं भेजा। ऐसी रिपोर्ट भी सामने आई हैं कि बिहार में राजनीतिक दबाव के कारण प्राथमिकी दर्ज की गयी। बिहार में जिस तरह से मामले की जांच की जा रही है। रिया को न्याय मिलने की उम्मीद कम है। उन्होंने कहा कि यह मामला अब सच से बढ़कर राजनीति से जुड़ गया है। बिहार में चुनाव आने वाले हैं और राजनेता उसका लाभ उठाना चाहते हैं।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की सेहत में नहीं हो रहा कोई सुधार, वेंटिलेटर की सपोर्ट से ले रहे सांस

नेशनल डेस्क।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ है और वह अब भी जीवन रक्षक प्रणाली (वेंटिलेटर) पर है। यह जानकारी सेना के रिसर्च और रेफरल अस्पताल ने मंगलवार को दी। उनका इलाज कर रहे चिकित्सकों ने बताया कि मुखर्जी के प्रमुख अंगों की हालत स्थिर है। उल्लेखनीय है कि 84 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति मुखर्जी को 10 अगस्त को दिल्ली छावनी के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दिमाग में जमे खून के थक्के को निकालने के लिए उनका ऑपरेशन किया गया था और तब से वह कोमा में हैं। उनके कोरोना वायरस से संक्रमित होने की भी पुष्टि हुई है। अस्पताल से जारी बयान में कहा गया, '' श्री प्रणब मुखर्जी के स्वास्थ्य में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वह अब भी वेंटिलेटर पर हैं और उनके प्रमुख अंगों की स्थिति स्थिर है। इससे पहले कोविड-19 जांच में उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। अस्पताल ने एक बयान में कहा गया कि माननीय प्रणब मुखर्जी की हालत में आज सुबह (14 अगस्त 2020) भी कोई सुधार नहीं आया। वह अब भी जीवनरक्षक प्रणाली पर हैं। उनकी हालत अभी स्थिर है। प्रणब मुखर्जी 2012 से 2017 तक भारत के राष्ट्रपति थे। उनकी एवं कांग्रेस नेता शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपने पिता के स्वास्थ्य के लिए ।

भगवान से प्रार्थना की। उन्होंने ट्वीट किया कि पिछले साल आठ अगस्त का दिन मेरे लिए सर्वाधिक प्रसन्नता के दिनों में से एक था जब मेरे पिता को भारत रत्न मिला था। ठीक एक साल बाद 10 अगस्त को वह गंभीर रूप से बीमार हो गए।

हाथ जोड़कर बच्चियों ने लगाई मदद की गुहार, तो सोनू सूद के जवाब ने फिर जीत लिया लोगों का दिल

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद प्रवासी मजदूरों के लिए मसीहा बन चुके हैं। वह देश ही नहीं विदेशों में फंसे हुए लोगों को उनके घर सुरक्षित पहुंचा रहे हैं। देश के हर राज्यों में उन्होंने अलग-अलग तरह से लोगों की मदद की है। वहीं हाल ही में सोनू सूद ने पढ़ाई को लेकर गुहार लगा रही बच्चियों की मदद की है। दरअसल हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें दो बच्चियां हाथ जोड़कर अपनी पढ़ाई को लेकर सोनू सूद से मदद की गुहार लगाई थी। बच्चियों ने कहा कि सर प्लीस मदद करो। वीडियो को शेयर करते हुए बच्चियों के पिता ने लिखा, मेरा नाम मोहम्मद शानू है। मैं बहुत ही गरीब परिवार से हूं। मेरे घर की हालत बहुत खराब है। मेरी दोनों बच्चियों की फीस भरनी हैं। कृप्या मेरी मदद करो, मेरी बच्चियों की पढ़ाई के लिए मदद करो सर सोनू सूद। इसका जवाब देते हुए सोनू सूद ने कहा कि आपकी दोनो बेटीयों का स्कूल में अड्मिशन करवा दिया है।

भाजपा ने सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील वीडियो को लेकर साजिश की आशंका जतायी

जम्मू।

भाजपा ने सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील वीडियो को लेकर साजिश की आशंका जताते हुए इस मामले की गहरायी से जांच कराने की मांग की। वहीं, कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) ने तीन आरोपियों की गिरफतारी के लिए तत्काल कार्रवाई जाने को लेकर पुलिस की सराहना की। सभी दलों ने लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की भी अपील की है। सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के कुछ ही घंटों बाद रविवार को मुख्य आरोपी सतपाल शर्मा समेत तीन व्यक्तियों को गिरफतार कर लिया गया। विभिन्न समूह के लोगों ने प्रदर्शन कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने कहा था कि रविवार को एक रिपोर्ट सोशल मीडिया पर प्रसारित की गई जिसमें एक विशेष समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की गई थी। भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविंद्र रैना ने कहा, यह किसी आम आदमी का काम नहीं है। वीडियो ऐसे राष्ट्र विरोधी तत्वों की साजिश जान पड़ता है जोकि जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने के अपने इरादों में विफल रहे। हम साजिश का पर्दाफाश करने के लिए मामले में जांच की मांग करते हैं। उन्होंने लोगों से शांति और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील भी की। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राणा ने कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों को ऐसा व्यहवार स्वीकार्य नहीं है। हम प्रदेश में किसी को भी सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे के माहौल को बिगाड़ने की अनुमति नहीं देंगे।

फिर से बढ़ा कोरोना : साम्बा के वार्ड-8 और सुचानी के वार्ड-4 व 7 बने हॉट स्पॉट

साम्बा।

साम्बा जिले में कोरोना ने एक बार फिर से रफ्तार पकड़ ली है। सोमवार को जिले में 15 नए मामले सामने आए। नए मामलों में से 10 लोग दो परिवारों के हैं। इनके साथ ही जिले में कुल संक्रमितों का आंकड़ा 580 को पार कर गया है जिनमें 414 स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं जबकि 163 केस अभी भी एक्टिव हैं। जानकारी के अनुसार गत दिवस साम्बा में कोरोना संक्रमित पाए गए दुकानदार (63) के तीन परिजन भी आज पाजिटिव पाए गए। वार्ड-8 का रहने वाला यह दुकानदार बार्डर रोड मार्किट में स्टेशनरी-मोबाईल रिचार्ज की दुकान चलाता है। बताया गया है कि इसे कुछ दिनों से सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। कोरोना के लक्षण के चलते इसका कोविड टेस्ट किया गया जिसमें यह पाजिटिव पाया गया था। टेंस्टिंग के दौरान इसके तीन परिजन भी पाजिटिव पाए गए। इनमें इसकी पत्नी (57) और बेटे (31) के अलावा 3 साल की पोती भी शामिल है। दुकानदार की बहू व छोटी पोती की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। संक्रमितों को सुपवाल में रखा गया है। बताया गया है कि दुकान पर इनका काफी लोगों से कांटेक्ट होता था जिसके चलते इनके संपर्क में आए लोगों की पहचान की जा रही है। वहीं विजयपुर के सुचानी गांव में भी एक ही परिवार के 6 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। यह सभी एक संक्रमित के संपर्क में आए बताए गए हैं। गत सप्ताह का रहने वाला एक व्यक्ति, जोकि स्वास्थ्य विभाग का कर्मी है, पाजिटिव पाया गया था। इसी के संपर्क में आए यह 6 लोग आज पाजिटिव पाए गए। ठंडी खुई में आज इनकी टेस्टिंग की गई थी। संक्रमितों में 3 महिलाएं व एक बच्चा और एक पुलिस कर्मी शामिल है। इसके अलावा बाहरी राज्यों से आए 5 अन्य लोग भी पाजिटिव पाए गए। वहीं प्रशासन ने साम्बा के वार्ड-8 और सुचानी के वार्ड 4 व 7 को हॉअ स्पॉट घोषित कर पाबंदियाँ लगा दी है। सुचानी के वार्ड 4 व 7 को हॉअ स्पॉट घोषित कर पाबंदियाँ लगा दी है। इसके अलावा विजयपुर के वार्ड-10 को आज हॉट स्पॉट की श्रेणी से बाहर कर दिया गया।

बिजनेस पार्टनर से हुआ झगड़ा तो शख्स ने पेट्रोल छिड़क फूंक दी कार, आग में झुलसे 3 लोग

नेशनल डेस्क। समय में पैसे एक ऐसी चीज बन गई है जिसके आगे लोग रिश्तों को भी अहमियत देना भूल गए हैं। ऐसा ही कुछ देखने को मिला आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में जहां पैसों के विवाद के चलते एक शख्स ने 3 लोगों को जिंदा जलाने की कोशिश की। आरोपी ने दिनदहाडे पेट्रोल छिड़क कर कार को आग के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार आरोपी वेणुगोपाल रेड्डी कुछ समय पहले गंगाधर नाम के शख्स के साथ कारें खरीदने और बेचने का कारोबार करता था। इस दौरान दोनों के बीच पैसों को लेकर अनबन हो गई। सोमवार को रेड्डी ने गंगाधर को मिलने के लिए बुलाया तो वह अपनी और पत्नी और एक दोस्त के साथ आरोपी के पास पहुंच गया। चारों लोग कार में बैठकर बात ही कर रहे थे कि तभी वेणुगोपाल सिगरेट पीने के बहाने बाहर निकल गया। आरोपी ने कार से उतरते ही पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी और मौके से फरार हो गया। कार में सवार तीनों लोग बुरी तरह से झुलस गए, जिन्हे किसी तरह बाहर निकाल कर अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार गंगाधर और उसकी पत्नी को कम चोटें आई हैं, लेकिन उनका दोस्त गंभीर रूप से झुलस गया। गंगाधर की पत्नी को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गयौ पुलिस अधिकारी ने कहा कि कानूनी औपचारिकता पूरी करने के बाद मामले में केस दर्ज किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी में 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 4,336 मामले, सर्वाधिक 77 मरीजों की मौत

लखनऊ (एजेसी)। उत्तरप्रदेश में बीते 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 4,336 नए मामले सामने आए हैं।स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कोविड–19 संक्रमित 77 और लोगों की मौत हो गई। यह एक दिन में मौतों का सर्वाधिक बड़ा आंकड़ा है।

इनमें सबसे ज्यादा कानपुर नगर में 14 जबकि लखनऊ में 12 लोगों की मृत्यु हो गई है।रिपोर्ट के अनुसार, बलिया में छह लोगों की मृत्यु हुई है। इसके अलावा प्रयागराज में पांच, वाराणसी में तीन, भदोही, फिरोजाबाद, संभल, मुजफ्फरनगर, उन्नाव, संत कबीर नगर, अयोध्या, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली और गोरखपुर में दो–दो लोगों की मृत्यु हुई है।

साथ ही झांसी, जौनपुर, देवरिया, शाहजहांपुर, बस्ती, महाराजगंज, सुल्तानपुर, चंदौली, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, फर्रुखाबाद, औरैया, कानपुर देहात और बलरामपुर में कोविड–19 संक्रमित एक–एक व्यक्ति की मौत हुई है।

संक्रमण के नए मामलों में सबसे ज्यादा 514 मरीज लखनऊ में मिले हैं। इसके अलावा, गोरखपुर में 267, कानपुर नगर में 261, प्रयागराज में 175, गाजियाबाद में 156, वाराणसी में 148, कुशीनगर में 137 और बरेली में 130 मामले सामने आए हैं। कुल 1,09,607 लोग संक्रमणमुक्त होकर अस्पतालों से छुटटी पा चुके हैं। प्रदेश में संक्रमण के उपचाराधीन मामलों की संख्या 50,242 है, जिनमें से 25,008 लोग इस समय होम आइसोलेशन में हैं।

निजी चिकित्सालयों में भुगतान के आधार पर 1,719 लोग इलाज करा रहे हैं जबकि 283 लोग सेमी पेड व्यवस्था यानी एल–1 प्लस श्रेणी की सुविधा के तहत होटलों में इलाज करा रहे हैं। सोमवार को प्रदेश में 9 नमूनों की जांच की गई।

अब तक कुल 39,66,848 नमूनों की जांच की जा चुकी है। ये किसी भी एक प्रदेश द्वारा की गयी जांचों में पूरे देश में सर्वाधिक है। कुल 61,081 इलाकों में सर्विलांस का कार्य किया गया है और अब तक 1,78, 65,534 घरों में 8,98,21,477 लोगों का सर्वेक्षण किया जा चुका है।

कलेक्टर धनंजय सिंह की सार्थक पहल, आयुष औषधियों से संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए 10 लाख से अधिक आयुष औषधियों का वितरण

होशंगाबाद (एजेसी)। कोरोना संक्रमण के नियंत्रण एवं सुरक्षा हेतु जिला प्रशासन द्वारा बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्टर धनंजय सिंह के निर्देशानुसार जिले में आयुष औषधियों का प्रभावी वितरण कार्य किया जा रहा है। जिले में मार्च से 17 अगस्त तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कुल 10 लाख 61 हजार 365 लोगों को आयुष औषधियों का वितरण किया गया है। कोरोना संक्रमण से सुरक्षा एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए शासन द्वारा संचालित जीवन अमृत योजना का भी जिले में प्रभावी क्रियांवयन सुनिश्चित किया गया है। आयुष

विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार योजना के अंतर्गत जिले में अभी तक ग्रामीण क्षेत्र में 138965 एवं शहरी क्षेत्र में 107934 इस तरह कुल 246899 आयुष दवाइयों का वितरण किया गया है। जिले में बनाए गए सभी कोविड केयर सेंटर, क्वारंटाइन सेंटर एवं होम क्वारंटाइन किए गए लोगों को प्रतिदिन आयुष काढ़ा का सेवन कराया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में आयुष औषधि के वितरण कार्य हेतु 47 दलों का गठन किया गया। प्रत्येक दल में 1–1 आयुष चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ , आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं नगरपालिका कर्मचारी सम्मिलित है। गठित दलों द्वारा तत्परता से आयुष औषधियों का वितरण कार्य किया जा रहा है।

मऊ के ग्राम पंचायत अहिलाद में घोटाले की शिकायत मिली सही, कार्रवाई नही

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के जिलाधिकारी के द्वारा पदीय अधिकारो की आड़ में की जा रही मनमानियो में विकास खंड परदहा के ग्राम पंचायत में वीडियो, ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम प्रधान के द्वारा फर्जी नामों से दस्तावेज तैयार कर और करवाकर सरकारी धनों की की गई बंदरबांट की शिकायत को दो महीने बीतने को है लेकिन डीएम ने ग्राम प्रधान आदि को बचाने के लिए पदीय अधिकारो की आड़ मे आज तक शिकायत का निस्तारण नही किया है। जबकि शिकायतों को जांच में सही पाए जाने की बात सार्वजनिक हो चुकी ह।

विभागीय सूत्रों के अनुसार विकास खड परदहा के ग्राम पंचायत अहिलाद मे फर्जी नामों से दस्तावेज तैयार कर और करवा कर खड विकास अधिकारी ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम प्रधान के बड़े पैमाने पर सरकारी धनो की की गई बंदरबांट की संवाददाता के द्वारा की गई शिकायत आईजीआरएस के माध्यम से की गई थी। इस मामले में एडीओं पंचायत के द्वारा की गई जांच में खंड विकास अधिकारी ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम प्रधान के द्वारा फर्जी नामों से अवैध दस्तावेज तैयार कर और करवा कर सरकारी धनों की बंदरबांट का आरोप सही साबित हुआ है। हालांकि इसी शिकायती प्रार्थना पत्र में डीपीआरओ दफ्तर में तैनात अनामिका त्रिपाठी की नियुक्ति को चुनौती दी गई है जिसके कारण शिकायती प्रार्थना पत्र का अभी तक निस्तारण नही हो सका है। एडीओ पंचायत ने शिकायत के निस्तारण पर जोर देते हुए अनामिका त्रिपाठी के मामले को डीपीआरओं दफ्तर से होने की जानकारी देते हुए मामले को आगे बढ़ा दिया है।

बहरहाल देखना है कि आईजीआरएस के द्वारा की शिकायत को सही पाए जाने पर डीएम के द्वारा कार्रवाई की जाती है कि नही।

सर्राफ ने लाइसेंसी बंदूक से की आत्महत्या

कानपुर (एजेसी)। महानगर के नौबस्ता में दिल की बीमारी से परेशान चल रहे सर्राफ ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। शोर सुनकर परिजन दौड़े तो वह खून से लथपथ फर्श पर पड़े थे। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और बंदूक को कब्जे में लेकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। जानकारी के मुताबिक बर्रा विश्व बैंक निवासी दीपक कुमार ने बताया कि उसके ससुर विजय बहादुर वर्मा (55) की घर पर ही बेटे दुर्गेश के नाम से ज्वैलर्स शॉप है। परिवार में पत्नी के अलावा बहू और दो पौत्र हैं। दीपक के अनुसार उसके ससुर पिछले कई साल से हार्ट की बीमारी से परेशान चल रहे थे। मंगलवार दोपहर अचानक उन्होंने घर पर ही अपनी लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

सूचना पर नौबस्ता पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि परिजनों ने बीमारी के चलते आत्महत्या की बात कही है मामले की जांच की जा रही है।

पेट्रोल पंप पर सिक्योरिटी गार्ड की बंदूक से चली गोली, सेल्समैन की मौत

बरेली (एजेसी)। पेट्रोल पंप पर ड्यूटी कर रहे सिक्योरिटी गार्ड की बंदूक की गोली लगने से सेल्समैन की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग से जांच शुरू की है। वहीं सेल्समैन का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। जानकारी के मुताबिक फरीदपुर के बीसलपुर रोड पर स्थित भारत पेट्रोलियम के पेट्रोल पंप पर भुता के गांव कंजा चकरपुर के चंद्रभान (50) एक साल से सेल्समैन की नौकरी कर रहे थे। पेट्रोल पंप पर फरीदपुर के कैरशादी गांव का रविंद्र यादव सिक्योरिटी गार्ड के पद पर तैनात था। सोमवार की रात दोनों कर्मचारी अपनी अपनी ड्यूटी संभाले हुए थे। पुलिस के मुताबिक इसी दौरान सिक्योरिटी गार्ड रविंद्र यादव की बंदूक की गोली अचानक चल गई। पेट्रोल पंप पर खड़े सेल्समैन चंद्रभान के सिर में गोली लगी। चंद्रभान की मौके पर मौत हो गई। पेट्रोल पंप के अन्य कर्मचारियों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने चंद्रभान का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा।

कोरोना पीड़ित की आपबीती ने खोली सरकार और प्रशासन की पोल

भारी अव्यवस्थाओं के बाद भी जंग जीत रहे कोरोना संक्रमित मरीज

बाराबंकी (एजेसी)। कोरोना वायरस से दुनिया भर में अब तक लाखों लोग संक्रमित हो चुके हैं। इस दौरान कई लोग वायरस से उबकर स्वस्थ हो गए हैं। वहीं बड़ी तादाद अब भी इससे जूझ रही है। ऐसे में कई कोरोना पॉजिटिव पाए गए मरीजों का मनोबल न टूटे इसलिए एक मरीज ने अपने अनुभवों को साझा किया है। जनपद में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों को चंद्रा अस्पताल में भर्ती किया जाता है। यह अस्पताल एल 1 श्रेणी की सुविधा का अस्पताल है। चंद्रा हॉस्पिटल में भर्ती कोरोना संक्रमित मरीज पाटेश्वरी प्रसाद जोकि पेशे से पत्रकार है, उनसे जब हमारे संवाददाता ने बात की तो उन्होंने अपनी आपबीती बताई। उन्होंने कोरोना से पीड़ित होने की कहानी और इससे लड़ने के लिए क्या करना है, इसे साझा किया। पाटेश्वरी प्रसाद ने बताया कि मैं जिस प्रोफेशन में हूं, उसमें कई लोगों से संपर्क निरंतर चलता रहता है। बीते 3 अगस्त से मुझे बुखार आया और गले में खराश हुई तो शक हुआ। चेकअप करवाया। इसी बीच मुझे आशंका थी, इसलिए मैंने खुद को घर में आइसोलेट कर लिया।

बेटा और पत्नी अलग कमरे में और मैं अलग कमरे में। मैंने चीजें भी अलग यूज करना शुरू कर दिया।

गत 9 अगस्त को एंटीजेन टेस्ट की रिपोर्ट में कोरोना पॉजिटिव के लक्षण पाए गए। चिकित्सकों की सलाह पर चंद्रा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। अस्पताल पहुंचने के बाद अब खुद को ठीक फील कर रहा था। लेकिन बुखार उतर नही रहा था। अगले दिन प्रभारी हॉस्पिटल एवं चिकित्सक डॉ पी.के सिंह मेरा हालचाल लेने आए। मैंने अपने बुखार के बारे में बताया तो उन्होंने मुझे कुछ सामान्य दवाएं दी। जब मैंने उन्हें अपनी दवाएं दिखाई तो उन्होंने कहा कि श्यह दवा सबसे बेहतर है। मैंने उनसे अस्पताल में गर्म पानी और साफ पानी न होने की बात कही। उन्होंने कहा कि श्यहां साफ पानी की बड़ी समस्या है। आरओ का पानी उपलब्ध नही हो सकता।

बाहर के नल का पानी ही इस्तेमाल करना होगा। और गर्म पानी, काढ़ा, दूध इत्यादि चीजें हमारी गाइड लाइन में नही है। आप सीएमओ साहब से बात कर सकते है। खैर, जब मैंने उनसे कहा कि नल का पानी पीने योग्य नही है। वहां कितनी गंदगी है। बगल में गेट पर पीपीई किट और अन्य गंदगी का जमावड़ा है।

ऐसे में कोई बिना संक्रमित हुए कैसे स्वस्थ हो सकता है। तब उन्होंने कहा श्आप इसकी शिकायत प्रशासन से कर सकते है। मैं आपकी कोई मदद नही कर सकता।श् होते करते दोहपर हुई तो खाने का समय हुआ। खाने में दाल, चावल, सब्जी और रोटी थी, सभी अलग अलग पॉलिथीन में रखी थी। पॉलिथीन जोकि पूरे सूबे में प्रतिबंधित है फिर भी यहां के अस्पताल में खुलेआम सप्लाई हो रही है। यह प्रशासन की देख रेख में हो रहा था। जिस पर किसी की नजर नही जा रही थी। यही हाल रात के भोजन का था। अस्पताल में खाना वितरण को लेकर आए दिन मरीजों के बीच आपस में विवाद होता। उसका कारण था अस्पताल प्रबंधन का एक व्यक्ति खाने की सभी थैलियां गेट के पास रखी कुर्सी पर रखकर चला जाता है। फिर सारे कोरोना संक्रमित मरीज खाने की थैलियों पर एक–साथ टूट पड़ते है। ऐसा हर रोज होता है। ऐसे में कोई खाना पाता है तो कोई भूखा ही रह जाता है। मैं भी दो दिन खाने से वंचित रहा। फिर मैंने घर से खाना और गर्म पानी मंगवाना उचित समझा। अस्पताल प्रशासन की बदइंतजामी को देख कोरोना संक्रमण का खतरा और भी बढ़ता जा रहा था। कारण साफ था हर तरफ गंदगी थी।

बाथरूम में गंदगी, कूड़ा दान भी गंदा, वार्ड के वाशबेसिन और कमरों में गंदगी का अम्बार इकट्ठा था। वार्ड में बरसात का पानी आने से मच्छरों कर प्रकोप बढ़ रहा था। बाथरूम में भी अंधेरा रहता। लाइट की समुचित व्यवस्था नही थी। जो मरीज अस्पताल भेज गये थे उनमें ज्यादातर बीमार थे। उनके इलाज की कोई व्यवस्था नही।

दवाओं का कोई इंतजाम नही। सोशल डिस्टेंसिंग तार तार हो रही थी। जिन मरीजों का खाना घर से आता उन्हें ऐसे समय खाना मिलता जब भूख खत्म हो जाती। ऐसी परिस्थिति कारावास में कैदियों की भी नही होती जैसी कोरोना संक्रमित मरीजों की थी।

तमाम शिकायतों के बाद भी प्रशासन के कान में जूँ तक नही रेंग रही थी। सरकार की योजनाओं को प्रभावित करने वाले नौकरशाह मौज कर रहे है। ऐसे में एक बात जो मैंने समझी है वह यह है कि इस वायरस को हराने का एक ही तरीका है कि घर पर रहें, अस्पताल बिल्कुल भी न जाएं।

घर पर ही दूरी बनाकर रहिए। एकांतवास में दोस्तों और रिश्तेदारों से फोन ही मुझे हिम्मत दे रहा था। मेरे संक्रमित होने के बाद मेरे परिजनों का भी एंटीजेन टेस्ट हुआ। जिसमें पत्नी, बेटा, बहन, मां और भाई की पत्नी भी संक्रमित आइसोलेट रखा गया। जिसके बाद मेरे घर पर हाल चाल लेने वाला कोई भी नही आता था। ऐसा लगता था जैसे हर किसी में मेरे परिवार से मुँह मोड़ लिया हो। मेरे 10 माह का बेटा है। उसको पीने के लिए दूध आता था वह भी अब बंद हो गया था। घर के ही रहकर वह बीमार और कमजोर हो गया।

फिर भी सरकार के सभी निर्देशों का पालन किया गया। जबकि सरकारी मशीनरी पूरी तरह से फेल दिखी। कोविड अस्पताल की यह बदहाल व्यवस्था बदस्तूर जारी है। प्रशासन पूरी तरह से मौन है। ऐसे में संक्रमित मरीजों पर संक्रमण का खतरा गहरा गया है।

मायावती ने कानून व्यवस्था को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा

लखनऊ (एजेसी)। उप्र में खराब कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर आरोपों की बौछार करते हुए मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमों मायावती ने अपने एक ट्वीट में कहा कि ''यूपी में सभी वर्गों–धर्मों व खासकर दलितों के साथ आए दिन द्वेष, उत्पीड़न, बलात्कार, हत्या आदि की मानवता को शर्मसार करने वाली घटनायें साबित करती हैं

कि प्रदेश में कानून–व्यवस्था की स्थिति अति–दयनीय। इन घटनाओं के प्रति सरकारी लीपापोती से हालात में और बिगाड़, सरकार ध्यान दे।'' वहीं उन्होंने एक दूसरे ट्वीट में कहा कि ''जबकि इन जघन्य घटनाओं से स्पष्ट तौर पर जनता को सपा व भाजपा सरकार की कार्यशैली में कोई खास अन्तर देखने को नहीं मिल रहा है तथा कांग्रेस पार्टी के राज में तो यहाँ पीड़ितों की एफआइआर तक भी नहीं दर्ज की जाती थी। साथ ही उस दौरान मीडिया भी आज की तरह उतना सक्रिय नहीं था।''

ट्रक में पीछे से घुसी स्कार्पियो, तीन की मौत, दो गंभीर

बलरामपुर (एजेसी)। जिले के कोतवाली उतरौला क्षेत्र के गालिबपुर चैराहा पर सड़क किनारे खड़ी ट्रक में पीछे से स्कार्पियो घुस जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। स्कार्पियो में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उतरौला सीएचसी पर ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उसकी हालत को नाजुक बताते हुए बहराइच जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

जानकारी के मुताबिक बलरामपुर–उतरौला मार्ग के किनारे गालिबपुर चैराहा के पास ट्रक खड़ी थी। बलरामपुर की तरफ से जा रही तेज रफ्तार स्कार्पियो पीछे से ट्रक में घुस गई। स्कार्पियो सवार सिराज अहमद (58), अरसद हुसैन (48) व नूरजहां (45) निवासिनी पटेल नगर कोतवाली उतरौला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि हुमेरा (40) और कुनैन (08) को गंभीर चोटें आई है। घायलों को पुलिस ने संयुक्त जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

चिकित्सकों ने उपचार के पश्चात हालत गंभीर देखते हुए दोनों को बहराइच जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि पटेल नगर निवासी अरशद हुसैन अपने रिश्तेदार की शादी में परिवारजन के साथ बहराइच गया था। शादी में शामिल होने के बाद घर लौट रहा था।

नोएडा अर्थ सोसाईटी का बिल्डर गिरफ्तार

नोएडा (एजेसी)। नोएडा क्राइम ब्रांच को उस वक्त एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी जब नॉर्थ दिल्ली में दबिश देकर अर्थ सोसायटी के बिल्डर को गिरफ्तार कर लिया गया। बिल्डर रतन विजयवर्गीय पर धोखाधड़ी करने का आरोप है।नोएडा क्राइम ब्रांच ने अर्थ कंपनी के मालिक और बिल्डर रतन विजयवर्गीय को उनके मूल निवास सी – 8/251 सेक्टर 8, रोहिणी से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक विजयवर्गीय के खिलाफ कई अन्य केस भी दर्ज हैं जिनकी जांच चल रही है। विजयवर्गीय अर्थ कंपनी में धोखाधड़ी और अन्य कई मुकदमे में वांछित था। नोएडा क्राइम कई दिनों से इसकी तलाश में थी। रविवार की शाम को विजयवर्गीय के मूल स्थान रोहणी नॉर्थ दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। एडीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि 2018 में इसके खिलाफ एक मुकदमा

थाना 20 में पंजीकृत हुआ था। इसकी जांच नोएडा क्राइम ब्रांच कर रही थी। तथ्य सही पाए जाने पर क्राइम ब्रांच ने इसे इसके मूल निवास सी – 8/251 सेक्टर 8, रोहिणी थाना, रोहिणी नॉर्थ दिल्ली के पास से गिरफ्तार किया है। इसके खिलाफ अन्य कई केस पंजीकृत हैं। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। बिल्डर पर आरोप है कि उसने हजारों लोगों को घर का सपना दिखाकर उनके साथ धोखाधड़ी की। हजारों लोगों से उसने घर के लिए पैसे वसूले लेकिन घर नहीं दिए। पिछले तीन साल से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। जिन लोगों के पैसे फंसे हैं, उन्होंने पुलिस से शिकायत की थी जिसके बाद कार्रवाई की गई। नोएडा थाना 20 के अलावा उसके खिलाफ एनसीआर के कई शहरों में केस दर्ज हैं। इस मामले में कंपनी के और भी कर्मचारी गिरफ्तार हो चुके हैं। कंपनी पर आरोप है कि इसने निर्माण के नाम पर पैसे वसूले लेकिन कोई प्रोजेक्ट शुरू नहीं किया।

तीन लाख रुपयों से भरा बैग छीनकर बदमाश फरार

सुलतानपुर (एजेसी)। बाइक सवार बदमाशों ने दिन दहाड़े तीन लाख रुपयों से भरा बैग छीन कर फरार हो गए। रुपया प्राइवेट कंपनी का कर्मचारी बैंक आफ इंडिया दरियापुर शाखा में जमा करने जा रहा था।

वारदात के तुरंत बाद ही पीड़ित ने 112 डायल कर पुलिस को सूचना दी फोन करने के आधे घण्टे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक बाइक सवार तीन बदमाश पयागीपुर चैराहा होते हुए फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक मोहित श्रीवास्तव यूजनिक्स मेडीसाइंसेश प्रा. लिमिटेड के कर्मचारी हैं।

वे बाइक से बैंक आफ इण्डिया में रुपए जमा करने जा रहे थे। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने कैश छीनने के साथ ही उनके बाइक की चाभी भी निकाल ली।

पीएम, सीएम व राम मंदिर पर अभद्र टिप्पणी करने वाला प्रशांत कनौजिया गिरफ्तार

लखनऊ (एजेसी)। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही अयोध्या में राम मंदिर पर अभद्र टिप्पणी करने वाला कथित स्वतंत्र पत्रकार प्रशांत कनौजिया पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली में सोमवार को केस दर्ज होने के बाद प्रशांत को नई दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। प्रशांत कनौजिया के खिलाफ समाज में जहर घोलने वाली टिप्पणी करने के साथ अन्य मामलों में केस दर्ज किया गया था। सोशल मीडिया के जरिये वैमनस्य फैलाने को लेकर लखनऊ के हजरतगंज थाने में दर्ज मामले में आरोपित प्रशांत कनौजिया को उत्तर प्रदेश पुलिस ने दक्षिणी दिल्ली से गिरफ्तार किया। आरोपित ने सुशील तिवारी के नाम से अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया था कि राम मंदिर में ओबीसी व एससी–एसटी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा और सभी लोग इसके खिलाफ आवाज उठाएं। इस मामले में 17 अगस्त को लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। विदित हो कि प्रशांत पहले भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं के खिलाफ विवादित टिप्पणी कर चुका है। ऐसे मामलों में उसे पहले भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

किशोरी के साथ चचेरे भाई ने किया बलात्कार

भदोही (एजेसी)। जिले के ज्ञानपुर थानाक्षेत्र के एक गाँव में पंद्रह साल की किशोरी के साथ उसके ही चचेरे भाई ने दुराचार

किया। बताया जाता है कि किशोरी गर्भवती है और सोमवार को उसकी तबियत बिगडी तो उसकी मां उसे लेकर अस्पताल गयी जहां डाक्टरों ने उसे सात महीने की गर्भवती बताया। जिसके बाद पूछने पर किशोरी ने पूरी बात बतायी कि चचेरा भाई उससे लगातार बलात्कार कर रहा था और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देता था। षिकायत के बाद पुलिस ने सोमवार शाम मामला दर्ज कर आरोपी अजीत पाठक को गिरफतार कर लिया गया है। उसे जेल भेज दिया गया है जबकि किशोरी को मेडिकल जांच के लिए भेजा है।

उप्र के एक और मंत्री कोविड–19 पाजीटिव पाये गये, गाजियाबाद में भर्ती

लखनऊ (एजेसी) उप्र के चिकित्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण राज्य मंत्री अतुल गर्ग कोविड 19 पाजिटिव पाये गये है। उन्हें गाजियाबाद के यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल वे स्वस्थ बताये गये हैं और उनके कोविड के कोई खास लक्षण नही है लेकिन रिपोर्ट पाजिटिव आने के बाद वह सावधानी वश अस्पताल में भर्ती हो गये है। वहीं अब उनके परिवार व नजदीकी सभी लोगों की कोराना जांच कराई जा रही है। करीब 63 वर्षीय अतुल गर्ग गाजियाबाद की सदर सीट से विधायक है और उप्र की योगी आदित्यनाथ सरकार में चिकित्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण राज्य मंत्री है। मंगलवार को मंत्री गर्ग ने एक टिवट में कहा कि 15 अगस्त को मेरा आरटीपीसीआर टेस्ट हुआ जो निगेटिव आया था पर कल रात नौ बजे रेपिट टेस्ट में पॉजिटिव आया हूँ। 16 से 18 अगस्त के बीच जो भी मुझसे मिले है उन्हे सावधानी रखते हुए टेस्ट कराना उचित रहेगा।

बताया जाता है कि अतुल गर्ग ने शनिवार को स्वतंत्रता दिवस वाले दिन सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री वीके सिंह के साथ बीजेपी पार्टी कार्यालय पर ध्वजारोहण किया था। इस दौरान उनके साथ भाजपा के तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। इस कार्यक्रम के बाद अतुल गर्ग ने एमएमजी अस्पताल में कोरोना जांच के लिए बनी आरटी–पीसीआर लैब का उद्घाटन किया था। यहां उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों से भी वार्ता की थी। उद्घाटन के दौरान सीएमओ, जिला मलेरिया अधिकारी, एमएमजी अस्पताल के प्रभारी सीएमएस के अलावा कई अन्य चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ उनके काफी नजदीक थे।